जेष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 142, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शनिवार 18 जून 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

अग्निपथ की 'आग', थम नहीं रहा बवाल

यूपी-बिहार और तेलंगाना में ट्रेनें फूंकीं, 2 की मौत, बिहार में डिप्टी सीएम के घर पर हमला, रेल मंत्री बोले- रेलवे की संपत्ति को न पहुंचाएं नुकसान, अग्निपथ पर बवाल के बीच अग्निवीरों की भर्ती 24 जून से शुरू करने की घोषणा

नई दिल्ली/पटना/आरा/बलिया/: सेना में भर्ती के लिए बनाई गई अग्निपथ योजना में सरकार द्वारा एज लिमिट बढ़ाने के बाद भी प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहा है। यूपी और बिहार में प्रदर्शनकारियों ने ट्रेनें फूंक दीं। कई जगह रेलवे ट्रैक और सड़क जाम किया गया। वहीं, यूपी के बलिया में सुबह पांच बजे से प्रदर्शन शुरू हो गया। यहां कई गाड़ियों के शीशे तोड़े गए। पुलिस ने एक उपद्रवी को हिरासत में लिया है। इस बीच रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेल संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाने की अपील की है। फिरोजाबाद में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर 4 बसों में तोड़फोड़ करके जाम लगाया गया। हरियाणा के नारनौल में भी युवाओं ने जाम लगा दिया है। तेलंगाना के सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन में भी आगजनी और तोड़फोड़ हुई है। यहां हुए हिंसक प्रदर्शन में एक की मौत हो गई। दूसरी मौत बिहार के लखीसराय जिले में हुई है। राजस्थान के भरतपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन पर प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मी को लहूलुहान कर दिया। आंदोलन के कारण 200 ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। पूरे देश में 35 ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं, जबकि 13 को कुछ समय के लिए रद्द किया गया है।

सेना प्रमुख बोले- दो दिन में जारी होगा नोटिफिकेशन: अग्निपथ योजना पर मचे बवाल के बीच सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा कि अग्निवीरों की भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है। अगले 2 दिनों के भीतर नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। उसके बाद हमारे सेना भर्ती संगठन पंजीकरण और रैली का विस्तृत कार्यक्रम घोषित करेंगे। वहीं, भारत वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा- वायु सेना के लिए भर्ती प्रक्रिया 24 जून से शुरू होगी।

दरभंगा में पत्थरबाजी के बीच फंसी स्कूल बस, रोते-बिलखते बच्चों का वीडियो वायरल

अग्निपथ योजना के विरोध में बिहार से उठी विरोध की चिंगारी कई राज्यों में फैल चुकी है। हालांकि, अभी भी बिहार में यह आग सबसे तेज धधक ही है। कई जिले हिंसक प्रदर्शन की चपेट में हैं। यहां तीन दिन से युवाओं का विरोध प्रदर्शन जारी है। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार सुबह-सुबह भी युवा सड़क पर उतर आए और हिंसक प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरा आरा, समस्तीपुर, बक्सर, लखीसराय में कई जगह तोड़फोड़ की सूचना है। योजना का विरोध करते हुए छात्रों ने ट्रेनों में आगजनी भी की है। वहीं अग्निपथ योजना के विरोध में राष्ट्रीय जनता दल ने शनिवार को बिहार बंद बुलाया है।

पत्थरबाजी के बीच फंसी स्कूल बस: बिहार के दरभंगा का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। अग्निपथ योजना के लेकर हो रहे हिंसक प्रदर्शन के बीच एक स्कूल बस फंसी हुई वीडियो में दिखाई दे रही है। बस में चार से पांच मासूम बच्चे भी मौजूद हैं, जो सहमे हुए हैं और रो रहे हैं। सोशल मीडिया पर लोग प्रदर्शनकारियों के खिलाफ नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के घर पर हमला: छात्रों के हिंसक प्रदर्शन के बीच बेतिया में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल के घर पर भी हमला हुआ है। जानकारी के मुताबिक, घर पर पत्थर बरसाए गए हैं। इस हमले में एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है।

बिहार की उपमुखमंत्री के घर पर भीड़ का हमला: अग्निपथ योजना को लेकर विरोध कर रहे छात्रों ने बेतिया में बिहार की उपमुख्यमंत्री रेणु देवी के घर पर हमला कर दिया।

उनके बेटे ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि बेतिया में उनके आवास पर हमला हुआ है। घर को काफी नुकसान पहुंचा है। रेणु देवी इस समय पटना में हैं।

बलिया: छात्रों और पुलिस के बीच चला गुरिल्ला युद्ध

बलिया: सेना में अग्निपथ योजना का विरोध में शुक्रवार तड़के ही रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की बोगी को आग के हवाले करने वाले उपद्रवी छात्रों पर पुलिस ने आंसूगैस के गोले छोड़े औ? लाठियां भांजी। सुबह लगभग नौ बजे के आसपास सतीशचन्द्र कालेज के पास स्थित रेलवे क्रासिंग पर उपद्रवी छात्रों और पुलिस के बीच जमकर गुरिल्ला युद्ध हुआ। शहर में काफी देर तक अफरा-तफरी रही। "अग्निपथ" योजना के विरोध में छात्रों की जुटान स्टेडियम में हुई तो पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को लगा कि मामला शांत हो गया और छात्र घर चले जायेंगे। लेकिन हुआ उल्टा। सैकड़ों छात्र स्टेडियम घर न जाकर रेलवे स्टेशन की ओर बढ़ गए। वहां तोड़फोड़ की और वाशिंग पिट में खड़ी एक ट्रेन की एक कोच को आग के हवाले कर दिया। इधर, पुलिस जब तक पहुंची तो उपद्रवी छात्र स्टेशन से बाहर मालगोदाम रोड और सतीश चंद्र कालेज की ओर बढ़ गए। काफी संख्या में छात्रों ने मंत्री व भाजपा विधायक दयाशंकर के जनसम्पर्क कार्यालय के सामने लगभग एक घंटा सड़क को अपने कब्जे में लिया। कार्यालय पर लगे बैनर को क्षतिग्रस्त कर दिया। एससी कालेज की तरफ से पुलिस युवकों की तरफ बढ़ी लेकिन युवकों के पत्थरबाजी के कारण वापस लौटना पड़ा। तभी पुन: पुलिस फोर्स पहुंची और आंसूगैस के गोले छोड़े और लाठी चार्ज कर खदेड़ा। इस दौरान डीएम, एसपी सीटी मजिस्ट्रेट सीओ सिटी घंटों जमे हुए थे। मेरठ, देवरिया, सीतापुर के साथ ही उन्नाव के शुक्लागंज में युवाओं ने विरोध किया। फिरोजाबाद में अग्निपथ को लेकर उपद्रवी युवा सुबह सात बजे से ही सड़कों पर उतर आए। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर 4 बसों में तोड़फोड़ करने के साथ ही जाम लगा दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने उपद्रव मचाने वालों को दौड़ाकर किसी तरह जाम खुलवाया।

राजस्थान: भरतपुर में पथराव, रेलवे ट्रैक जाम, पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे

भरतपुर में अग्निपथ के विरोध में युवाओं ने उग्र आंदोलन किया। पहले तो युवाओं ने शहर में एक जगह इकट्ठा होने की कोशिश, लेकिन पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया। इसके बाद युवा धीरे-धीरे रेलवे पटरियों पर जमा होने लगे। रेलवे ट्रैक जाम हो गया। काफी संख्या में युवा पटरियों पर बैठ गए। केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। जैसे ही पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश की तो युवाओं ने पुलिस पर पथराव कर दिया। कई पुलिसकर्मियों के पत्थर लगे। एक पुलिसकर्मी का सिर फट गया। केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना का विरोध इंदौर में भी हो रहा है। यहां रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार सुबह 7 बजे सेना भर्ती में पहुंचे युवाओं ने हंगामा कर दिया। सूचना के बाद यहां ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने हल्का बल प्रयोग किया। यहां मौके पर आसपास के थानों का बल भी लगाया गया है। इसके बाद छात्र इकट्ठा होकर लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन पर पहुंच गए। यहां छात्रों ने जाम लगा दिया, जहां पुलिस के वाहन रवाना किए। छात्रों ने पुणे से इंदौर आने वाली ट्रेन भी रोक दी। इंदौर से उज्जैन जाने वाली मेमू सहित दो ट्रेन को निरस्त किया गया है। युवक सुबह पहुंचे तो पुलिस ने आगे जाने से रोका था। इस दौरान वह हंगामा मचाने लगे। कुछ देर बाद यहां भारी फोर्स तैनात किया गया।

हरियाणा: नारनौल में तोड़फोड़-जींद में रेल ट्रैक जाम

हरियाणा में शुक्रवार सुबह फिर अग्निपथ योजना का विरोध शुरू हो गया है। शुक्रवार सुबह नारनौल शहर में बस स्टैंड पर युवाओं ने उग्र प्रदर्शन किया और विरोधी नारेबाजी करते हुए तोड़फोड़ की। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए लाठीचार्ज किया। महावीर चौक और बस स्टैंड से प्रदर्शनकारियों को खदेड़ दिया गया है। पुलिस ने 20 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है। पुलिस के आला अफसर मौके पर पहुंच चुके है। जींद,हिसार,फतेहाबाद,रोहतक समेत कई जिलों में प्रदर्शन किया जा रहा है। जींद के नरवाना में युवाओं ने दिल्ली-फिरोजपुर रेलवे ट्रैक को जाम कर दिया है। जींद में प्रदर्शन हो रहा हे, वहीं फतेहाबाद के रतिया में भी संजय चौक पर युवा प्रदर्शन कर रहे हैं।

'अग्निपथ योजना' में पहले वर्ष उम्र सीमा में दो वर्ष की रियायत संवेदनशील कदम: शाह

नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्र सरकार द्वारा अग्निपथ योजना के तहत पहले वर्ष उम्र सीमा में दो वर्ष की रियायत दिए जाने के फैसले का स्वागत करते हुए इस संवेदशील कदम बताया है। शाह ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा, पिछले दो वर्ष कोरोना महामारी के कारण सेना में भर्ती प्रक्रिया प्रभावित हुई थी, इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अग्निपथ योजना में उन युवाओं की चिंता करते हुए पहले वर्ष उम्र सीमा में दो वर्ष की रियायत देकर उसे 21 साल से 23 साल करने का संवेदनशील निर्णय लिया है। इस निर्णय से बड़ी संख्या में युवा लाभान्वित होंगे और अग्निपथ योजना के माध्यम से देशसेवा व अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में आगे बढ़ेंगे। इसके लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करता हूं। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने बीते दिनों सेना में भर्ती के लिए अग्निपथ योजना की घोषणा की है। जिसके तहत 17 से 21 वर्ष की आयु के युवाओं को सेना में चार वर्ष के लिए भर्ती किया जाएगा।

कोविड के बाद फंगल इन्फेक्शन से जूझ रही हैं सोनिया गांधी

नई दिल्ली: कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी करीब दो हफ्ते पहले कोरोना संक्रमित हो गईं थीं। जिसके बाद उन्होंने खुद को आइसोलेट किया था और विशेषज्ञों के सलाह पर घर से ही इलाज करा रही थी लेकिन पिछले सप्ताह तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कांग्रेस महासचिव व मीडिया प्रभारी जयराम रमेश ने शुक्रवार को एक बयान जारी कहा कि सोनिया गांधी इस समय पोस्ट कोविड इफेक्ट के साथ-साथ फंगल इन्फेक्शन से जूझ रही हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को कोरोना होने के बाद अचानक उनकी नाक से खून आया था।

सुरक्षित डिजिटल लोन और जबरन कर्ज वसूली के खिलाफ आएंगे सख्त नियम: दास

नई दिल्ली: रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) सुरक्षित डिजिटल लोन और जबरन कर्ज वसूली करने वालों के खिलाफ जल्द ही सख्त नियम लाएगा। डिजिटल तरीके से कर्ज प्रदान करने की प्रणाली को सुरक्षित और मजबूत बनाने के लिए रिजर्व बैंक जल्द ही दिशा-निर्देश जारी करेगा। रिजर्व बैंक गवर्नर शक्ति कांत दास ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में कहा कि बैंकों के एजेंटों का ग्राहक को परेशान करना अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दास ने सख्त लहजे में कहा कि खराब भाषा में बात करना सहित अन्य कठोर तरीकों का इस्तेमाल बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। डिजिटल तरीके से कर्ज प्रदान करने की प्रणाली को सुरक्षित और मजबूत बनाने के लिए रिजर्व बैंक जल्द ही दिशा-निर्देश जारी करेगा। गवर्नर दास ने कहा कि डिजिटल तरीके से कर्ज प्रदान करने की प्रणाली को सुरक्षित और मजबूत बनाने के लिए आरबीआई जल्द ही दिशा-निर्देश जारी करेगा। उन्होंने इस बात पर भी चिंता जताई कि किस तरह डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लोगों के साथ लोन बांटने के नाम पर ठगी हो रही है। हालांकि, दास ने कहा कि इस बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए आरबीआई समय-समय पर गाइडलाइन भी जारी करता है। शक्तिकांत दास ने कहा कि भारत ही नहीं अमेरिका और यूरोप सहित विश्व के के देशों में महंगाई का दबाव है। इसको अचानक थामना किसी के बस की बात नहीं, लिहाजा उच्च महंगाई दर को बर्दाश्त करना वक्त की जरूरत है। उन्होंने कहा कि महंगाई को लेकर हमने जो कदम उठाए हैं, उन फैसलों पर कायम हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी से निपटने और देश की।

दंगे के बाद दुकानों से खरीदी बंद; मुसलमान होने पर नौकरी से निकाला

खरगोन में हिंदू-मुसलमानों के बीच अब सरकारी दीवार

भोपाल: खरगोन... यहां दंगों को 2 महीने बीत चुके हैं। 25 दिन के लंबे कर्फ्यू के बाद दुकानें खुल गई हैं। बाजार गुलजार हैं, लेकिन 'भरोसा' टूट चुका है। लोग डरे हुए हैं। प्रशासन को भी पता है कि दंगों की राख में चिंगारी अब भी सुलग रही है। इस चिंगारी को रोकने के लिए सरकार ने हिन्दू और मुसलमानों के मोहल्लों के बीच कांक्रीट की मजबूत दीवार खड़ी कर दी है। कुछ तैयार हो गई हैं, कुछ हो रही हैं। शहर के अलग-अलग हिस्सों में टूटते भरोसे की ये दीवारें अब इंसानियत को चिढ़ा रही हैं। खरगोन के खसखसवाड़ी और जमींदार मोहल्ले के बीच 12 फीट की कांक्रीट वॉल खड़ी कर दी गई है। इसके ऊपर बॉर्डर वाली फेंसिंग भी लगी है, ताकि कोई इसे फांद न सके। इसके अलावा, संजय नगर में 2 जगहों पर और ब्राह्मणपुरी में भी बेरिकेड फिक्स कर दिए गए हैं। अप्रैल में तालाब चौक में रामनवमी के जुलूस पर पथराव हुआ था। इसके बाद दंगे हुए थे। जब हम यहां पहुंचे तो मस्जिद के सामने स्थित आटा चक्की की घर्र-घर्र की आवाज थमी हुई थी। भीतर जाकर पूछा तो पता चला कि ये चक्की मोइनुद्दीन चलाते हैं। पूछने पर पहले तो वे ना-नुकुर करते रहे। फिर कहते हैं कि पहले वे 2 क्विंटल गेहूं रोज पीसते थे, अब बमुश्किल आधा ही हो पाता है। दंगों के बाद दूसरे पक्ष के लोग अब यहां कम आते हैं। यहीं बैठे मिले इमामुद्दीन। हमने पूछा कि अब कैसा माहौल है? मन में कोई टीस छिपाते हुए मुस्कुराकर बोले- पीसफुल माहौल है। अमन चैन है। हमने पूछा कि क्या दिलों में भी अमन-चैन कायम है, तो चच्चा जैसे फूट पड़े। बोले- दिल का नहीं मालूम।

जन भावनाओं को समझने में विफल है केन्द्र सरकार: राहुल गांधी

नई दिल्ली: कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि केन्द्र सरकार जन भावनाओं को समझने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। राहुल ने शुक्रवार ट्वीट कर कहा कि केन्द्र सरकार की अग्निपथ योजना को नौजवानों ने नकारा दिया है। इसके पहले केन्द्र सरकार के कृषि कानून को किसानों ने नकार था। राहुल ने कहा कि जब सरकार ने नोटबंदी किया तो उसे अर्थशास्त्रियों ने नकारा, जीएसटी को व्यापारियों ने नकार दिया। राहुल ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की जनता जो चाहती है उसे पीएम मोदी समझ नहीं पा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को राहुल गांधी ने अग्निपथ योजना पर आपत्ति जताई थी।

खबर संक्षेप

खीरी पुलिस ने देर से करवाई इलाज, आक्रोश

लेडियारी। खीरी थाना क्षेत्र के नीबी ग्राम सभा में गुरुवार को एक परिवार में आपस में विवाद हो गया। जिसमें एक युवक के सिर में गंभीर चोटें आई । जिससे काफी खून बह गया। मामले में संतरा देवी निषाद भाजपा जिला मीडिया प्रभारी, यमुनापार महिला मोर्चा ने थानाध्यक्ष खीरी को सूचित किया। तत्काल पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची और दोनों पक्ष के लोगों को थाने ले आई। गंभीर रूप से घायल युवक की मां ने खीरी पुलिस पर ' आरोप लगाई है कि दूसरे पक्ष का खुल कर सहयोग कर रहे थे, महिला का कहना है कि मेरे तरफ खून से लथपथ हमारे बच्चे को घंटों थाने में बिठाया रखा गया। काफी जद्दोजहद के पश्चात लगभग देर रात 12 बजे गंभीर रूप से घायल अश्वंत बिंद को सीएचसी कोराव इलाज हेतु भेजा गया। जबकि 108 नंबर की सरकारी एंबुलेंस खीरी थाना परिसर में खड़ी थी। लेकिन ड्राइवर बताया इलाज कराने हेतु कोई बेवस्था नहीं है। मामले में खीरी थाना अध्यक्ष अनिल कुमार वर्मा का कहना है कि किसी को अस्पताल सही समय पर न भेजा जाना और इलाज के लिये पुलिस का इन्तजार करना अच्छी बात नही।

अग्निपथ पर छात्रों में उबाल, रेलवे स्टेशनों-सड़कों पर जमकर बवाल

छात्रों ने रक्षामंत्री का पुतला फूंका

विरोध प्रदर्शन के दौरान पुतला फूंकते छात्र

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सेना भर्ती की अग्निपथ स्कीम के विरोध में शुक्रवार को छात्र सड़कों पर उतर आए। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में छात्रसंघ भवन के सामने केंद्र विरोधी नारेबाजी के बीच रक्षामंत्री का पुतला जलाया गया। उधर, नैनी के अलावा कीडगंज और नवाबगंज में गुस्साए छात्रों ने सड़क जाम करने की कोशिश की। रामबाग रेलवे स्टेशन पर जमा हो रहे प्रदर्शनकारियों को समजा-बुझा कर हटाया गया।

अग्निपथ के विरोध में प्रयागराज में भी छात्रों-युवाओं में उबाल देखा गया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्रसंघ भवन के सामने समाजवादी छात्र सभा के नेता अजय यादव सम्राट की अगुवाई में विरोध-प्रदर्शन किया गया। यहां रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का पुतला जलाकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। पुतला जलाने वालों में ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अखिलेश यादव, आकाश यादव, शिवा चौबे, सुधीर यादव, गौरव गौर, ज्ञान समेत कई युवा शामिल थे।उधर, नैनी में लेप्रोसी चौराहे पर भर्ती स्कीम के विरोध में छात्रों ने जाम लगाने की कोशिश की। वहां से पुलिस ने उनको हटाया तो वह पैदल मार्च करते हुए कीडगंज पहुंच गए। कीडगंज में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा गया। इस दौरान छात्र इंडियन आर्मी जिंदाबाद, भारत माता की जय .. जैसे नारे लगाए जा रहे थे। इसी तरह अग्निपथ के विरोध में रामबाग रेलवे स्टेशन पर पहुंचे छात्रों को पुलिस ने रोक लिया।नए यमुना पुल पर भी छात्र इकट्ठा हुए। वह यहा रास्ता जाम कर विरोध -प्रदर्शन करना चाह रहे थे, लेकिन वहां मौजूद पुलिस ने उनको समझा कर आगे बढ़ा दिया। उधर, सहसो -भोपतपुर हाईवे से लेकर श्रीकृष्णा इंटर कॉलेज देवनहरी के बीच सैकड़ों की संख्या में छात्रों ने प्रदर्शन किया और केंद्र सरकार के विरोध में नारे भी लगाए। इसी तरह नवाबगंज इलाके के रामचौरा रेलवे स्टेशन पर प्रदर्शनकारियों ने रेलवे ट्रैक जाम करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। बाद में सभी को रिहा कर दियास गया।

अग्निपथ के विरोध में सड़क पर उतरे छात्र

नैनी,प्रयागराज। लेप्रसी चौराहे पर शुक्रवार दोपहर अग्निपथ के विरोध में सड़क पर उतर कर छात्र पुरानी भर्ती बहाली की मांग को लेकर प्रदर्शन,कर रहे थे तभी वहां पर नैनी पुलिस पहुंची और प्रदर्शनकारियों को समझा-बुझाकर वहां से शांत कराया दिया गया।लेकिन प्रदर्शनकारी नहीं माने वह धीरे-धीरे अरैल चौराहा,काटन मिल चौराहा, शंकरढाल,होते हुए मेवालाल बगिया की चौराहे पर फिर प्रदर्शन करने लगे हालांकि लेप्रेसी चौराहे से नैनी इंस्पेक्टर पुलिस कर्मियों के साथ छात्रों के साथ लगे रहे।प्रदर्शन देख नैनी पुलिस अलर्ट हो गई।जहां करीब छात्रों ने घंटे भर विरोध प्रदर्शन जारी रखा।तब कहीं जाकर नैनी पुलिस ने समझा-बुझाकर सभी छात्रों को भेज दिया।वही नैनी स्पेक्टर सुरेंद्र कुमार वर्मा कस्बा नैनी चौकी इंचार्ज समेत भारी पुलिस बल मौजूद रहे।

अग्निवीर के विरोध में नवयुवकों ने किया विरोध प्रदर्शन

सहसों। प्रयागराज गोरखपुर राजमार्ग पर अग्निवीर के विरोध में शुक्रवार को लगभग 11 बजे दिन में भोपतपुर हाईवे से लेकर श्री कृष्ण इण्टर कालेज देवनहरी तक सैकड़ों की संख्या में परीक्षार्थियों ने प्रदर्शन किया तथा सरकार एवं अग्निवीर के विरोध में नारे भी लगाए। सहसों के समीप भोपतपुर हाईवे पर प्रदर्शन के प्रारम्भ में एसपी गंगा पार, उपजिलाधिकारी फूलपुर, क्षेत्राधिकारी फूलपुर, थाना प्रभारी सराय इनायत, थाना प्रभारी थरवई तथा चौकी प्रभारी सहसों पुलिस बल के साथ कोई उपद्रव, तोड़फोड़ एवं अप्रिय घटना ना घटे के साथ मुस्तैदी से मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों को लेकर एसपी गंगापार को रक्षा मंत्री भारत सरकार के नाम 6 सूत्री एक ज्ञापन सौंपा तथा प्रयागराज गोरखपुर राजमार्ग पर प्रदर्शन करते हुए श्री कृष्ण इंटर कालेज देवनहरी के पीछे ग्राउंड में पहुंच कर समाप्त किया तथा आगे की रणनीति बनाने की चर्चा किया।

अग्निपथ : सरकार का यह कदम बेहद सराहनीय व दूरदर्शी कदम : गणेश मिश्र

स्किल्ड युवाओं की कमी से जूझ रहे प्राइवेट सेक्टर को भी मिलेगा लाभ

कोरांव। वर्तमान में देश युवाओं का भले ही है मगर प्रशिक्षित युवाओं की कमी है, यह आप किसी भी सेक्टर में आसानी से देख व समझ सकते है, स्थानीय स्तर पर काफी युवा बेरोजगार घूमते मिल जाते है बेरोजगारी का रोना भी रोते है, मगर उनके पास किसी भी कार्य का कौशल नही है,साथ ही आप किसी भी क्षेत्र में कौशल युवाओं को देखेंगे तो वो कभी बेरोजगार नही मिलेंगे। बाकी आपको अगर मजाक उड़ाना है या दोष देना है तो चाहे सरकार को कीजिये या पकौड़े के व्यवसाय को यह आपकी मानसिकता पर निर्भर है। रही बात अग्निपथ योजना की तो हर साल 50 हजार की भर्ती होगी, जिसमे 25% यानी 12500 सेना में ही ले लिए जाएंगे, यह एक्चुवल है, अब आगे की बात करिये तो अनुमानित 25% ही प्रदेश पुलिस व अर्धसैनिक बलों में आसानी से समायोजित हो जाएंगे, 25 % ही निजी क्षेत्र जो कि स्किल्ड युवाओं की कमी से जूझ रहा उसमे भी आसानी से समायोजित होंगे, बाकी बचे जो 25 % वो भी आसानी से 4 साल बाद मिलने वाले 12 लाख व 4 साल के दौरान बचत से व्यवसाय भी कर सकेंगे, यह मैं आसानी से इसलिए कह रहा कि वो 4 साल सेना की नौकरी कर के आये रहेंगे, सेना का प्रशिक्षण उनके साथ रहेगा, वो कभी बेरोजगार नही बैठेंगे न ही बेरोजगारी का रोना रोयेंगे।

इसका उदाहरण आप वर्तमान में भी देख सकते है जो सैनिक 50 से 55 के उम्र में रिटायर होते है वह घर बैठने की बजाय कहि न कही प्राइवेट या अर्ध सरकारी नौकरी ही करते है। साथ ही इसके अतिरिक्त फायदे की बात करे तो, यह युवा सैन्य प्रशिक्षित रहेंगे भविष्य के 10 साल के बाद कि बात करे देश के पास आपातकाल में 50 लाख अवैतनिक सैनिक रहेंगे। सरकार कोई भी हो अगर इस तरह का कदम उठाये तो राजनीतिक एजेंडे से विरोध की बजाय उसका समर्थन करना चाहिये। वर्तमान में भी जो इसका विरोध कर रहे उनका भी एजेंडा सिर्फ राजनीतिक ही है, अन्यथा सब जानते है कि कोई भी सरकार 1% से ज्यादा सरकारी नौकरी नही दे सकती। सरकार अग्निपथ योजना से नौकरी के साथ साथ कौशल प्रशिक्षण वेतन के साथ ही दे रही है। ये युवा जब प्रदेश के पुलिसिंग में आएंगे तो प्रदेश सरकारों का उनके प्रशिक्षण में किये जाने वाला खर्च भी बचेगा। आप कल्पना कीजिये किसी भी आपात स्थिति में देश के सीमा पर जितने जवान होंगे उससे ज्यादा प्रशिक्षित जवान देश के भीतर भी रहेंगे, किसी भी आपदा बाढ़, भूकम्प आदि समस्याओं में सेना को ही बुलाना पड़ता है, प्रशिक्षित युवा रहेंगे तो समाज क्षेत्र में ही उनके प्रशिक्षण का लाभ घरेलू मोर्चे पर भी मिलना ही मिलना है,साथ ही 4 साल में सैन्य प्रशिक्षण के साथ साथ लगभग 24 लाख कमाने का अवसर भी युवाओं के पास 4 बाद चाहे तो नौकरी व्यवसाय या आगे की अपने स्किल के अनुसार पढ़ाई, अपने स्किल के अनुसार व्यवसाय शुरू करने के लिये पैसे खुद के पास। मुझे तो यह दीर्घकालिक व दूरदर्शी कदम सरकार का लगता है, और मैं इस कदम के लिये सरकार का आभार प्रकट करता हूं। बाकी विरोध समर्थन लोगो के अपने अपने नजरिये व राजनीतिक एजेंडे पर है, हा विरोध का वजह समझ से परे है, ऐसा तो है नही की अग्निपथ के अतिरिक्त सरकार अन्य माध्यम से रोजगार नही दे रही, सेना भी जो भर्तियां आयोजित की जाती रही है वह पूर्ववत ही रहेंगी यह तो वैकल्पिक है। विरोध या समर्थन हर व्यक्ति का लोकतांत्रिक अधिकार है, समर्थन हमेशा मयार्दा पूर्ण ही रहता है, बेहतर होगा कि विरोध भी लोकतांत्रिक मयार्दा के अनुसार ही हो, विरोध करने वाले युवाओं से भी अनुरोध है कि किसी भी राजनीतिक पार्टी के एजेंडे या बहकावे में न आकर स्वयं विचार करे, भविष्य आपका है, सरकार का दायित्व है कि अपनी योजना को बेहतर तरिके से आपको समझाए,और उम्मीद है कि जब सरकार ने यह योजना ही युवाओं के बेहतरी के लिये लाई है तो बेहतर तरीके से समझाने में सफल भी होगी।

अपहरण व चोरी के आरोप में आधा दर्जन लोगों को पुलिस ने दबोचा

मेजा रोड। शुक्रवार को मेजा पुलिस ने अपहरण के तीन आरोपियों को धर दबोचा गिरफ्तार किए गए आरोपियों को पुलिस ने जेल भेज दिया बता दें कि शुक्रवार को थाना प्रभारी मेजा धीरेंद्र सिंह ने दरोगा प्रभु नारायण यादव हेड कांस्टेबल अरविंद चौबे हेड कांस्टेबल संजय पांडे के साथ क्षेत्र में भ्रमण के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र के उरुवा चौराहे से चोरी के तीन आरोपी मुलायम बिंद विमल बिंद सुनील बिंद निवासी अखरी शाहपुर को गिरफ्तार कर कब्जे से चोरी की सीसीटीवी एक वाईफाई बरामद किया वही मदरा मुकुंदपुर गांव में 1 सप्ताह पूर्व संदिग्ध परिस्थितियों से गायब हुए युवक के अपहरण के तीन आरोपियों आजाद निषाद राम सागर निषाद संतोष निषाद को मदरा मुकुंदपुर गांव से गिरफ्तार किया थाना प्रभारी मेजा धीरेंद्र सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया।

रिटायर्ड दरोगा ने शरीर को आग के हवाले कर गवाई जान

अखंड भारत संदेश

पारिवारिक कलह एवं पत्नी के विवाद से रहते थे परेशान-चर्चा, दरोगा की मौत कई कारणों की ओर कर रही इशारा

रत्योंरा /कोरांव। थाना क्षेत्र के चांदी गांव में एक रिटायर्ड दरोगा ने बीती रात को अपने शरीर पर पेट्रोल छिड़ककर आग के हवाले कर दिया। जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक गायत्री प्रसाद तिवारी पुत्र स्व हीरालाल तिवारी निवासी चांदी थाना कोरांव पत्नी व बेटे के साथ नैनी में रहते थे गुरुवार को शाम सात बजे के आसपास नैनी घर पर पत्नी से झगड़ा कर रिटायर्ड दरोगा गायत्री प्रसाद तिवारी अपने पैतृक गांव चांदी आ गये गांव के कुछ लोगों ने उनको देखा किंतु वे घर नहीं गए। चांदी गांव में ही श्री संकट मोचन धाम आश्रम भी स्थित है। आश्रम की भूमि को लेकर कुछ पारिवारिक विवाद भी चल रहा था। बताया जा रहा है कि आश्रम से लगभग 100 मीटर पहले ही रात्रि 12 बजे के आसपास अपने शरीर पर पेट्रोल छिड़ककर शरीर को आग के हवाले कर दिया। जिससे मौत हो गई।चर्चा है कि उन्होंने पहले जहर भी खाया था। आश्रम की जमीन को लेकर पति-पत्नी में काफी दिनों से अनबन चल रही थी आए दिन दोनों के बीच झगड़े हो रहे थे गुरुवार को भी पति पत्नी में झगड़ा हुआ और वे गांव आ गए और शरीर को आग के हवाले कर लिया। सुबह शुक्रवार को सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पति की मौत के बाद पत्नी नैनी में ही रही। पुलिस ने जब फोन पर वार्ता की तो उन्होंने बेटे का एक्सीडेंट होने की बात बताते हुए अस्पताल में होने की बात कही। रिटायर्ड दरोगा की जलकर हुई संदिग्ध मौत कई कारणों की ओर इशारा कर रही है।

फोरेंसिक टीम में जांच के लिए नमूने : रिटायर्ड दरोगा के मौत की सूचना पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटना से जुड़े कई नमूने भी लिए हैं। फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी भी कराई गई है। रिटायर्ड दरोगा के मौत की जांच फोरेंसिक टीम कर रही है। उन्होंने अपने शरीर को आग के हवाले खुद किया या उन्हें आग के हवाले किया गया, आदि सब कारणों का पता फोरेंसिंक टीम की जांच के बाद ही चल सकेगा।

न्यूज झरोखा

सहायक पंचायत सचिवों को गवर्नमेंट सर्विसेस सीएससी के लिए किया गया प्रशिक्षित

करछना। विकास खंड करछना में सहायक पंचायत सचिवों को सीएससी ब्लॉक कोऑर्डिनेटर बाल गोविंद विश्वकर्मा, खंड विकास अधिकारी देव कुमार, एडीओ पंचायत विवेक कुमार मिश्रा, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी ,की उपस्थिति में ब्लॉक सभागार में आयोजित सहायक पंचायत सचिवों को एक दिवसीय गवर्नमेंट सर्विसेस सीएससी का प्रशिक्षण दिया गया जिसमें सीएससी द्वारा गवर्नमेंट की सर्विसेस के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई तथा उन्हें प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि सभी सहायक पंचायत सचिव अपने-अपने पंचायतों पर गांव में होने वाले विकास कार्यों का लेखा-जोखा कंप्यूटर में अपलोड करेंगे जिसमें शौचालय आवास आय जात निवास बैंक की बिजली बिल बीमा आदि सभी गवर्नमेंट सर्विसेस की जानकारियों के विषय में उन्हें प्रशिक्षण दिया गया इस दौरान उपस्थित सहायक पंचायत सचिवों में आदित्य तिवारी आरती कुमारी प्रीति शुक्ला , आकांक्षा पांडे ज्योति ,शुभम विश्वकर्मा, ममता पटेल, श्याम सिंह सौरभ पटेल आकाश प्रजापति ,पूनम यादव ,प्रतिभा पटेल ,सर्वेश ,अमित कुमार ,संदीप सिंह ,आदि बड़ी संख्या में डाटा ऑपरेटर उपस्थित रहे , प्रशिक्षण के दौरान खंड प्रेरक अतुल कुमार मिश्रा, दुष्यंत प्रताप सिंह, मनीष शुक्ला, आदि ब्लॉक कर दी उन्हें प्रशिक्षण में अलग-अलग बिंदुओं पर सहायक पंचायत सचिवों को प्रशिक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई ।

शोका कुल परिवार के घर संवेदना व्यक्त करने पहुंचे क्षेत्रीय बिधायक राजमणि कोल

लेडियारी। कोरांव तहसील अन्तर्गत ग्राम पंचायत लेडियारी बाजार के चर्चित एवं पूर्व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के पुत्र स्वर्गीय महेश्वरी प्रसाद सिंह के आकस्मिक निधन पर परिवार के लोगों को सांत्वना देने कार्य कताओं के साथ निज निवास पहुंचे मुख्य रूप से रामेश्वर द्विवेदी भाजपा नेता, शिवदत्त पटेल, मिश्रा जी धीरेंद्र शुक्ला पूर्व प्रधान, पवारी , पी आर ओ रामाश्रय शुक्ला, दुर्गा प्रसाद सिंह,कमलेश पटेल, भागीरथी केसरवानी आदि सैकड़ों लोग उपस्थित थे। परिवार के परिजनों ने आए हुए सम्मानित विधायक एवं क्षेत्रीय लोगों का आदर सम्मान किये।

गरियांव में पिता की पुण्यतिथि पर 5 परिवार में सोलर लाइट लगवाया

जंघई। समर बहादुर सिंह इंटर कॉलेज गरियांव के संस्थापक समाजसेवी स्वर्गीय समर बहादुर सिंह की आठवीं पुण्यतिथि बड़े श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि सभा को संबोधित किया।उन्होने कहा कि बाबूजी सरलता एवं त्याग की प्रतिमूर्ति थे उन्होंने 25 वर्षों तक भोजन नहीं किया तथा अपना जीवन फलाहार पर बिताकर हमेशा समाज के कल्याण हेतु धर्म के कार्य में लगे रहे। इस अवसर पर संस्थापक के बड़े पुत्र उद्योगपति योगेश सिंह ने 5 परिवारों में अपने स्वयं की निधि से सोलर स्ट्रीट लाइट लगवाया और कहा कि पिता जी के दिखाए गए रास्ते के अनुसरण करते हुए हमेशा समाज की सेवा में अपना योगदान देता रहूंगा।इस अवसर पर ब्लाक प्रमुख मुंगरा बादशाहपुर सत्येंद्र सिंह फंटू, खंड विकास अधिकारी मुंगरा बादशाहपुर सुरेंद्र सिंह, रमेश प्रताप सिंह प्रधान, बाबा मिश्रा, हरिशंकर तिवारी, भरत मिश्र, देवी सिंह, ओमकार शुक्ला, रामचंद्र शुक्ला, भोला नाथ शुक्ला, कृष्ण गोपाल शुक्ला, अशोक सिंह समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

खीरी पुलिस के विरूद्ध बिरसा मुंडा मंच के लोगों ने किया चक्का जाम

अखंड भारत संदेश

तसीलदार पर भरोसा जताते हुए आदिवासी मंच के लोगों ने हटाया चक्का जाम

लेडियारी, प्रयागराज। बिरसा मुंडा आदिवासी मंच के लोगों ने रज्जन कोल के नेतृत्व में शुक्रवार को आवासीय पट्टा एवं खीरी पुलिस द्वारा मारपीट किए जाने को लेकर खीरी चौराहे पर चक्का जाम किया। चक्का जाम में सैकड़ों महिलाएं, पुरुष एवं बच्चे भी शामिल रहे। चक्का जाम के दौरान उनका आरोप है कि कंचनपुर गांव के नवीनपरती 203, 206, एवं पुरानी आबादी संख्या 209, 210 को बैजनाथ तिवारी द्वारा कब्जा कर लिया गया है जिसको खाली कराया जाए। इसी के साथ डिहार, खपटिहा निवासी रमेश कुमार कुशवाहा ने आरोप लगाया कि वह आपसी विवाद को लेकर खीरी थाने पहुंचा जहां थानाध्यक्ष की मौजूदगी में एक उपनिरीक्षक प्रार्थी रमेश को गाली गलौज देते हुए मारा-पीटा। जिसको लेकर चक्का जाम में उक्त दरोगा के तबादले की भी मांग उठाई गई। चक्का जाम के दौरान सभी महिलाएं एवं पुरुष पुलिस प्रशासन मुदार्बाद के नारे भी लगाए गए। मामले को शांत करने स्थानीय पुलिस प्रशासन पहुंची किंतु नाकाम रही। पुलिस प्रशासन के असफलता के बाद उपजिलाधिकारी शुभम श्रीवास्तव एवं तहसीलदार डा. विशाल शर्मा मौके पर पहुंचे और तीन दिनों में मामले को सुलझाने का आश्वासन दिया तब जाकर चक्का जाम समाप्त किया गया।

सडक पार कर रही वृध्दा को बोलोरो ने कुचला मौत

मऊआइमा। सड़क पार रही वृध्दा को बोलोरो ने कुचल दिया दिया। जिससे उसकी मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी है। मिली जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम हरिसेनगंज निवासनीय रानी देवी 60 वर्ष पत्नी स्वर्गीय पन्ना लाल गुरुवार को देर रात शौच को गयी थी। शौच से वापस आते समय जैसे सडक पार करने लगी । बोलोरो ने कुचल दिया। जिससे रानी देवी की मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी है। मृतका के पुत्र बनारसी ने अज्ञात बोलोरो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

कोरांव इलाके के मस्जिदों पर पुलिस प्रशासन की चौकसी में पढ़ी गई नमाज

अखंड भारत संदेश

रत्योंरा /कोरांव। तहसील क्षेत्र में आने वाले सभी मस्जिदों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच नमाजियों ने जुमे की नमाज अदा की। उप जिलाधिकारी कोरांव शुभम श्रीवास्तव एवं तहसीलदार डॉ विशाल कुमार शर्मा पुलिस बल के साथ क्षेत्र के सभी मस्जिदों का भ्रमण करते रहे। सभी मस्जिदों पर पुलिस बल तैनात रहा। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूरे क्षेत्र में जुमे की नमाज अता की गई। नमाज अदा करने के दौरान कहीं भी किसी भी स्थान पर किसी भी प्रकार की अशांति नहीं फैली, शांति व्यवस्था कायम रही। 24 घंटे पहले से ही पुलिस और प्रशासन शांति व्यवस्था के बीच नमाज संपन्न कराने के लिए तैयारी में जुटी हुई थी। क्षेत्र के सभी मस्जिदों पर शांति व सौहार्द के साथ नमाज पढ़ी गई। कहीं भी किसी भी प्रकार का बवाल या उपद्रव नहीं हुआ। थाना प्रभारी धीरेंद्र सिंह क्षेत्र के सभी मस्जिदों का पुलिस बल के जवानों के साथ भ्रमण करते रहे। सोशल मीडिया समेत सभी मस्जिदों पर पुलिस की पैनी नजर रही जिससे कहीं भी किसी भी प्रकार की अशांति नहीं हुई। क्षेत्र के महुली बड़ोखर देवघाट अमिलिया कुदर आदि जगहों पर शांति का परिचय देते हुए नमाजियों ने नमाज अदा की।इसी क्रम में जिला सचिव-जिला अपराध निरोधक समिति संतोष कुमार श्रीवास्तव के निदेर्शानुसार एवम तहसील सचिव दिग्विजय सिंह के निर्देशन में पूर्व की भाँति जुमा के नमाज पर भी जिला अपराध निरोधक समिति कोरांव के थाना कमेटी प्रभारी नरेंद्र देव मिश्र के कुशल नेतृत्व में नूरी मस्जिद कोरांव गोल चौराहा माण्डा वाली रोड पर जनमानस,आवाम के बीच शांति व्यवस्था एवम यातायात को सुगम व सरल कायम करते हुए डयूटी पर संगम लाल जायसवाल , चिदानंद मिश्र, राकेश कुमार केसरी मो0असलम, डा0शिव कुमार जायसवाल, राजेश कुमार, दयाशंकर, चंद्रमा प्रसाद, मुकेश कुमार,आदि वालेंटियर्स उपस्थित रहे। पुलिस प्रशासन भी मौजूद रहा। पुरानी मस्जिद थाने के बगल में डयूटी पर अंकित कुमार, सभाजीत कुशवाहा, समरजीत, रामरतन कुशवाहा, शफात अली यहसान अहमद मुस्तैद रहे। कोसफरा कला मस्जिद पर कौशलेश कुमार,राम चन्द्र, शिव लाल कुशवाहा, खुर्शीद आलम आदि वालेंटियर्स मुस्तैद रहे। तहसील सचिव दिग्विजय सिंह व थाना कमेटी प्रभारी नरेंद्र देव मिश्र बाजार में भ्रमणशील रहे। जुमे के नमाज के वक्त कही कोई अप्रिय घटना नही घटित हुई। जिला अपराध निरोधक समिति कोरांव के वालेंटियर नमाज को सकुशल सम्पन्न कराने में सहयोग दिया।

करछना तहसील अंचल सहित नैनी के मस्जिदों पर पुलिस रही अलर्ट

नैनी। शुक्रवार सुबह से ही नैनी के तमाम मस्जिदों पर नैनी पुलिस अलर्ट रही ।जैसे की नैनी स्टेशन रोड़,कसाई मोहल्ला, एडीए जी का पूरा,अरैल चौराहा,खान चौराहा आदि जगहों पर पुलिस ने जुम्मा की नमाज को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया। आपको बता दें कि एसडीएम करछना,क्षेत्राधिकारी करछना, नैनी थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ नैनी क्षेत्र में पढ़ने वाले मस्जिदों पर मुस्तैद रही साथ ही क्षेत्रों में पैदल भ्रमण भी करतें रहे।

बारा क्षेत्र में शांति पूर्वक अदा हुई जुम्मे की नमाज

बारा। बारा तहसील क्षेत्र में शांति पूर्वक अदा हुई जुम्मे की नमाज प्रभारी निरीक्षक बारा कमलेश कुमार अपनी पुलिस टीम के साथ पूरे क्षेत्र गस्त कर शांति बनाए रखने की अपील किया पिछले जुम्मे की नमाज के बाद प्रयागराज के अटाला क्षेत्र में हुए बवाल को देखते हुए थाना प्रभारी बारा ने बारा थाना क्षेत्र की सभी मस्जिदों में पुलिस बल तैनात कर दिया पूरे क्षेत्र की सभी मस्जिदों में शांति पूर्वक अदा हुई जुम्मे की नमाज।

चनेथू-पयागपुर मार्ग गड्ढे में तब्दील आवागमन बाधित

जंघई। प्रतापपुर विधान सभा एवं भदोही लोकसभा क्षेत्र में ग्रामीण सड़कों की मरम्मत विगत कई वर्षों से न होने के कारण सड़क पूर्णतः गड्ढे में तब्दील हो चुकी हैं।दो जिले प्रयागराज एवं भदोही को जोड़ने वाली चनेथू पयागपुर सड़क पर गिट्टियां उखड़ चुकी है जगह जगह गड्ढे बन गये है लोग गिरकर चुटहिल हो रहे हैं परंतु जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन द्वारा अनदेखी हो रही है जिसका खामियाजा आवागमन करने वाले राहगीरों एवं क्षेत्रीय जनता को करना पड़ रहा है जिससे सभी आक्रोशित हैं और सड़क की मरम्मत हेतु मांग किया है।

खबर संक्षेप

आज घोषित होगा हाईस्कूल व इंटर का रिजल्ट

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद यूपी बोर्ड ने 10वीं और 12वीं का रिजल्ट आज यानी घोषित किया जाएगा। हाईस्कूल का रिजल्ट दोपहर 2 बजे और इंटरमीडिएट का 4 बजे तक जारी होगा । डायरेक्टर व सभापति डॉ. सरिता तिवारी और सचिव दिव्यकांत शुक्ला घोषित करेंगे। इस बार परीक्षा परिणाम की घोषणा लखनऊ से न होकर, यूपी बोर्ड मुख्यालय प्रयागराज से की जाएगी। पिछले 4 साल से परिणाम लखनऊ से होता था। इस रिजल्ट का प्रदेश के 47 लाख परीक्षार्थी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

रात में आधे-आधे घंटे कटौती कर पूरा कर रहे कोटा

प्रयागराज। करेली और आसपास के इलाकों में इन दिनों बिजली कटौती का अलग तरीका निकाला गया है। रात बारह बजे के बाद 30-30 मिनट की कई राउंड कटौती की जा रही है। रात में जब लोग गहरी नींद में होते तो अचानक बिजली गुल हो जाती है। आधे घंटे बाद सप्लाई शुरू होती है तो लोग राहत महसूस करते हैं। इसके एक घंटे सप्लाई के बाद फिर आधे घंटे के लिए बिजली गुल कर दी जाती है। ये सिलसिला पिछले एक महीने से चल रहा है।

जुमे की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न छावनी में तब्दील रहा पूरा अटाला क्षेत्र

अखंड भारत संदेश

अटाला में सड़कों-छतों की ड्रोन से हुई निगरानी, गलियों में भी पहरा

अटाला क्षेत्र में व्यवस्था देखते डीएम व एसएसपी

अटाला क्षेत्र में भ्रमण करते मंडलायुक्त व आईजी

प्रयागराज। जुमे पर माहौल शांतिपूर्ण बनाए रखने के लिए अटाला और आसपास के इलाकों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही। सड़कों और छतों की ड्रोन कैमरों से निगरानी की गई तो गलियों में भी पुलिस का पहरा रहा। आरएएफ के जवान मल्टीसेल लांचर लेकर लगातार गश्त करते रहे। उधर, दंगा नियंत्रण उपकरणों से लैस पुलिस और पीएसी के जवान भी संवेदनशील स्थानों पर तैनात रहे। मस्जिदों के आसपास विशेष चौकसी बरती गई। अटाला से लेकर नूरुल्लाहरोड तक 10 हजार से ज्यादा जवान तैनात रहे।पिछले जुमे पर हुए बवाल के मद्देनजर एक दिन पहले ही अटाला, नूरुल्लाह रोड का इलाका छावनी में तब्दील कर दिया गया था। शुक्रवार सुबह से चौकसी और बढ़ दी गई। अटाला में गोलपार्क चौराहे से लेकर शौकत अली रोड और नूरुल्लाह रोड पर सुबह से ही फोर्स ने गश्त करना शुरू कर दिया। मस्जिदों के आसपास पीएसी की टुकड़ियां तैनात की गई थीं। इसके साथ ही हर 50 मीटर के दायरे में पुलिस फोर्स को लगाया गया था।यहां दो-दो एसआई के नेतृत्व में 15 जवानों को मुस्तैद किया गया था। इसके अलावा ऐसी हर टीम की निगरानी व नेतृत्व का जिम्मा एक-एक थाना प्रभारियों को सौंपा गया था। इसके लिए जिले भर के थानों की फोर्स तैनात की गई थी। दो-दो थाना प्रभारियों व उनके अधीन तैनात की गई सब इंस्पेक्टर व सिपाहियों की टीम को सीओ स्तर के अधिकारी लीड कर रहे थे। जिनमें जिले के साथ-साथ आसपास के जिलों से बुलाए गए क्षेत्राधिकारी भी शामिल थे।

अटाला के ऊपर दिन भर मंडराते रहे ड्रोन कैमरे

अटाला क्षेत्र के ऊपर दिन भर ड्रोन कैमरे मंडराते रहे। पूरे क्षेत्र की निगरानी के लिए कुल चार ड्रोन कैमरों का इंतजाम किया गया था। इन कैमरों से सड़कों के साथ ही क्षेत्र में स्थित घरों की छतों पर नजर रखी गई। पिछली बार के बवाल में छतों से भी पथराव की बात सामने आई थी। ऐसे में ड्रोन कैमरों से लगातार छतों की निगरानी की गई। यह सुनिश्चित किया गया कि किसी भी छत पर लोगों का जमावड़ा न हो सके। इसके अलावा सर्विलांस कैमरों के साथ ही 300 अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरों की फीड की भी लगातार निगरानी की गई।

अटाला क्षेत्र की बेटियों ने कुछ इस तरह से किया एसएसपी समेत सभी पुलिस बल का इस्तकबाल...

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। चिलचिलाती गर्मी और धूप में ऑफर किया पीने का पानी एसएसपी ने कहा शुक्रिया बेटियों को दी शाबाशी और दिली दुआएँपिछले जुमा को जिस अटाला एरिया में ईंट पत्थर चले थे, उसी अटाला एरिया में आज दो सगी बहनों सारा और हलीमा ने पुलिस बलों को पीने के लिए ठंडा पानी पेश किया एसएसपी ने उन्हें अपना निजी नम्बर दिया और कहा कि कोई बाहरी शरारती आदमी आए या दिखे तो तुरंत फोन करना, मैं खुद दल बल समेत आऊँगा पकड़ने उनको।पिछले एक हफ़्ते से लगातार एसएसपी, डीएम और उनका पूरा पुलिस प्रशासनिक अमला दिन रात एक करते हुए पसीना बहाते हुए शांति व्यवस्था को और भी बेहतर बनाने और कानून को हाथ में लेने वालों की गिरफ़्तारी में लगा हुआ है। हालाँकि लगातार यह जोर है कि किसी निर्दोष/बेकसूर की गिरफ़्तारी ना की जाए ।

इलाहाबाद विवि : एलएलबी की परीक्षा का विरोध, परीक्षा नियंत्रक दफ्तर पर हंगामा

अखंड भारत संदेश

परीक्षा नियंत्रक कार्यालय पर हंगामा करते छात्र

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में सत्र 2021-22 की एलएलबी के पहले एवं चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं सात जुलाई से प्रस्तावित हैं। छात्र परीक्षा विरोध कर रहे हैं। इस मसले पर छात्रों ने शुक्रवार को छह घंटे तक परीक्षा नियंत्रक कार्यालय का घेराव किया और वहां धरने पर बैठे रहे। कुछ देर के लिए तालाबंदी भी की। उनकी मांग है कि पहले एवं चौथे सेमेस्टर के छात्रों को प्रमोट कर दिया जाए और दूसरे एवं पांचवें सेमेस्टर की कक्षाएं जुलाई के पहले सप्ताह में शुरू करा दी जाएं। इस मांग पर उचित विचार किए जाने का आश्वासन मिलने के बाद छात्रों ने परीक्षा नियंत्रक कार्यालय का घेराव समाप्त किया।छात्र सुबह 10 बजे ही परीक्षा नियंत्रक कार्यालय पर जुट गए। छात्रों का कहना था कि सत्र 2021-22 के तहत एलएलबी प्रथम सेमेस्टर में चार मई तक स्पोर्ट्स कोटा से प्रवेश लिए गए। इसके बाद केवल एक माह तक कक्षाएं चलीं और अब परीक्षा की तिथि घोषित कर दी गई है।

चौथे सेमेस्टर की परीक्षा भी काफी पहले हो जानी चाहिए थी, लेकिन जुलाई में परीक्षा कराई जा रही है। वहीं, 23 दिसंबर को क्लैट की परीक्षा प्रस्तावित है, जिसके लिए एलएलबी पांचवें सेमेस्टर की मार्कशीट की जरूरत पड़ेगी। चौथे सेमेस्टर की परीक्षा कराई गई तो रिजल्ट के लिए इंतजार करना होगा। इसके बाद पांचवें सेमेस्टर की कक्षाएं चलेंगी और फिर पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

23 दिसंबर तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकेगी और पांचवें सेमेस्टर के छात्र परीक्षा में शामिल होने से वंचित रह जाएंगे। वहीं, प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थी महज एक माह की कक्षा के आधार पर परीक्षा में शामिल होंगे, जबकि एक सेमेस्टर की कक्षाएं छह माह तक चलनी चाहिए। छात्र इस मांग पर अड़े थे कि पहले एवं चौथे सेमेस्टर के विद्यार्थियों को प्रमोट किया जाए और प्रमोशन के बाद दूसरे एवं पांच सेमेस्टर में पहुंचने वाले छात्राओं की कक्षाएं जुलाई के पहले सप्ताह में शुरू कराई जाएं, ताकि पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं क्लैट के आयोजन से पहले हो सकें और छात्र क्लैट में शामिल हो सकें।इस मांग पर लेकर छात्र शाम चार बजे तक परीक्षा नियंत्रक कार्यालय पर जुटे रहे। कुछ देर के लिए छात्रों ने वहां तालाबंदी भी की और विरोध में नारे लगाए। चार बजे के आसपास मौके पर चीफ प्रॉक्टर प्रो. हर्ष कुमार और डीन विधि संकाय प्रो. जेएस सिंह पहुंचे। उन्होंने छात्रों को आश्वासन दिया कि उनके प्रत्यावेदन को परीक्षा समिति के समक्ष रखा जाएगा और परीक्षा समिति का जो निर्णय होगा, उसे लागू किया जाएगा। इसके बाद छात्र माने और धरना एवं घेराव समाप्त किया।

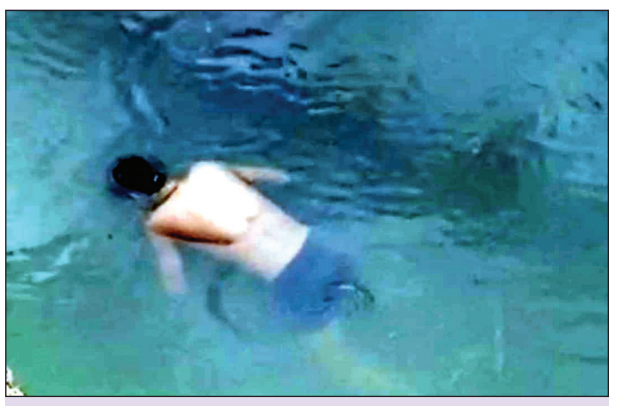

साथियों के साथ नदी नहाने आए युवक का उतराता हुआ मिला शव, कोहराम

पीएम के लिए पुलिस ने भेजा शव, साथी सकुशल लौट गए थे घर

कोरांव/रत्योंरा कोरांव थाना क्षेत्र के देवघाट बेलन नदी पर बने पुल के पास एक 18 वर्षीय युवक का शव पानी में उतराता हुआ मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक मुकेश कुमार पुत्र रमाशंकर बहेलिया निवासी महुली थाना कोरांव गुरुवार शाम को अपने कुछ साथियों के साथ देवघाट में बेलन नदी नहाने आया था। साथ रहे अन्य साथी नहाने के बाद सकुशल घर लौट गए, किंतु मुकेश नदी में डूब गया या फिर उसकी हत्या कर उसके शव को पानी में फेंक दिया गया। वह घर नहीं पहुंच पाया। सुबह देवघाट में बेलन नदी पर बने पुल के पास उतराता हुआ शव मिलने से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर रोते बिलखते परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए। तब तक लोगों की भारी भीड़ जमा हो चुकी थी। क्षेत्र में चर्चा रहा कि अगर साथियों के साथ नहाने गया युवक पानी मे दुब कर मौत हुई तो साथियों ने घर वालो को बताया क्यो नही और तरह तरह की चचाएँ रही।सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

न्यूज झरोखा

लाखो के जेवरात व नगदी लेकर चोर हुए फरार

हनुमानगंज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के पालीकरनपुर गांव में गुरुवार की रात चोरों ने एक मकान के अंदर घुस कर लाखों के जेवरात व नगदी समेट कर फरार हो और घर में सो रही परिजनों को भनक तक नही लगी। सुबह उठने पर घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। डॉग स्क्वाड भी मौके पर पंहुचा जांच की पर कुछ हाथ न लगा। पालीकरनपुर निवासी नीरज पांडेय बिजली कटने की वजह से घर के सभी कमरों में ताला लगा कर परिवार के साथ छत पर सो रहे थे रात में चोर छत से चढ़ कर सीढियो के सहारे आंगन में आये और सभी कमरों का ताला तोड़ अंदर रखें बक्से अलमारी को इत्मिनान से खगाला अलमारी व बक्से में रखे करीब 17 लाख के जेवरात व डेढ़ लाख की नगदी समेटकर चोर फरार है वही छत पर सो रहे परिजनों को घटना की जानकारी सुबह उठने पर हुई। नीरज ने तुरंत मामले की सूचना पुलिस कंट्रोल रुम के साथ स्थानीय पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस के साथ डाग स्क्वायड ने भी पड़ताल की बाद में पुलिस ने नीरज की तहरीर पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

जंग एआजादी का मनाया गया जश्न...

प्रयागराज। शुक्रवार को अमर शहीद चन्द्र शेखर आजाद एवम शहीद ए आजम भगत सिंह स्मारक समिति के तत्वाधान में 1857 की जंग ए आजादी में 7 से 17 जून तक प्रयागराज मे आजादी का जश्न मनाया गया तथा मौलवी लियाकत अली के नेतृत्व में बलिदान हुए शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई । इस कार्यक्रम में शहर के प्रबुद्ध जन प्रो. बल्लभ, रामाज्ञा राय, चन्द्र विजय चतुवेर्दी,आर . सी . त्रिपाठी, कृष्ण स्वरूप आनंदी,नरेश सहगल,राजेंद्र मेहरोत्रा,अमन सिंह एवम अतुल राय ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष राजू मरकरी ने की ।

पंचायत सहायकों का एक दिवसीय सीएससी प्रशिक्षण संपन्न

सहसों। विकासखंड सहसों के सभागार में पंचायत सहायकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को संपन्न हुआ। जिला पंचायत राज अधिकारी के निदेर्शानुसार शुक्रवार को ब्लॉक सभागार सहसों में 45 ग्राम पंचायतों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम एडीओ पंचायत नरेंद्र दुबे की देखरेख में संपन्न हुआ । ग्रामीण स्तर पर लोगों को सभी प्रकार के आवश्यक कागजात गांव में ही पंचायत सहायक के द्वारा प्राप्त हो सके इसके लिए सीएससी के माध्यम से विभिन्न प्रकार की जानकारियां प्रशिक्षक विजय मिश्र के द्वारा विस्तारपूर्वक बताया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से डिजिटल तथा कंप्यूटर की बारीकियों एवं कार्य करने के तरीके को विस्तार पूर्वक बताया गया ताकि ग्रामीण जनता को सभी प्रकार के आवश्यक कागजात आसानी से गांव मे ही उपलब्ध हो जाएं ग्रामीण जनता को कोई असुविधा न हो सके तथा ग्राम पंचायत के सभी कार्य आसानी से गांव में ही हो जाए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 45 ग्राम पंचायतों में से 41 ग्राम पंचायत सहायक उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त किए। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य सिद्ध नाथ मौर्य,कप्यूटर ऑपरेटर राज सहित आदि ब्लॉक कर्मचारी उपस्थित रहे।

अग्निपथ योजना विरोध को देखते हुए जंघई स्टेशन घुमती रही पुलिस

जंघई।अग्निपथ योजना के देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का असर जनपद मे दिखने लगा जगह जगह विरोध हो रहा देश भर में ट्रेनो में आग लगाने की घटना को देखते हुए जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पर विशेष सतर्कता देखी गयी आरपीएफ जीआरपी मीरगंज पुलिस दिन भर ट्रेन प्लेटफार्म चेक करती रही।जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन प्रयागराज जनपद की सीमा पर होने के कारण शासन ने इस स्टेशन को गंभीरता से लिया फिलहाल यहा विरोध देखने को नही मिला पर किसी भी घटना को बचाने के लिए मीरगंज थानाध्यक्ष बृजेश कुमार गुप्ता, आरपीएफ जंघई इन्स्पेक्टर अशोक कुमार, सब इंस्पेक्टर दीपक कुमार, जीआरपी जंघई इंचार्ज सूर्यकान्त पंडित की टीम पुलिस कर्मियों के साथ दिन भर जंघई स्टेशन पर चक्रमण करते रहे ट्रेनो के अन्दर भी चेकिंग की गयी। प्लेटफार्म नम्बर एक दो तीन सरकुलेटिंग एरिया पावर केविन वाहन स्टैंड तक पुलिस ने चक्रमण किया। इस मौके पर एसडीएम हण्डिया भी मौजूद रहे।थानाध्यक्ष मीरगंज बृजेश कुमार गुप्ता ने बताया की अग्निपथ योजना का विरोध के मद्देनजर दिन भर मीरगंज पुलिस आरपीएफ जीआरपी के साथ जंक्शन स्टेशन पर चक्रमण करती रही।

बोतल में पेट्रोल और डीजल लेने पर प्रतिबंध

प्रयागराज। शहर में पिछले दिनों जुमे की नमाज के बाद हुई हिंसा का लेकर शासन और प्रशासन अलर्ट मोड में है। उपद्रवियों को चिह्नित कर उन पर कार्रवाई भी हो रही है। इस तरह की घटना दोबारा न हो इसके लिए जिला प्रशासन की ओर से पूरी तैयारी कर ली गई है। इसी उद्देश्य से अब बोतल में पेट्रोल और डीजल लेने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। अगले आदेश तक इसका कड़ाई से पालन करने का निर्देश पेट्रोल पंप मालिकों को दिया गया है। ापरवाही करने पर सीज होगा पेट्रोल पंप : जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की ओर से भी यह भी स्पष्ट किया गया है कि पेट्रोल पंप मालिक या कर्मचारी इसे गंभीरता से नहीं लेते हैं और इसमें लापरवाही मिलती है तो पेट्रोल पंप सीज कर दिया जाएगा। सीसीटीवी के जरिए पेट्रोल पंपों पर निगरानी की जा रही है। जबर्दस्ती करने वालों पर भी नजर : पेट्रोल पंप संचालकों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि यदि कोई भी युवक बोतल में पेट्रोल या डीजल लेने के लिए आता है तो उसे कतई न दें। यदि मना करने के बावजूद वह नहीं मानता है उस पर भी नजर रखी जाए कि आखिर कौन है वह जो बोतल में पेट्रोल लेना चाहता है। बता दें कि 10 जून को प्रयागराज के अटाला इलाके में हुई हिंसा में पथराव के साथ साथ आगजनी की भी घटना हुई थी। ऐसे में यह घटना फिर न हो इसके लिए सख्ती की गई है।

समाज की विभूतियों को सम्मानित करने की परम्परा सराहनीय

अखंड भारत संदेश

विभूतियों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि

झूंसी। डा विश्वनाथ प्रसाद कीर्ति बोध संस्थान द्वारा शुक्रवार को झूंसी में आयोजित डा. शैल साहित्य शिखर सम्मान समारोह में लेखिका चंद्र बाला को डॉ शैल कुमारी स्मृति सम्मान से नवाजा गया साथ ही साहित्य शिखर सम्मान पं विभूति मिश्र व समाजसेवा शिखर सम्मान इं. पीसी श्रीवास्तव तथा शैल शिखर सम्मान से पत्रकार एवं लेखक उमेश श्रीवास्तव को नवाजा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एमएलसी एवं पूर्व महापौर डॉ केपी श्रीवास्तव ने आयोजक की प्रसंसा करते हुए कहा कि अपने समाज की विभूतियों को सम्मानित करने की परम्परा की शुरूआत कर सराहनीय कार्य किया है। विधायक फूलपुर माननीय प्रवीण पटेल ने बतोर विशिष्ट अतिथि कहा कि सम्मान देने वाला सम्मान पाने वाले से बड़ा होता है। कार्यक्रम के विशेष अतिथि पूर्व मुख्य चिकित्साधिकारी ?डा प्रदीप सिन्हा, कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए केपी ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष चौधरी राघवेन्द्र नाथ सिंह ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया। कार्यक्रम का आरम्भ शैल जी के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन वरिष्ठ साहित्यकार डॉ देवीप्रसाद कुंवर, स्वागत रमेश श्रीवास्तव तथा आभार प्रकट डा सव्यसाची एवं शाश्वत ने किया।

योग से तन और मन दोनों स्वस्थ होता है : विवेक मिश्रा

अखंड भारत संदेश

करछना।अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में ग्राम पंचायतों में जनसामान्य के साथ कामन योग अभ्यास का चल रहा है नियमित कार्यक्रम में विकास खंड करछना के प्राथमिक विद्यालय बसरिया में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में प्रातः 7 से 8 बजे तक ग्राम पंचायतों में प्रतिदिन योग का कार्यक्रम संचालित हो रहा है। ग्राम पंचायत में भी नियमित रुप से योग अभ्यास कराया जा रहा है।इसी कड़ी में शुक्रवार को प्राथमिक विद्यालय बसरिया में आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम में गांव के प्रधान समर जीत यादव एडीओ पंचायत विकास अधिकारी विवेक कुमार मिश्रा ,आशा शीला यादव, सफाई कर्मी तथा प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षामित्रों ने प्रतिभाग किया शिक्षा मित्र सिद्धराज सिंह ने बताया कि 14जून से जनसामान्य के साथ कामन योग का अभ्यास नियमित रुप से किया जा रहा है। इससे योग के महत्व को जनसामान्य तक पहुँचाने में मदद मिल रही है। हमारे देश के प्रधानमंत्री की देन है कि आज हिन्दुस्तान की पुरातन संस्कृति और संस्कार को विश्व स्तर पर पहचान मिली है योग से तन और मन दोनों स्वस्थ होता है। ऐसे में यदि दिन की शुरूआत योग के साथ होनी चाहिए और योग को जीवन की अनिवार्य हिस्सा बना लेना चाहिए।

आप पार्टी के नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष सर्वेश यादव का हुआ जोरदार स्वागत

नैनी। संगठन के निर्माण के क्रम में आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद माननीय संजय सिंह ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के अट्ठारह जिलो के अध्यक्षों की सूची एवं दो महानगर अध्यक्षों की सूची जारी किया इसी सूची में जनपद प्रयागराज से सर्वेश यादव जी को प्रयागराज महानगर का अध्यक्ष मनोनीत किया गया । मनोनयन के पश्चात लखनऊ से प्रथम नगर आगमन पर आज सिविल लाइंस पार्टी कार्यालय में पार्टी कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने सर्वेश यादव जी का माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया साथ ही साथ कार्यकताओं ने उन्हें इस बात का भरोसा दिलाया आपके नेतृत्व में जनपद प्रयागराज का महानगर संगठन सबसे मजबूत और संगठित संगठन होगा। उन्होंने कहा आज मुझ जैसे आम कार्यकर्ता को पार्टी ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी । स्वागत कार्यक्रम में सम्मिलित पूर्व महानगर अध्यक्ष संजीव मिश्रा,श्रीमती शिमला से त्रिपाठी जी, डा०जावेद, संजय पाण्डेय, मो. कादिर भाई, निखिल भारतीय,अंजनी मिश्रा,कुलदीप यादव, राम लखन चौरसिया, विकास तिवारी,धीरज तिवारी, विकास पटेल, सतेन्द्र चौधरी,शैलेंद्र पाण्डेय, रितेश सिंह, हैदर, आकाश बारी, मो. सैफ, अमरेन्द्र शाही आदि साथी मौजूद रहे।

जमीनी विवाद में चटकी लाठियां,मुकदमा दर्ज

सोरांव। थाना क्षेत्र के अहिबीपुर (बनकटवा) गांव में बुधवार को जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। जिसमें दोनों पक्षों से दर्जनों लोग घायल हो गए। पुलिस क्रास मुकदमा दर्जकर जांच पड़ताल में जुट गई है। जानकारी के अनुसार पीड़ित राम कैलाश पुत्र छेदीलाल विश्वकर्मा निवासी गोहरी का आरोप है कि मेरे ननिहाल बनकटवा की पुश्तैनी जमीन पर गांव के ही भोलानाथ पुत्र स्वर्गीय बृजलाल, रमेश कुमार व राकेश कुमार पुत्रगण भोलानाथ, अरविंद यादव पुत्र कल्लू, लवलेश कुमार पुत्र सोमनाथ, महेंद्र कुमार पुत्र बनवारी लाल, अमर सिंह पुत्र छोटेलाल ने मेरे ननिहाल की मेरी जमीन पर अवैध निर्माण कर रहे थे। जब मैंने मना किया तो उक्त विपक्षीगणों ने मुझे, मेरी पुत्री, व मेरे बेटे को लाठी-डंडे और सरिया से हमला कर दिए। जिससे मुझे और मेरे परिवार वालों को गंभीर चोटें आई हैं। पीड़ित ने थाने पर तहरीर देकर उक्त विपक्षीगणो के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवा दिया है।

परीवारिक न्यायालय में मामला चलने के बावजूद पति ने रचाई दूसरी शादी

मऊआइमा। पति पत्नी का मामला परीवारिक न्यायालय में चलने के बावजूद पति ने दूसरी शादी कर ली।पत्नी ने मऊआइमा थाने में मुकदमा दर्ज करा दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सिंसंवा मदारी निवासनीय प्राची पुत्री घनश्याम की शादी संजय कुमार पुष्पाकर हालमुकीम198धौलपुरा कृष्णा नगर संसद मार्ग पूर्वी दिल्ली के साथ हुई थी । प्राची का आरोप है कि पति का चाल चलन अच्छा न होने से दोनों में अनबन हो गई। और मामला परीवारिक न्यायालय में चल रहा है। बावजूद इसके पति संजय कुमार पुष्पाकर ने दूसरी शादी कर ली। आपत्ति करने पर गालियां दी गई और जान से मारने की धमकी भी दी गई । प्राची ने मऊआइमा थाने में संजय कुमार पुष्पाकर तथा सहयोगी खुशीदास के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है ।

पुनः एफसीआई सदस्य मनोनीत होने पर पूर्व विधायक से मिले डॉ. चन्द्रमोहन सिंह

सिरसा। प्रयागराज मेजा विधानसभा क्षेत्र के कनिगडा गांव निवासी एफसीआई सदस्य डॉ चंद्रमोहन सिंह को पुनः एफसीआई सलाहकार सदस्य मनोनीत किया गया है। पुनः एफसीआई सदस्य मनोनीत होने पर डा चन्द्रमोहन सिंह ने प्रयागराज में कल्याणी आवास पर मेजा की पूर्व विधायक नीलम करवरिया से मुलाकात की। जिससे उनके समर्थकों में खुशी का माहौल है। पूर्व विधायक नीलम करवरिया ने श्री सिंह को दोबारा सदस्य मनोनीत होने पर शुभकामनाएं दी। इस मौके पर संदीप करवरिया , हिमांशु शुक्ला, प्रतिनिधी जितेंद्र शुक्ला,सोनू शुक्ला, शोभित शुक्ला,धीरज दुबे, आशीष तिवारी के साथ समस्त कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।

रमेश मिश्रा जूनियर इंजीनियर में चयनित

कोरांव। कोराव के पैतिहा लखापुर निवासी रमेश कुमार मिश्र पुत्र हरिहर प्रसाद मिश्र यूपीपीसीएल में जूनियर इंजीनियर में चयन होने पर हर्ष व्यक्त किया है। श्री मिश्र मिठाई लाल मिश्र के पौत्र हैं। इन्होने कोरांव का नाम रोशन किया है। लोगों ने बधाई दी है,परिवार में खुशियां देखी गई।

बभनियांव तिराहे पर मृत गाय मिली

जंघई। बभनियांव गांव निवासी अनुज शर्मा ने बताया कि मुझे बहुत दुख हुआ कि जिस गाय के लिए सरकार एवं हमारे क्षेत्र के युवा हिंदूवादी बने फिर रहे हैं वही गाय बभनियांव तिराहे पर रात से ही मरी पड़ी है चिंता की बात यह है कि गाय को गऊ माता कहकर नेतागिरी करने वाले हमारे क्षेत्र के युवा नेता अभी तक कुछ कर नही सके।अर्जुन शर्मा ने कहा कि यदि शासन प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नही हुई तो हम लोग स्वयं इस गाय को दफनाएगें।

प्रतापगढ़ संदेश

अग्निपथ को लेकर बढ़ाई गई सुरक्षा, ट्रेनों को रोकने की नाकाम कोशिश

वीपी पैसेंजर तीन घंटे विलम्ब से गई, जनता,पंजाब मेल लेट हुई, रेलवे स्टेशन पहुंचे डीएम और एसपी ने कराई चेकिंग, प्रदर्शन को लेकर सतर्क रेल प्रशासन

छुट्टियां रद्द करने को कहा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। डीएम डाक्टर नितिन बंसल ने स्टेशन पर जीआरपी और आरपीएफ वालों से कहा कि आन्दोलन को देखते हुए छुट्टियां रद्द होनी चाहिए। उन्होंने एसओ और इंस्पेक्टर से कहा कि अपने अधिकारियों से इस संबंध में बात करें। उन्होंने कहा कि सब मिलकर सहयोग करें। रोड साइड के स्टेशनों पर फोर्स लगाने का निर्देश दिया। स्टेशन पर प्रदर्शन की सूचना तत्काल देने का निर्देश दिया। मोबाइल नंबर नोट कराए गए।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सेना भर्ती को लेकर चलाई गई अग्निपथ योजना का विरोध शुरू हो गया है। इसको लेकर आंदोलित युवा वर्ग आंदोलित है। वे जगह जगह प्रदर्शन कर इसका विरोध कर रहे हैं। शुक्रवार को आंदोलन के मद्देनजर जिले में सतर्कता बढ़ाई गई। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, कालेज और चैराहों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई। काफी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई। अमेठी रेलवे स्टेशन पर हुए प्रदर्शन के बाद स्थानीय स्टेशन की सुरक्षा

रोक कर चलाई गई ट्रेनें, जीआरपी और आरपीएफ के पहरे में रहा स्टेशन और मुसाफिर

रेलवे स्टेशन पर निरीक्षण करते जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक।

बढ़ा दी गई। भारी फोर्स के साथ डीएम और एसपी ने स्टेशन की चेकिंग कराई। एसएस, जीआरपी और आरपीएफ को जरूरी निर्देश दिया। कहा कि यात्रियों को किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत न आने पाए। ट्रेनों की निगरानी की जाए। हालांकि जुमा का दिन था। इसको भी लेकर सुरक्षा बढ़ाई गई थी।

प्रतापगढ़ से बनारस जाने वाली वीपी पैसेंजर तीन घंटे देरी से छूटी। बनारस से आने वाली जनता एक्सप्रेस और पंजाब मेल भी लेट हुई। जनता एक्सप्रेस ट्रेन को पृथ्वीगंज में प्रदर्शनकारियों द्वारा रोकने की अफवाह पर रेल प्रशासन की तरफ से बताया गया कि मालगाड़ी की क्रासिंग थी।

इस वजह से जनता रुकी थी। हालांकि प्रतापगढ़ में भी ऐसा हो सकता है। इसकी भनक लगते ही पूरा प्रशासनिक अमला स्टेशन पहुंच गया था। प्रदर्शन को देखते हुए रेल प्रशासन भी सतर्क हो गया था। उपद्रवियों की सूचना मिलने पर ट्रेन को पहले वाले स्टेशन पर रोकने का निर्देश दिया गया था। जिसके कारण संचालन प्रभावित हुआ। इसके पूर्व आरपीएफ इंस्पेक्टर सीपी मिश्रा और एसओ जीआरपी के नेतृत्व में सकुर्लेटिंग एरिया को खाली कराया। प्लेटफार्म पर चेकिंग अभियान चला।

बोले डीएम, वोटिंग हाल क्यों बंद है

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। रेलवे स्टेशन पहुंचे डीएम डाक्टर नितिन बंसल ने पूछा वेटिंग हाल क्यों बंद है, उसको खुलवाया जाय। रेलवे परिसर में यात्रियों की भीड़ जमा है। उन्हें अन्दर बैठाया जाय। डीएम और एसपी ने प्रतापगढ़ से होकर और यहां से चलने वाली ट्रेनों की जानकारी एसएस मोहम्मद शमीम से मांगी। एसएस ने डेली और विकली चलने वाली ट्रेनों की जानकारी दी। डेली यात्रियों की संख्या भी पूछने पर आरपीएफ इंस्पेक्टर सीपी मिश्रा द्वारा जानकारी दी गई।

खुला है स्टेशन, कहीं से दाखिल हो सकते हैं उपद्रवी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। स्टेशन आने और जाने के लिए रास्ता होता है। लेकिन प्रतापगढ़ स्टेशन ऐसा नहीं है। अंदर आने के लिए रास्ता खोजने की जरुरत नहीं है। यह हर तरफ से खुला है। लोग जिधर से चाहे प्लेटफार्म पर दाखिल हो सकते हैं। डीएम और एसपी ने कहा कि स्टेशन की बाउंड्री वॉल बननी चाहिए। इससे सुरक्षा व्यवस्था बेहतर हो सकती है। एसएस मोहम्मद शमीम ने बताया कि ट्रेनों का संचालन ठीक रहा। पंजाब मेल लेट आई। बनारस जाने वाले वीपी पैसेंजर लेट गई है।

डिजिटल बैंकिंग के बारे में छात्र-छात्राओं को दी गई जानकारी

पीबीपीजी कालेज में बीओबी ने लगाया ऋण समन्वय शिविर का आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रताप बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रतापगढ़ सिटी के सभागार में भारतीय रिजर्व बैंक के तत्वाधान में बैंक ऑफ बड़ौदा वित्तीय

शिविर में छात्र-छात्राओं को जानकारी देते अधिकारी।

जागरूकता एवं ऋण समन्वय शिविर का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० बृज भानु सिंह की अध्यक्षता में किया गया।

इसके अंतर्गत साइबर क्राइम एवं विभिन्न प्रकार के साइबर क्राइम से सुरक्षा डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देना प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जीवन ज्योति बीमा योजना अटल पेंशन योजना आदि के बारे विस्तार से जानकारी पूर्व वरिष्ठ बैंक मैनेजर बैंक ऑफ बड़ौदा शिशिर खरे द्वारा प्रदान की गई और विशेष रुप से आजकल होने वाले विविध प्रकार के बैंकिंग फ्रॉड से अपनी बचत जमा पूंजी की सुरक्षा और वित्तीय समावेशन से संबंधित विभिन्न पहलुओं के बारे में छात्र छात्राओं को बताया गया। शिशिर खरे ने कहा कि आजकल हम सबको धन की सुरक्षा हेतु डिजिटल लेनदेन पर बढ़ावा देना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन बीएड विभागाध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर अजय कुमार सिंह, अजीत सिंह, आशीष कुमार मालवीय, डॉ राजीव कुमार सिंह, पवन कुमार सिंह, भूषण सिंह, बालेंद्र भूषण सिंह, नन्हे मौर्य आदि लोग उपस्थित रहे।

शेखपुर मे स्थित एक डिग्री कालेज के भ्रष्टाचार पर डिप्टी सीएम से मिलकर अभिभावक ने किया शिकायत

कुण्डा। पीड़ित छात्र के अभिभावक ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य से मिलकर अनसुचित जाति के छात्र के साथ कालेज प्रबंधक द्वारा किये गये मानसिक उत्पीड़न व जातीय भेदभाव के तहत कालेज पोर्टल से स्कालरशिप निरस्त करने तथा एक वर्षीय पाठ्यक्रम को मात्र दो महीने मे पूरा कराये जाने के साथ ही सत्र 2021.22 का बिना फोटो लगा हुआ प्रवेश पत्र जारी करने व सरकार के शिक्षातन्त्र को बदनाम करते हुये शिक्षा जैसे पवित्र कार्य मे भ्रष्टाचार करने के संबंध मे शिकायत दर्ज कराई गई डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पीड़ित अभिभावक को उचित कार्रवाई का भरोसा देते हुये दिया अश्वासन ।ज्ञात हो कि कुछ माह पहले डिग्री कालेज मे अनुसूचित जाति के छात्र के साथ की गई थी स्कालरशिप को लेकर धोखाधड़ी पूछताछ करने पर बताया गया था फरवरी 2022 का एडमिशन जबकि अभिभावक ने कराया था सितम्बर 2021 मे एडमिशन जातीय भेदभाव के तहत हुआ था छात्र का शोषण किया गया था स्कालरशिप रद्द ।शिकायत करने पर नही हुई थी कोई कार्यवाही।

नीरज बने प्रतापगढ़ के नए सीएमआई

प्रतापगढ़। अमेठी रेलवे स्टेशन के सीआरएस नीरज सोमवंशी को ज्योती स्वरूप श्रीवास्तव के स्थान पर प्रतापगढ़ का नया सीएमआई बनाया गया है। सीनियर डीसीएम कार्यालय लखनऊ से इस आशय का पत्र भी निर्गत किया गया है। नीरज आरक्षण, बुकिंग, पार्सल और कामर्शियल से जुड़े सभी कार्यों की देखरेख करेंगे। बता दें कि अभिमन्यु सरोज के बाद सीएमआई का पद खाली था। सुल्तानपुर के सीएमआई ज्योति स्वरूप को यहां का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था।

जिले में शांतिपूर्ण ढंग से अदा हुई जुमे की नमाज

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जुमे की नमाज को लेकर शुक्रवार को प्रशासन सतर्क रहा। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल व पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने नगर की कई मस्जिदों पर तैनात सुरक्षा कर्मियों व प्रशासनिक अधिकारियों से निरीक्षण के दौरान बात भी की।

पूरे शहर व जिले की मस्जिदों की निगरानी ड्रोन कैमरे से की जा रही थी। इसके अलावा मस्जिदों के आसपास भारी पुलिस बल तैनात थी। कुल मिलाकर प्रशासन की सख्ती के चलते जिले में शांतिपूर्ण ढंग से जुमे की नमाज अदा की गई। पता चला है कि प्रदेश मुख्यालय पर बैठे वरिष्ठ अधिकारी भी जिलों की हाल-

डीएम-एसपी ने नगर की मस्जिदों का किया निरीक्षण

जामा मस्जिद के बाहर तैनात पुलिस बल।

खबर ले रहे थे। वैसे प्रतापगढ़ में साम्प्रदायिक सौहार्द कभी नहीं बिगड़ा। पूरे शहर में हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, इसाई एक साथ रहते चले आ रहे हैं। आपसी कड़वाहट इनमें नहीं है। बुद्धिजीवियों का कहना है कि सियासी फायदे के लिये गलत बयानबाजी से माहौल बिगाड़ने की कोशिश के बावजूद बेल्हा का साम्प्रदायिक सौहार्द बना रहा, ये बड़ी बात है।

आभूषण कारोबारी से बदमाशों ने किया लूट का प्रयास

अखंड भारत संदेश

कुण्डा। कुण्डा कोतवाली क्षेत्र के गयासपुर बाईपास के पास की घटनाए जांच में जुटी पुलिस कुंडा कोतवाली क्षेत्र के बाबूगंज बाजार निवासी संजय कौशल गांव . गांव आभूषण बनाकर बेचने का काम करता हैं। शुक्रवार की शाम करीब 3रू00 बजे अपने बेटे अभिनव के साथ बाइक पर बैठकर आभूषण बेचने के लिए गांव की तरफ जा रहा था।व्यवसाई के पास करीब सवा किलो चांदी के बने आभूषण बैग में रखे हुए थे। जैसे ही वह गयासपुर प्रयागराज लखनऊ हाईवे बाईपास पर पहुंचा इसी बीच पीछे से आए नकाबपोश बाइक सवार तीन बदमाशों ने संजय के कंधे पर जैसे ही हाथ रखाए संजय को मामला समझते देर नहीं लगी और वह बाइक लेकर हाईवे के किनारे गिर पड़ा। बदमाशों ने बाइक खड़ी करके उससे आभूषण से भरे बैग को छीनने का प्रयास किया लेकिन साथ मे रहा बेटा बैग को इतनी जोर से पकड़ रखा था कि उससे बदमाश बैग नहीं छीना पाए। इसी बीच बदमाशों ने तमंचे से एक फायर भी कियाए लेकिन उसका बेटा बाल.बाल बच गया। दिनदहाड़े हो रही घटना को देख आसपास के लोग दौड़े तो नकाबपोश बदमाश मौके से भाग निकलेए सूचना मिलते ही कुंडा कोतवाली में मौजूद अपर पुलिस अधीक्षक रोहित मिश्रा समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुंची और घटनास्थल से 315 बोर का एक खोखा बरामद करते हुए मामले की छानबीन करना शुरू कर दिया।

अराजक तत्वों द्वारा प्राथमिक पाठशाला बिकरा मे तोडफोड के साथ की गई चोरी

अखंड भारत संदेश

कुण्डा। जेठवारा थाना क्षेत्र के बिकरा ग्रामसभा के पूरे ठकुराइन मे स्थित प्राथमिक पाठशाला बिकरा मे गुरुवार की रात मे कुछ अराजक तत्वों द्वारा बाउन्ड्रीवाल डाककर स्कूल का ताला तोड़कर स्कूल मे लगे नल की टोटी पाइप व स्टेप्लाईजर व स्कूल के अन्य समान की चोरी की गई ।सुबह स्कूल के हेडमास्टर जगत नरायण माली व गोपाल शराण शुक्ला ने जब स्कूल पहुंचे तो अन्दर का नजारा देख दंग रह गये स्कूल मे तोडफोड के साथ समानों की चोरी की गई व गंदगी की गई थी। जिसकी सूचना प्रधानाध्यापक ने ग्रामप्रधान पति कौशल पटेल को फोन द्वारा सूचित कर मौके पर बुलाया और साथ मे जेठवारा थाना जाकर चोरी की घटना की तहरीर दी।

ईडी द्वारा राहुल गांधी से पूछताछ के मामले में कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा राहुल गांधी से लगातार कई दिनों से पूछतांछ कर परेशान करने व कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का उत्पीड़न करने के विरुद्ध आज कांग्रेस कार्यकताओं ने जिला कांग्रेस कमेटी इंदिरा भवन पर जिलाध्यक्ष डॉ0 लालजी त्रिपाठी के नेतृत्व में स्थानीय अम्बेडकर चैराहे पर धरना-प्रदर्शन कर विरोध व्यक्त किया तथा सरकार द्वारा विपक्ष के नेताओं का अकारण उत्पीड़न तत्काल रोकने की मांग की।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष डॉ0लालजी त्रिपाठी ने कांग्रेस जनों को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी इन कार्यवाहियों से डरने वाले नहीं हैं। हम अंग्रेजों से लड़ने वाले लोग हैं, अंग्रेजों ने अपनी सारी ताकत लगाई पर हमें हमारे लक्ष्य से डिगा नहीं सके, और हमने आजादी हासिल कर ली। यह जो काले अंग्रेज सत्ता पर काबिज हो गए हैं, इनमें इतना दम नहीं है कि ये कांग्रेस कार्यकताओं को डरा देंगे। ईडी या सीबीआई जो भी चाहें लगा लें, सच्चाई जनता जानती है। इस अवसर पर नरसिंह प्रकाश मिश्र, रोहित शुक्ल, इरफान अली, डॉ0 प्रशांत देव शुक्ल, मो0 इश्तियाक, योगेश यादव, दिलीप गौतम, श्याम शंकर तिवारी, मो0 दिलशाद, अनिल मौर्य, जमाल, बेलाल अहमद, इरशाद, सहित अनेक कांग्रेस जन मौजूद रहे।

नेताओं का उत्पीड़न तत्काल रोकने की मांग

अम्बेडकर चौराहे पर प्रदर्शन करते कांग्रेसीगण।

दस माह पूर्व युवक की मौत पर कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ हत्या का मुकदमा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। दस माह पूर्व युवक की मौत को लेकर सांगीपुर पुलिस ने कोर्ट की फटकार पर आरोपी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। वहीं मुकदमा दर्ज होते ही शुक्रवार को पुलिस प्रशासन ने डीएम से मुम्बई से घर वापस आने के दो दिन के भीतर ही गोलू की मौत हो गयी। इसके बाद मृतक की मां छबीला ने सांगीपुर पुलिस को एहतियातन तहरीर दी। सवाल यह खड़ा हुआ कि मृतक की मौत की तहरीर मिलने के बाद और उसके युवा होने के बावजूद सांगीपुर पुलिस ने उस समय रामसूरत सोनकर व कोतवाली सांगीपुर जितेन्द्र सिंह तथा सांगीपुर सीएचसी अधीक्षक डा. आनन्द कुमार तिवारी भी प्रक्रिया की देखरेख के लिए मुस्तैद रहे। पुलिस ने दोपहर बाद कंकाल मे बदल गये शव को पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया। पुलिस कार्रवाई के दौरान सई नदी के किनारे युवक के दफनाये गये शव के कब्र के आसपास भारी भीड़ भी जुट गयी थी। इस बाबत सीओ रामसूरत सोनकर का कहना है कि कोर्ट के निर्देश पर आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है, पीएम रिर्पोट आने के बाद कार्रवाई होगी।

कब्र से शव पीएम के लिए भेजने की कार्रवाई से मचा हडकंप

अनुमति लेकर दफन किये गये युवक का शव निकलवाकर पीएम के लिए भेजवाया। प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान कब्र के समीप आसपास के गांवो के लोग भी भारी तादात में जुट गये। एसडीएम तथा सीओ की मौजूदगी में सांगीपुर पुलिस ने जेसीबी मंगवाकर मृतक युवक का शव निकलवाया। सांगीपुर थाना क्षेत्र के धारूशाहपुर गांव में स्वर्गीय रामऔतार के पुत्र गौरव उर्फ गोलू 18 की बीते वर्ष सत्रह जुलाई को मौत हो गयी थी। उस समय गोलू की मां छबीला ने पुलिस को एहतियातन तहरीर दी थी। पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट मृतक की मां छबीला व चाचा नकछेद की ओर से कोर्ट मे गोलू की गांव के ही ठेकेदार पर उसे मुम्बई ले जाकर भूखा प्यासा रखने की बात कही गयी। नियमानुसार शव का पीएम क्यूं नहीं करवाया। तहरीर में घटना के जिक्र होने के बावजूद सांगीपुर पुलिस ने आरोपियों से आखिर पूछताछ करना भी मुनासिब क्यूं नही समझा। इन्हीं सब कारणों से परेशान मां ने आखिर में कोर्ट की शरण ले ली। कोर्ट ने जब प्रार्थना पत्र के बिंदुओं की पड़ताल की तो उसने एफआईआर दर्ज करने के लिए सांगीपुर पुलिस को फटकार लगायी। कोर्ट की फटकार से सहमी पुलिस ने मामले मे आरोपी पूरे नेमधर लक्ष्मीकांतगंज निवासी अनिल व मोहित तथा महेश पुत्रगण सीताराम गुप्ता के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर शुक्रवार को आननफानन मे शव कब्र से बाहर निकलवाया। प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान लालगंज एसडीएम अरूण सिंह तथा सीओ

चार आरोपियों के खिलाफ महिला की पिटाई को लेकर केस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ महिला की पिटाई व गालीगलौज को लेकर मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली के बभनपुर निवासी बृजलाल सरोज की पत्नी रामरती ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि जमीनी विवाद को लेकर गांव के संजय सरोज पुत्र भोंदी तथा मुकेश पुत्र तीरथपाल व भोंदी की पत्नी गोपलाहिन तथा तीरथपाल की पत्नी संगीता ने उसे लाठी डंडे से मारापीटा। शोर मचाने पर आरोपी गालीगलौज करते हुए जानलेवा धमकी देते चले गये। तहरीर के आधार पर शुक्रवार को पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही का मुकदमा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ दुर्घटना मे पीड़ित को गंभीर रूप से चुटहिल किये जाने का केस दर्ज किया है। कोतवाली के हदिराही निवासी राधेश्याम गुप्ता पुत्र सुरेश ने दी गई तहरीर मे कहा है कि पन्द्रह जून को वह बाइक से घर से जरूरी काम से निकला था। इस बीच रास्ते में स्कूटी सवार अज्ञात चालक ने उसे टक्कर मार दिया। दुर्घटना में पीड़ित गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए प्रयागराज मेडिकल कालेज रेफर किया गया।

बीस लीटर शराब बरामद, आरोपी के खिलाफ केस

लालगंज, प्रतापगढ़। आबकारी एवं पुलिस टीम ने शुक्रवार को सांगीपुर थाना के तारापुर के पूरे ठेही गांव में औचक दबिश देकर बीस लीटर देशी शराब बरामद किया। टीम द्वारा शराब के अवैध कारोबारी मे लिप्त आरोपी गांव के बुधिराम के पुत्र सियाराम के खिलाफ सांगीपुर थाने मे आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज कराया गया है। लालगंज के आबकारी निरीक्षक प्रवीण यादव ने बताया कि टीम ने मौके पर दो सौ किलोग्राम महुआ की लहन को भी नष्ट कराया। टीम की दबिश के दौरान आबकारी निरीक्षक पटटी व सांगीपुर पुलिस भी मौजूद रही।

महिला ने पिटाई का लगाया आरोप, दी तहरीर

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय कोतवाली के बलीपुर कटरा निवासी रामबहादुर की पत्नी देवकली ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि शुक्रवार को शीतलमऊ निवासी आरोपियों ने तुरकुनिया स्थित उसके खेत में दबंगई के साथ मेड़ बांध लिया। पीड़िता के विरोध करने पर आरोपियो ने उसे जातिसूचक शब्दों से गाली देने लगे। आरोप है कि पीड़िता की बेटी पूनम व उसकी बहू को भी आरोपियों ने मारापीटा। पीडिता की तहरीर पर पुलिस का कहना है जांच की जा रही है, आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दलित उत्पीड़न के मामले, पीड़ितों ने की एसपी से कार्रवाई की फरियाद

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। दलित उत्पीड़न के मामलों मे कार्रवाई न होने को लेकर पीड़ितो ने एसपी से इंसाफ की फरियाद की है। लालगंज कोतवाली के खरगपुर निवासी राजेन्द्र कुमार कोरी पुत्र रामफेर ने दी गई तहरीर मे कहा है कि बारह जून को सुबह नौ बजे वह अपने घर आ रहा था। इस बीच ढकवा के समीप पावर हाउस से थोडी दूर पुल पर गांव के अमरनाथ मिश्र के पुत्र वेदप्रकाश मिश्र व दो अज्ञात लोगों ने उसकी घेराबंदी कर मारापीटा। आरोपियों ने पीड़ित को जातिसूचक गालियां देते हुए जानलेवा धमकी दी। पीड़ित का कहना है कि गांव में प्रधान पद का रिजर्वेशन होने के नाते उसका भाई प्रधान चुना गया है। विपक्षियों ने चुनाव मे हार की रंजिश को लेकर उस पर हमला बोल दिया। राहगीरों के जुटने पर किसी तरह पीड़ित की जान बच सकी। पीड़ित का कहना है कि उसने पुलिस को तहरीर दी किन्तु कार्रवाई नही हो रही है। पीड़ित ने अब एसपी को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। इधर लालगंज कोतवाली के ही सोनार का पुरवा निवासी केशई सरोज के पुत्र प्रयागदत्त ने भी एसपी को शिकायती पत्र देकर बीती तेरह मई को अपने बेटे हरकेश सरोज को रास्ते मे घेराबंदी कर आरोपियों द्वारा मारपीट की बात कही गयी है। तहरीर मे कहा गया है कि गांव के अंकित यादव व अजय यादव पुत्रगण विकास यादव तथा विकास पुत्र विजय ने रंजिश को लेकर उसके बेटे को मारपीट कर जख्मी कर दिया। पीड़ित ने सीओ से भी मिलकर आपबीती सुनाई किन्तु कार्रवाई नही हो रही है।

प्राथमिक पाठशाला बिकरा में हुई चोरी

अखंड भारत संदेश

डेरवा, प्रतापगढ़। जेठवारा थाना क्षेत्र के बिकरा ग्रामसभा के पूरे ठकुराइन मे स्थित प्राथमिक पाठशाला बिकरा में बीती रात कुछ अराजक तत्वों द्वारा बाउन्ड्रीवाल डाककर स्कूल का तालातोड स्कूल मे लगे नल की टोटी पाइप व स्टेप्लाईजर व स्कूल के अन्य समान की चोरी की गई। सुबह स्कूल के हेडमास्टर जगत नरायण माली व गोपाल शराण शुक्ला ने जब स्कूल खोला तो अन्दर का नजारा देख हतप्रभ रह गये। स्कूल मे तोडफोड के साथ सामानों की चोरी की गई व गंदगी की गई थी। तदपश्चात हेडमास्टर ने ग्रामप्रधान पति कौशल पटेल को फोन द्वारा सूचित कर मौके पर बुलाया और साथ मे जेठवारा थाना जाकर चोरी की घटना की जानकारी देते हुए आवश्यक कार्यवाही के लिये थानाध्यक्ष जेठवारा को तहरीर दी।

आरोपी के खिलाफ छेडछाड व आईटी एक्ट का केस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। पीड़िता की कुछ दिनों पूर्व अश्लील फोटो खींचकर आरोपी द्वारा वायरल किये जाने पर पुलिस ने गुरूवार की रात छेडछाड तथा आईटी एक्ट का केस दर्ज किया है। अजगरा रानीगंज निवासी चांदबाबू की पत्नी खुशबू बानो ने दी गई तहरीर मे कहा है कि उदयपुर थाना के पथरिया निवासी सलमान उर्फ लालू पुत्र युसुफ ने कुछ दिनों पूर्व उसकी अश्लील फोटो खींच ली थी। इधर आरोपी ने पीडिता की फोटो फेसबुक पर वायरल कर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

खबर संक्षेप

पल-पल की जानकारी लेते रहे डीएम एसपी

कौशाम्बी। जुम्मे की नमाज को लेकर डीएम एसपी बेहद सतर्क रहें और किसी प्रकार की अनहोनी होने के पहले वह उसे पूरी तरह से टाल देना चाहते थे पल-पल की जानकारी डीएम एस पी लेते रहें और जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पैदल भ्रमण डीएम एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था अमन चैन का जायजा लिया लगातार वह अधीनस्थों को सचेत करते रहे डीएम एसपी के सक्रियता के चलते पूरे जिले में जुम्मे की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गई है कहीं किसी प्रकार की हिंसा की जानकारी नहीं है। जिलाधिकारी सुजीत कुमार एवं पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा ने जुम्मे की नमाज के दृष्टिगत जनपद में शान्ति एवं कानून व्यवस्था तथा सौहार्द्रपूर्ण वातावरण बनाये रखने हेतु मंझनपुर एवं करारी में फूट पेट्रोलिंग किया तथा सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई जुम्मे की नमाज

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। जिला अधिकारी और पुलिस अधीक्षक के अथक प्रयास और कुशल मार्गदर्शन में जुम्मे की नमाज पूरे जिले में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गई है जुम्मे की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होने पर आम जनमानस ने डीएम एसपी के साथ-साथ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को बधाई दी है वहीं डीएम एसपी ने भी जुम्मे की नमाज के शांतिपूर्ण संपन्न होने पर आम जनता को बधाई दी है पूरे जिले में जुम्मे की नमाज को लेकर पुख्ता सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे पूरे जिले में चप्पे-चप्पे पर पुलिस के जवान तैनात किए गए थे पुलिस की सख्ती देख कर दंगा करने वालों के मंसूबे पर पानी फिर गया योगी सरकार के कठोर निर्देश के चलते बवाल करने वाले लोग शांत होने को मजबूर थे शांतिपूर्ण तरीके से पूरे जिले में जुम्मे की नमाज संपन्न हो गई है।

पुलिस की मौजूदगी में शांतिपूर्ण सम्पन्न हुई जुम्मे की नमाज

जुम्मे के समय तैनात पुलिस के जवान

करारी कौशाम्बी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के करारी थाना और आसपास के गांव में जुम्मे की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हो गई है कहीं किसी तरह की हिंसा की जानकारी नहीं है जुम्मे की नमाज को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए थाना पुलिस और स्थानीय चौकी पुलिस के जवान पूरी तरह से मुस्तैद रहे हैं उन्होंने नमाज अदा करने वाले लोगों से शांति पूर्वक नमाज अदा करने की अपील की है पुलिस चौकी अरका महावीर पुर के चौकी इंचार्ज नमाज के दौरान बराई बँधवा गांव में मौजूद रहे और उन्होंने शांतिपूर्वक तरीके से जुम्मे की नमाज अदा कराई।

संभ्रांत लोगों के साथ बैठक करते डीएम एसपी

डीएम एसपी ने की ग्रामीणों के साथ बैठक

पश्चिम सरीरा कौशांबी। जुम्मे की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो जाने के बाद जिलाधिकारी सुजीत कुमार और पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा पश्चिम शरीरा थाना पहुंचे हैं वहां उन्होंने इलाके के सैकड़ों गणमान्य व्यक्तियों के साथ बैठक कर शांतिपूर्ण तरीके से जुम्मे की नमाज संपन्न कराने के लिए लोगों को बधाई दी है और उन्होंने कहा कि अग्निपथ को लेकर लोग भ्रमित ना हो अग्निपथ से आम जनता और देश का भला होगा अफवाहों से दूर रहने की अपील उन्होंने आम जनता से की है उन्होंने कहा कि अग्निपथ योजना को लेकर अफवाहें फैलाई जा रही हैं इससे सावधान रहने की आम जनमानस से अपील की है उन्होंने इस योजना पर अफवाह फैलाने वालों को कठोर चेतावनी देते हुए अफवाह से सावधान रहने की अपील की है उन्होंने कहा कि अग्निपथ योजना को लेकर किसी ने अफवाह फैलाई तो उस पर पुलिस कठोर कार्रवाई करेगी।

बरातफरीक में आंगनवाड़ी केंद्र के बच्चों के हक पर डाका!

खुलेआम चने की दाल और पुष्टाहार दलिया तेल की कालाबाजारी पर पुलिस का छापा

आंगनवाड़ी की पुष्टाहार बेचता कार्यकत्री का पति

कौशाम्बी। छोटे-छोटे बच्चों को कुपोषण दूर करने के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही आंगनवाड़ी केंद्र की अति महत्वपूर्ण योजना विभागीय अधिकारियों की उदासीनता लापरवाही के चलते केवल खाने कमाने का साधन बन गई है कुपोषित बच्चों और धात्री गर्भवती महिलाओं को दिए जाने वाले पुष्टाहार दलिया तेल और चने की दाल पर केंद्र संचालिका द्वारा खुलेआम डाका डाला जा रहा है आंगनवाड़ी केंद्र की योजना पर वर्षों से डाका डाले जाने के बाद भी विभागीय अधिकारी ईमानदारी की दुहाई देकर पूरी योजना को चौपट करने में लगे हैं ताजा मामला सिराथू तहसील क्षेत्र के बरातफरीक गांव का है। बरातफरीक गांव में 3 आंगनवाड़ी केंद्र है और दो आंगनवाड़ी केंद्र के संचालन की जिम्मेदारी पुष्पा देवी को सौंपी गई है पुष्पा देवी के पति राजकुमार लगातार आंगनवाड़ी केंद्र की पुष्टाहार दलिया तेल और चने की दाल की कालाबाजारी कर रहे हैं लगातार कालाबाजारी की जानकारी पर ग्रामीण लामबंद हुए और उन्होंने मामले की सूचना स्थानीय पुलिस चौकी को दिया शुक्रवार की सुबह आंगनवाड़ी केंद्र बरातफरीक की केंद्र संचालिका के पति शमशाबाद के व्यापारी के पास सामग्री लेकर पहुंचे थे और वह आंगनवाड़ी की सामग्री बेच रहे थे लेकिन इसी बीच पुलिस के जवान पहुंच गए और दोनों को पकड़ लिया है आंगनवाड़ी के सामान के साथ दोनों को पुलिस अपने साथ पुलिस चौकी बुला ले गई है खबर लिखे जाने तक मामले में मुकदमा नहीं दर्ज हुआ है। अब सवाल उठता है कि आंगनवाड़ी केंद्र की योजनाओं को पारदर्शी तरीके से संचालित करने के लिए सुपरवाइजर सीडीपीओ और जिला कार्यक्रम अधिकारी की तैनाती शासन ने की है लेकिन विभाग के अधिकारी पूरे दिन क्या करते हैं इन्होंने आंगनवाड़ी के सामानों की कालाबाजारी पर रोक क्यों नहीं लगाई है जिससे इनकी मंशा पर सवाल उठने लगे हैं।

रेलवे ट्रैक पर बिना सिर की मिली लाश

अखंड भारत संदेश

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा

रेल लाइन पर लाश मिलने के बाद लगी भीड़

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के हावड़ा दिल्ली रेल लाइन के मरुधरा रेलवे फाटक के पास एक व्यक्ति की सिर विहीन लाश मिली है सूचना पाकर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है मृतक की शिनाख्त पड़ोसी गांव अशरफपुर बीरनपर निवासी फूल चंद्र पुत्र मेवालाल के रूप में हुई है मृतक युवक का पत्नी से विवाद चल रहा था और आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या कर सिर गायब करने के बाद शव ठिकाने लगाया गया है जिससे मृतक की पहचान ना हो सके लेकिन पुलिस की खोजी नजर और ग्रामीणों की मदद से मृतक की शिनाख्त हो गई है। जानकारी के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के अशरफ पुर बीरनपर निवासी फूलचंद उम्र लगभग 38 वर्ष पुत्र मेवालाल का अपनी पत्नी से आए दिन विवाद होता था शुक्रवार की सुबह मरुधरा रेल लाइन पर सिर विहीन एक लाश मिली है लाश की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर आसपास के ग्रामीण और पुलिस पहुंच गई है ग्रामीणों ने उसकी पहचान फूल चंद्र के रूप में की है पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है परिजनों का कहना है कि फूलचंद आधी रात को घर से निकला है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ट्रांसफार्मर की चिंगारी से लगी आग लाखों का सामान जलकर खाक

अखंड भारत संदेश

तीन पशु समेत गृह स्वामी झुलसे

अग्निकांड में जला सामान

कौशाम्बी। मंझनपुर नगर पालिका क्षेत्र के भेलखा बस्ती में बीती रात ट्रांसफार्मर की शॉर्टसर्किट से आग लग गई है इस अग्निकांड की घटना में लाखों का सामान जलकर खाक हो गया है 3 पशु और गृहस्वामी झुलस गए हैं झुलसे गृहस्वामी को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है एक बार फिर विद्युत विभाग की घोर लापरवाही उजागर हुई है

जानकारी के मुताबिक नगर पालिका परिषद मंझनपुर के भेलखा बस्ती निवासी शीतला प्रसाद यादव प्रसाद पुत्र बद्री प्रसाद यादव ने गांव में धान कूटने की मशीन लगा रखी है इनकी मशीन के बगल में विद्युत विभाग का ट्रांसफार्मर लगा है बीती रात लगभग 9:00 बजे ट्रांसफार्मर में तेज शॉर्ट सर्किट होने लगा ट्रांसफार्मर की शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी से धान मशीन में आग लग गई देखते देखते पूरा परिसर तेज लपटों से जलने लगा इस अग्निकांड में धान मशीन एक ट्रैक्टर परिसर में रखा पुआल भूसा आदि सामान जल गया सूचना देने के बाद भी मौके पर फायर ब्रिगेड कर्मी नहीं पहुंचे ग्रामीणों की मदद से काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सका इस अग्निकांड में दो गाय एक बैल झुलस गए हैं गृह स्वामी शीतला प्रसाद यादव भी झुलस गए हैं आग बुझाने के बाद मौके पर फायर ब्रिगेड कर्मी पहुंचे हैं गृह स्वामी के मुताबिक इस घटना में उसका लाखों का नुकसान हुआ है।

न्यूज झरोखा

घटिया सामग्री से सड़क निर्माण कर रहे हैं ठेकेदार, समय सीमा बीत जाने के बाद भी नहीं पूरा हो सका निर्माण कार्य

कौशाम्बी। मंझनपुर विकास खंड क्षेत्र के थाम्भा गांव से छत्तुपुर को जाने वाली ढाई किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा विधानसभा के पूर्व शुरू कराया गया था लेकिन सड़क का निर्माण 6 महीने बाद भी अधूरा रह गया है जिससे ग्रामीणों को आने-जाने में दिक्कत होती है ढाई किलोमीटर लंबी इस सड़क के निर्माण में करोड़ों का बजट विभाग ने स्वीकृत कर दिया सूत्रों की माने तो अर्ध निर्मित सड़क पर ठेकेदार को 80% से अधिक का भुगतान भी विभाग द्वारा किया जा चुका है सड़क निर्माण में लगे ठेकेदार द्वारा घटिया क्वालिटी की गिट्टियों से सड़क का निर्माण कराया जा रहा है सड़क पर गिट्टी डालने के बाद उसे मानक के अनुसार पिच नहीं किया जा रहा है जिससे सड़क कमजोर बन रही है कुछ दिनों पूर्व ठेकेदार के कारनामे पर शिकायत होने के बाद आनन-फानन में सड़क का लेपन शुरू कर दिया गया है विभाग के अवर अभियंता और सहायक अभियंता सड़क निर्माण के घटिया क्वालिटी पर चुप्पी साध घर बैठे हैं अभी तक उन्होंने ठेकेदार के भ्रष्टाचार पर विभागीय अधिकारियों को पत्र भेजकर सूचित नहीं किया है अधिशासी अभियंता से बात करने का प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने मीटिंग में है कहकर फोन काट दिया है जिससे विभाग के पक्ष की जानकारी नहीं हो सकी है ग्रामीणों ने जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए घटिया सड़क निर्माण में लगे ठेकेदार और विभागीय अधिकारियों पर कार्यवाही कार्यवाही की मांग की है।

आखिर कब तक अफसर मंत्रियों के सामने बेहतर दिखाने का चलेगा ढकोसला!

जिले की चौपट स्वास्थ्य व्यवस्था पर मंत्री मुख्यमंत्री को गुमराह कर रहे हैं मुख्य चिकित्साधिकारी

कौशाम्बी। सीएम योगी के लाख समझाने के बावजूद सरकारी तंत्र के भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों को कोई डर नहीं है दो दिन पहले डिप्टी सीएम संयुक्त जिला अस्पताल में निरीक्षण करने पहुंचे तो सब कुछ चकाचक था लेकिन डिप्टी सीएम के जाने के बाद संयुक्त जिला अस्पताल की स्थिति फिर जस की तस बन गयी है सरकारी अस्पताल में डॉक्टर कर्मचारी गायब रहते हैं डॉक्टर के इंतजार में मरीज कई कई घंटों अस्पताल परिसर में तड़पते रहते हैं फिर भी मरीज को इलाज नहीं मिल पाता मामूली मर्ज पर मरीज रेफर कर दिए जाते हैं नर्सिंग होम के दलाल पूरे दिन अस्पताल परिसर में मंडराते रहते हैं दवा माफियाओं का कारोबार संयुक्त जिला अस्पताल में जमकर फलफूल रहा है सरकारी डाक्टर और नर्सों की चांदी है जूनियर डाक्टर और नर्स भी उसी बेइमान तंत्र पर चलने को मजबूर हैं संयुक्त जिला अस्पताल में चौपट हो चुकी व्यवस्था का निरीक्षण करने जब स्वास्थ्य मंत्री अस्पताल पहुंचे तो उनके पहुंचने के पूर्व 1 दिन के लिए सब कुछ व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई लेकिन मंत्री के जाते ही स्वास्थ्य कर्मी और चिकित्सक अपने पुराने ढर्रे पर आ गए हैं अब सवाल उठता है कि चौपट स्वास्थ्य व्यवस्था के चलते आम जनता का इलाज कैसे होगा योगी सरकार की मंशा कैसे सफल होगी लेकिन अधिकारी भी औचक निरीक्षण नहीं कर रहे हैं डॉक्टर और कर्मियों को मंत्री के आने की सूचना मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा दे दी जाती है यही हाल अधिकारियों के निरीक्षण का है सूचना देने के बाद अधिकारी निरीक्षण करने पहुचते है जिससे चौपट व्यवस्था में अधिकारियों के सामने बेहतर व्यवस्था बना दी जाती है औचक निरीक्षण की प्रथा को बढ़ाना होगा और सूचना देकर निरीक्षण करने की प्रथा को बंद करना होगा तभी सब कुछ योगी सरकार के निदेशों पर चल सकेगा।

अग्निपथ के बढ़ते मामलों को देखते हुए कोखराज थाने में संभ्रांत लोगों के साथ हुई बैठक

कोखराज कौशाम्बी। अग्नि पथ के मामलों में बढ़ते विवाद को देखते हुए शुक्रवार को थाना कोखराज में तमाम सम्भ्रांत लोगों के साथ पीस कमेटी की मीटिंग की गयी इस बैठक में कोखराज थानेदार गणेश प्रसाद ने लोगों को अग्निपथ के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि अफवाह से बचने की जरूरत है अग्निपथ योजना से देशवासियों का नुकसान नहीं है उन्होंने कहा कि बवाल करने वाले लोग सावधान हो जाएं वरना पुलिस उनसे निपटने के लिए तैयार है उन्होंने कहा कि किसी कीमत पर बवाल और सरकारी संपत्तियों का नुकसान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा दंगा फसाद करने वाले लोगों से सख्ती से निपटा जाएगा इस मौके पर इलाके के ग्राम प्रधान संभ्रांत लोगों सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे लोगों ने पुलिस को भरोसा दिलाया है कि अमन चैन कायम रहेगा बवाल करने वाले लोगों के मंसूबों को सफल नहीं होने दिया जाएगा।

नगरपालिका का दूषित पानी पीने से 5 लोगों की मौत

नगर पालिका परिषद भरवारी क्षेत्र में दो दिन के भीतर अब तक पांच लोगों ने गवाई जान, जिम्मेदारों पर मुकदमा दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी की हुई मांग

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद भरवारी क्षेत्र में 2 दिन के भीतर 5 लोगों की तड़प-तड़प कर मौत हो गई है मामले की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम डॉ नागेंद्र सिंह बृजेंद्र सिंह विमल चंद आदि लोगो ने नगर पालिका भरवारी में कैंप लगाकर बीमार लोगों की जांच पड़ताल की है अन्य बीमार लोगों का इलाज कस्बे के डॉक्टर दीपक गुरुप्रसाद छेददु की क्लीनिक में उपचार चल रहा है बीते कई दिनों से भरवारी कस्बा क्षेत्र में दूषित जल की सप्लाई नगर पालिका द्वारा की जा रही है बदबूदार का गंदा पानी पीने को नगरवासी मजबूर है दूषित पानी पीने से कस्बे के लोग बीमार हो रहे हैं और बीमार लोगों का इलाज विभिन्न अलग-अलग क्लीनिक में चल रहा है एक-एक करके कस्बे के 5 लोगों की मौत हो गई है इस रहस्यमय बीमारी को चिकित्सक से लेकर नगरवासी नहीं समझ पा रहे हैं। गौरतलब है कि बड़े लोगों के घरों में आरओ मशीन लगी हैं जो पानी को शुद्ध करके अपनी जिंदगी बचा रहे हैं लेकिन गरीब बस्ती के लोगों के सामने नगरपालिका का पानी पीना उनकी मजबूरी बन गई है और नगर पालिका द्वारा सप्लाई किए जा रहे गंदे पानी को पी कर कस्बे के तमाम लोग बीमार हो रहे हैं देखते-देखते 2 दिन के भीतर नगर के 5 लोगों की मौत हो गई है कस्बे में लगातार मौत होने के बाद भी नगर पालिका के अधिकारी अभी नहीं जागे हैं वह कुंभकरण की नींद में सो रहे हैं अधिकारी बंद बोतल का पानी पीते हैं उन्हें कस्बे में सप्लाई होने वाले पानी के जहरीले होने का अंदाजा नहीं है दूषित पानी पीने से लगातार कस्बे में हो रही मौत से नगरपालिका के लोगों में दहशत के साथ आक्रोश व्याप्त है आखिर 5 निर्दोष लोगों की मौत के जिम्मेदार नगर पालिका के अधिकारियों पर कब मुकदमा दर्ज करा कर इनकी गिरफ्तारी कराई जाएगी। यह सवाल नगर की जनता कर रही है लेकिन अभी तक नगरपालिका में दूषित जल की सप्लाई करने वाले सरकारी नुमाइंदों पर मुकदमा नहीं दर्ज कराया गया है जो योगी सरकार की व्यवस्था पर तमाम सवाल खड़ा कर रही है नगर वासियों ने नगरपालिका के जिम्मेदारों पर मुकदमा दर्ज करा कर उनकी गिरफ्तारी कराएं जाने की मांग की है।

दलित परिचालक को लात घूसों से बेरहमी से पीटा

अखंड भारत संदेश

घायल परिचालक

पश्चिम शरीरा कौशाम्बी। पश्चिम शरीरा के बस स्टॉप पर खाना बना रहे एक बस परिचालक को लात घूसों से बेरहमी से पीटा गया है जमीन पर पटक पटक कर परिचालक को मारा पीटा गया है जिससे परिचालक को चोटे आई है घायल परिचालक ने मामले की सूचना पश्चिम शरीरा थाना पुलिस को दिया है। जानकारी के मुताबिक सराय अकिल थाना क्षेत्र के बहुगरी गांव निवासी देशराज पुत्र चौधरी चमार प्राइवेट बस के परिचालक है और पश्चिम सरीरा में रात में बस खड़ी कर देते हैं गुरुवार की शाम पश्चिम सरीरा में बस खड़ी करने के बाद परिचालक देशराज खाना बना रहे थे इसी बीच चालक प्रेम चंद्र पाल निवासी भीखा गर्ग का पूरा बस से उतर कर नीचे आए और चूल्हे में बन रहे खाने के सामान में मिट्टी डाल दिया जिससे दोनों में बात विवाद होने लगा चालक प्रेम चंद्र पाल ने देशराज को गाली गलौज करते हुए लात घूसों से पीटना शुरू कर दिया जमीन पर पटक पटक कर देशराज को मारा पीटा गया मौके पर मिथुन पुत्र बाबूलाल और हीरा लाल पुत्र राम लोटन बीच बचाव कर परिचालक देशराज की जान बचाई हमले में देशराज को चोट आई हैं घायल परिचालक को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है मामले की सूचना स्थानीय थाना पुलिस को दिया है हमले के बाद प्रेम चंद्र पाल घटनास्थल से फरार हो गया पुलिस जिसकी सरगर्मी से तलाश कर रही है।

सूचना के बाद भी हरे फलदार पेड़ काटने से माफिया को नहीं रोक सके अफसर

अखंड भारत संदेश

पूरे जिले में लकड़ी माफियाओं के आगे पुलिस और वन विभाग ने टेके घुटने

अवैध पेड़ कटान का दृश्य

कौशाम्बी। सरकार पर्यावरण बचाने के लिए करोड़ों का बजट खर्च कर रही है लेकिन लकड़ी माफिया हरे फलदार पेड़ों को काटकर पर्यावरण को समाप्त कर रहे हैं प्रति दिन हरे पेड़ काटते लकड़ी माफिया देखे जाते हैं 2 दिन पहले कोखराज थाना क्षेत्र के हरारायपुर पुलिस चौकी अंतर्गत मोहनपुर गांव के पास हरे फलदार महुआ के विशाल पेड़ को लकड़ी माफिया काट रहे थे मामले की सूचना डायल 100 पुलिस के साथ-साथ वन विभाग को ग्रामीणों ने दी गई मौके पर डायल 100 की पुलिस पहुंची और उसने हरे पेड़ को काटने से लकड़ी माफिया को चेतावनी देकर पेड़ काटने से मना कर दिया हंड्रेड डायल पुलिस के वापस आने के बाद 24 घंटे तक पेड़ पर लकड़ी माफिया और उनके मजदूर नहीं पहुंचे लेकिन दूसरे दिन फिर दर्जनों मजदूरों को लेकर पेट्रोल आरा मशीन के साथ लकड़ी माफिया मौके पर पहुंचे और आधे कटे पेड़ को पूरा काट कर पूरी लकड़ी उठा ले गए हैं चचाओं पर जाएं तो ताराचंद नामक लकड़ी माफिया महुवा के हरे फलदार पेड़ को काट कर उठा ले गया है इस बात की पुष्टि क्षेत्र के लोगों ने की है। अब सवाल उठता है कि लकड़ी माफिया इतने बलशाली हो गए हैं कि थाना पुलिस से लेकर वन विभाग के अधिकारी लकड़ी माफियाओं के हरे फलदार पेड़ों के अवैध कटान पर रोक नहीं लगा पा रहे हैं जिससे इन अधिकारियों की मंशा पर तमाम सवाल खड़े हो रहे हैं चचाओं पर जाएं तो जिले में प्रतिदिन वनविभाग और थाना चौकी पुलिस की सांठगांठ से तीन दर्जन माफिया सैकड़ों पेड़ काटकर लकड़ी बेचने में लगे हैं और हरे पेड़ों को संरक्षण करने वाले अधिकारी बेबस दिखाई पड़ रहे हैं जिले में बड़ी तेजी से हरे पेड़ों की संख्या घट रही है जो चिंता का विषय है।

पीड़ितों की मदद में सांसद विधायक के जेब से नहीं निकली फूटी कौड़ी

अग्नि पीड़ितों की मदद में उतरे आर्मी अफसर

कौशांबी। पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के गोराजू गांव में 2 दिन पहले विकराल आग ने 8 घरों को लील लिया था जिससे गरीबों के सामने रोटी कपड़ा की दिक्कत आ गई लेकिन इन गरीबों की मदद करने के लिए अभी तक किसी समाज सेवी नेता स्वयं सेवी संस्था समाज सुधार की बात करने वाले मंच पर बड़े-बड़े भाषण देने वाले विभिन्न राजनीतिक दल के नेता माननीय सांसद विधायक पूर्व सांसद विधायक ने गरीबों की मदद के लिए हाथ नहीं बढ़ाया है अभी तक इनकी जेब से फूटी कौड़ी अग्नि पीड़ितों की मदद के लिए नहीं निकल सकी है गरीबों के सामने रोटी की दिक्कत है विकराल आग ने 8 घरों में कई घरों का सब कुछ ले लिया है प्रशासनिक अमला भी गरीबों की मदद के लिए आगे नहीं आ सका है गोराजू गांव के रहने वाले राजेश सिंह कानपुर में आर्मी में तैनात है और जब गरीबों की जानकारी जब आर्मी अफसर राजेश सिंह को लगी तो उन्होंने गरीबों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है और गरीबों के घर में आना आज कपड़े बर्तन नगद रुपए आदि पहुंचाए हैं।

बार-बार अपराध करने वाले से पिपरी पुलिस को आखिर इतना लगाव क्यों!

लगातार चार बार हमले के बाद पीड़ित पर ही थाना पुलिस ने कर दी कार्रवाई एसपी से शिकायत

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के कुंदनपुर की सोनी देवी पत्नी लव-कुश पासी और उनके परिजनों पर दबंग बार-बार अपराध कर उन्हें प्रताड़ित कर रहे हैं बार-बार शिकायती पत्र देने के बाद हमलावरों पर कार्यवाही नहीं हो रही है आखिर पिपरी पुलिस को हमलावरों से इतना लगाव क्यों है पीड़ित सोनी देवी ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायती प्रार्थना पत्र देकर दबंगों की करतूत बताते हुए कार्यवाही की मांग की है पीड़ित ने एसपी से कहा है कि दबंगों को संरक्षण देने वाले पुलिस पर भी कार्यवाही की जाए। एसपी कार्यालय में दिए शिकायती पत्र के मुताबिक सोनी देवी के बगल के गांव लोकीपुर के दबंग और उनके परिजन लगातार आतंक कायम किये है गांव में रहने नहीं दे रहे हैं इनका गांव में पूरी तरह से आतंक कायम है पीड़ित का कहना है कि थाना पुलिस इनका समर्थन कर रही है। आरोपी ने सोनी की भतीजी अनामिका पर 11 दिसंबर 2021 को मोटरसाइकिल से टक्कर मारकर घायल कर दिया अनामिका का पैर टूट गया इस मामले में पुलिस ने मुकदमा नहीं दर्ज किया सुलह समझौते का दबाव बनाकर आरोपियों को बल दिया 4 जून 2022 को सोनी के लड़का राजन को फिर मोटरसाइकिल से टक्कर मारकर आरोपी ने घायल कर दिया जिससे उसके हाथ पैर में गम्भीर चोट लगी इस मामले में भी पिपरी पुलिस ने मुकदमा नहीं दर्ज किया शिकायतकर्ता का कहना है कि बल्कि इसी मामले को लेकर आरोपी को उलाहना दिया तो उपरोक्त सभी लोगों ने गाली गलौज कर जाति सूचक शब्दों से अपमानित करते हुए मारपीट कर भगा दिया। मामले की शिकायत थाना पुलिस से लेकर क्षेत्राधिकारी एडिशनल एसपी और जनसुनवाई में भी किया लेकिन थाना पुलिस आरोपियों पर कार्यवाही नहीं कर रही है 5 जून 2022 को फिर आरोपी पीडित के घर में लाठी डंडा असलहा से लैस होकर चढ़ गए और पूरे परिवार को गाली गलौज कर जाति सूचक शब्दों से अपमानित कर डंडे से पीट दिया कट्टा से फायरिंग करते हुए जान से मारने की धमकी देते हमलावर फरार हो गए हैं। मामले की सूचना फिर थाना पुलिस को पीडित ने दिया लेकिन चौथी बार भी पुलिस ने आरोपियों पर मुकदमा नही दर्ज किया बल्कि आरोपियों से सांठगांठ कर पीड़ित की आवाज दबाने के उद्देश्य से थाना पुलिस ने पीड़ित और उसके परिजनों पर शांति भंग में चालान कर विभिन्न मुकदमा पीड़ितों पर दर्ज कर उत्पीड़ित करने का दरोगा ने प्रयास किया पीड़ित का कहना है कि प्रधान प्रतिनिधि आरोपियों को बल देकर पुलिस के नाम पर लगातार पैसा वसूल रहे हैं। आरोपियों पर मुकदमा दर्ज करा कर गिरफ्तारी कराए जाने आरोपियों को संरक्षण देने वाले पुलिस और पुलिस के नाम पर दलाली करने वाले पर कार्यवाही की मांग पीड़ित ने की है।

संपादकीय

मिशन अग्निपथ पर आंदोलनजीवियों का कहर

सरकार की गलत नीतियों का शांतिपूर्ण विरोध करना विपक्ष का अधिकार है। मगर विगत आठ वर्ष में सरकार का नकारात्मक विरोध ही होता रहा है। इससे अंततः विपक्ष की ही प्रतिष्ठा धूमिल होती है। ऐसा लगता है कि विपक्षी पार्टियों की अपनी कोई नीति ही नहीं है। उसके नेता आंदोलनजीवियों का ही मनोबल बढ़ाते हैं। फिर उनकी लगाई आग में सियासी रोटी सेंकने का प्रयास करते हैं। अग्निपथ योजना के विरोध में भी ऐसा ही आंदोलन शुरू हुआ है। इसका विरोध वही लोग कर रहे हैं, जिनमें आत्मानुशासन और आत्मविश्वास का अभाव है। चार वर्ष की सेवा के बाद भी रोजगार के अवसर समाप्त नहीं होंगे।अभ्यर्थी अर्थिक रूप से भी स्वावलंबी होंगे। सेना में चार वर्ष की सेवा जीवनशैली को बदल देगी। समाज और देश को देखने का नजरिया ही बदल जाएगा। इसके बाद वह जहां भी कार्य करेंगे, वह औरों से अलग दिखाई देगा। तब वह किसी आंदोलनजीवियों के इशारे पर राष्ट्रीय संपत्ति को आग के हवाले नहीं करेंगे। फिलहाल वर्तमान सरकार के प्रत्येक कदम पर उपद्रव और हंगामा करने वाले एक बार फिर सक्रिय हैं। विगत आठ वर्षों के दौरान विकास के अनगिनत कीर्तिमान स्थापित हुए। सैकड़ों लोक कल्याणकारी योजनाओं से जन सामान्य को लाभान्वित किया गया। रक्षा सहित अनेक क्षेत्रों में आत्मनिर्भर भारत अभियान संचालित है। इसके उल्लेखनीय प्रमाण मिल रहे हैं। दशकों से लंबित लाखों करोड़ रुपये की परियोजनाओं को इस अवधि में पूरा किया गया। वन रैंक वन पेंशन की मांग चार दशकों से लंबित थी। वर्तमान सरकार ने इसे लागू किया । यूपीए सरकार के समय से सैन्य कमांडर राफेल लडाकू विमान सहित अनेक अस्त्र शस्त्रों को भारतीय सेना के लिए अपरिहार्य बता रहे थे। क्योंकि चीन अपनी सामरिक शक्ति लगातार बढ़ा रहा था। इस ओर भी वर्तमान सरकार ने ध्यान दिया।लंबित रक्षा सौदों का क्रियान्वयन हुआ। इसके साथ ही स्वदेशी रक्षा उत्पाद का नया अध्याय शुरू हुआ। आज भारत पचहत्तर देशों को रक्षा सामग्री का निर्यात कर रहा है। सीमा क्षेत्र में अभूतपूर्व निर्माण कार्य किए गए। कोई भी सरकार देश के सभी युवाओं को सरकारी नौकरियां नहीं दे सकती। इसको ध्यान में रखते हुए स्वरोजगार की अनेक योजनाएं लागू की गई। अग्निवीरों में से पच्चीस प्रतिशत को सेना की सुव्यवस्थित सेवा में समायोजित करने की बात महत्वपूर्ण है। शेष युवाओं को अर्धसैनिक बल,असम राइफल्स आदि में प्राथमिकता के आधार पर समायोजित किया जाएगा।स्वरोजगार के लिए सरकार उनको प्राथमिकता के आधार पर ऋण उपलब्ध कराएगी। आंदोलनजीवियों को बताना चाहिए कि 17 से 21 आयु वर्ग के युवा कौन सी नौकरी कर सकते है। अग्निपथ योजना के तहत भारतीय युवाओं को अग्निवीर के रूप में चार साल के लिए सशस्त्र सेवाओं में शामिल होने का मौका दिया जाएगा। सेनाओं की ट्रेनिंग देने के बाद इन्हें पाकिस्तान-चीन सीमा पर तैनात किया जाएगा। सशस्त्र सेनाओं से निकलने के बाद इन 'अग्निवीरों' को केंद्र सरकार के मंत्रालयों और राज्य सरकारों की नौकरियों में प्राथमिकता दी जायेगी। रक्षा मंत्रालय की यह स्कीम युवाओं को देशसेवा का मौका देने के साथ ही उन्हें तकनीकी तौर पर भी सुधारने में मदद करेगी। इस योजना से विभिन्न क्षेत्रों में नए कौशल के साथ रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। 'अग्निपथ' योजना के तहत सशस्त्र बलों का युवा प्रोफाइल तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है। अन्य देशों के मॉडल का अध्ययन किया गया।

पाक में सातवें आसमान पर महंगाई

संजीव ठाकुर

पाकिस्तान में इमरान सरकार के अपदस्थ होने के बाद शाहबाज शरीफ के प्रधानमंत्री बनते ही 24 दिनों में पेट्रोल डीजल की कीमत ?84 बढ़कर आंकी गई है। अब पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत ?233 और डीजल 263 तथा केरोसिन मैं 29 की वृद्धि कर उसकी कीमत 211 हो गई है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री इस्माइल ने 15 जून की रात्रि में बढ़ी हुई कीमतों की घोषणा कर दी है,जनता त्राहि-त्राहि कर रही है इसके अलावा पाकिस्तान की योजना मंत्री एहसान इकबाल ने आवाम को कम चाय पीने की सलाह भी दे दी है जिससे पाकिस्तानी मीडिया और आम जनता नए शहबाज शरीफ मंत्रिमंडल के पूरी तरह खिलाफ हो गई है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में चाय की खपत बहुत ज्यादा है एवं पाकिस्तान में चाय को आयात करना पड़ता है पाकिस्तान हर साल $50 करोड़ डॉलर की चाय आयात करता है। यदि चाय काम आएगी तो आयात पर बोझ कम होने की गुंजाइश बनती है। पाकिस्तान की सरकार का कहना है की पेट्रोल डीजल पर 120 अरब रुपए की की सब्सिडी दी जा रही है और इसका सरकार घाटा उठा रही है। पेट्रोल डीजल की कीमतें बढ़ने से जो राजस्व सरकार को प्राप्त होगा वह इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड से लिए गए कर्ज की अदायगी के काम आने वाला है। इसी तरह बिजली के बिलों में प्रति यूनिट 13 की वृद्धि की गई जिससे आम जनता की कमर ही टूट गई है। पाकिस्तान में पिछले 24 माह से सबसे ज्यादा महंगाई 13% आंकी गई है पर वास्तव में यह महंगाई 44% हो गई है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में तेल की बढ़ी कीमतों की वजह से महंगाई जबरदस्त तरीके से विस्फोट कर रही है' पाकिस्तान में बढ़ती महंगाई के लिए शहबाज शरीफ और उनकी कैबिनेट के तमाम मंत्री जिम्मेदार हैं। पाकिस्तान में महंगाई एक बार फिर सातवें आसमान पर पहुंच गई है, और इसके कारण वहां की जनता को अपने रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करने में काफी परेशानी हो रही है' पाकिस्तानी ब्यूरो ऑफ स्टैटिसटिक्स के ताजा आंकड़ों के अनुसार महंगाई दर 13फीसद से बढ़कर44 % हो गई है जो पिछले 24 माह में सर्वाधिक ऊंचाई पर है' पाकिस्तान के प्रमुख अखबार द डॉन की खबर के अनुसार आंकड़ों से पता चलता है कि देश में महंगाई की दर कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स के हिसाब से महंगाई की दर पिछले 25 सालों में सबसे ज्यादा आंकी गई है।

पिता संस्कारदाता ही नहीं, जीवन-निर्माता भी है

ललित गर्ग

जून महीने के तीसरे रविवार को अंतर्राष्ट्रीय पिता दिवस यानी फादर्स डे मनाया जाता है। इस साल 19 जून 2022 को भारत समेत विश्वभर में यह दिवस मनाया जायेगा। पिता दिवस की शुरूआत बीसवीं सदी के प्रारंभ में पिताधर्म तथा पुरुषों द्वारा परवरिश का सम्मान करने के लिये मातृ-दिवस के पूरक उत्सव के रूप में हुई। यह हमारे पूर्वजों की स्मृति और उनके सम्मान में भी मनाया जाता है। दुनिया के अलग-अलग देशों में अलग-अलग दिन और विविध परंपराओं के कारण उत्साह एवं उमंग से यह दिवस मनाया जाता है। हिन्दू परंपरा के मुताबिक पितृ दिवस भाद्रपद महीने की सर्वपितृ अमावस्या के दिन होता है। पिता एक ऐसा शब्द जिसके बिना किसी के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। एक ऐसा पवित्र रिश्ता जिसकी तुलना किसी और रिश्ते से नहीं हो सकती। बचपन में जब कोई बच्चा चलना सीखता है तो सबसे पहले अपने पिता की उंगली थामता है। नन्हा-सा बच्चा पिता की उँगली थामे और उसकी बाँहों में रहकर बहुत सुकून पाता है। बोलने के साथ ही बच्चे जिद करना शुरू कर देते हैं और पिता उनकी सभी जिदों को पूरा करते हैं। बचपन में चॉकलेट, खिलौने दिलाने से लेकर युवावर्ग तक बाइक, कार, लैपटॉप और उच्च शिक्षा के लिए विदेश भेजने तक संतान की सभी माँगों को वो पूरा करते रहते हैं लेकिन एक समय ऐसा आता है जब भागदौड़ भरी इस जिंदगी में बच्चों के पास अपने पिता के लिए समय नहीं मिल पाता है। इसी को ध्यान में रखकर पितृ दिवस मनाने की परंपरा का आरम्भ हुआ।

सोनेरा डोड जब नन्ही-सी थी, तभी उनकी मां का देहांत हो गया। पिता विलियम स्मार्ट ने सोनेरो के जीवन में मां की कमी नहीं महसूस होने दी और उसे मां का भी प्यार दिया। एक दिन यूं ही सोनेरा के दिल में ख्याल आया कि आखिर एक दिन पिता के नाम क्यों नहीं हो सकता? इस तरह 19 जून 1910 को पहली बार फादर्स डे मनाया गया। कई महीने पहले 6 दिसम्बर 1907 को मोनोंगाह, पश्चिम वर्जीनिया में एक खान दुर्घटना में मारे गए 210 पिताओं के सम्मान में इस विशेष दिवस का आयोजन श्रीमती ग्रेस गोल्डन क्लेटन ने किया था। प्रथम फादर्स डे चर्च आज भी सेन्ट्रल यूनाइटेड मेथोडिस्ट चर्च के नाम से फेयरमोंट में मौजूद है।

मानवीय रिश्तों में दुनिया में सबसे बड़ा स्थान मां को दिया जाता है, लेकिन एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता बेटा की चोट देख कर कठोर इसलिये बना रहता है ताकि वह जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। उन्हीं पिता के सम्मान में पितृ दिवस मनाया जाता है। आधुनिक समाज में पिता-पुत्र के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है। कुछ दशक पूर्व के पिताओं ने अपनी भूमिका में एक क्रांति लाई। इसके साथ ही एकल परिवार, शहरीकरण, रोजगार, आधुनिकता, बदलता साहित्य, सिनेमा ने भी उस पिता के आचरण में एक बदलाव लाया। वर्तमान समय के पिता का रूप काफी बदल गया है। पिता बनना आज सिर्फ एक जैविक क्रिया न होकर एक सामाजिक क्रिया भी हो चुकी है। एकल मां की तरह अब समाज में एकल पिता का भी विचार आ चुका है। अब एकल पिता अपने बच्चों का न केवल ख्याल रखते हैं बल्कि उन्हें मां की कमी महसूस नहीं होने देते हैं। गे पिता भी अब समाज में अपनी जगह बनाने लगे हैं। ये पिता भले जैविक पिता नहीं हो सकते लेकिन भावनाओं की अभिवयक्ति में ये जैविक पिताओं से थोड़े भी उन्नीस नहीं हैं।

आधुनिक पिताओं की भूमिका में काफी बदलाव आया है, अब वे अपने बच्चों को दूध पिलाने से लेकर उसके डायपर, नैपी तक बदल रहे हैं वो भी पूरी खुशी, प्रतिष्ठा और सम्मान के साथ। कुछ तो समाज की नई बयार ने भी मदद की है जिसमें पति पत्नी दोनों कामकाजी हैं। आज बच्चे अपने पिताओं से भी बहुत दोस्ताना संबंध बनाने लगे हैं क्योंकि ये आधुनिक पिता बहुत लोकतान्त्रिक एवं संवेदनात्मक व्यवहार वाले हैं। यह बच्चों पर दबाव नहीं बनाते। बच्चों का भविष्य अच्छा वही सोच सकते हैं, इस बात पर बच्चों का शोषण नहीं करते। यदि बेटियों ने भी खुद की मर्जी से विवाह, शिक्षा या व्यवसाय चुनने की बात की तो गंभीरता से विचार करते हैं न कि उनका ऑनर कीलिंग कर देते हैं। सबसे ध्यान देने की बात कि आज के कई पिता एकल बालिका शिशु के अभिभावक बनने में भी गर्व महसूस करते हैं। उन्हें वंश बनाने और बढ़ाने के लिए बालक शिशु को प्रधानता देने का कोई कारण नजर नहीं आता। एक शिल्पकार प्रतिमा बनाने के लिए जैसे पत्थर को कहीं काटता है, कहीं छांटता है, कहीं तल को चिकना करता है, कहीं तराशता है तथा कहीं आवृत को अनावृत करता है, वैसे ही मेरे पूज्य पिताश्री रामस्वरूपजी गर्ग ने मेरे व्यक्तित्व को तराशकर उसे महनीय और सुघड़ रूप प्रदान किया। आज वे देह से विदेह होकर भी हर पल मेरे साथ प्रेरणा के रूप में, शक्ति के रूप में, संस्कार के रूप में रहते हैं। हर पिता अपने पुत्र की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करता है। पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संवेदनाओं के पुंज हैं। मेरे लिये मेरे पिता देवतुल्य एवं गहन आध्यात्मिक-धार्मिक जीवट वाले व्यक्तित्व थे। उनकी जैसी सादगी, उनकी जैसी सरलता, उनकी जैसा समर्पण, उनकी जैसी धार्मिकता, उनकी जैसी पारिवारिक नेतृत्वशीलता और उनकी जैसी संवेदनशीलता को जीना दुर्लभ है। उन्होंने परिवार एवं समाज को समृद्धशाली और शक्तिशाली बनाने की दृष्टि से उल्लेखनीय कार्य किया। मेरे लिये तो वे आज भी दिव्य ऊर्जा के केन्द्र हैं। पिता आंसुओं और मुस्कान का एक समुच्चय है, जो बेटे के दुख में रोता तो सुख में हंसता है। उसे आसमान छूता देख अपने को कद्दावर मानता है तो राह भटकते देख अपनी किस्मत की बुरी लकीरों को कोसता है। पिता गंगोत्री की वह बूंद है जो गंगा सागर तक एक-एक तट, एक-एक घाट को पवित्र करने के लिए धोता रहता है। पिता वह आग है जो घड़े को पकाता है, लेकिन जलाता नहीं जरा भी। वह ऐसी चिंगारी है जो जरूरत के वक्त बेटे को शोले में तब्दील करता है। वह ऐसा सूरज है, जो सुबह पक्षियों के कलरव के साथ धरती पर हलचल शुरू करता है, दोपहर में तपता है और शाम को धीरे से चांद को लिए रास्ता छोड़ देता है। पिता वह पूनम का चांद है जो बच्चे के बचपने में रहता है, तो धीरे-धीरे घटता हुआ क्रमशः अमावस का हो जाता है। पिता समंदर के जैसा भी है, जिसकी सतह पर असंख्य लहरें खेलती हैं, तो जिसकी गहराई में खामोशी ही खामोशी है। वह चखने में भले खारा लगे, लेकिन जब बारिश बन खेतों में आता है तो मीठे से मीठा हो जाता है । पिता! का स्नेह और अपनापन के तेज और स्पर्श को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता है, उसे सिर्फ महसूस किया जा सकता है। वह विलक्षण, साहस और संस्कारदाता होता है। जो समस्त परिवार को आदर्श संस्कार ही नहीं देता, बल्कि जीवन निर्वाह के साधन उपलब्ध कराता है। उनके दिए गए संस्कार ही संतान की मूल थाती होती है। इसीलिये पिता के चरणों में भी स्वर्ग एवं सर्व कहा गया है। क्योंकि वे हर क्षण परिवार एवं संतान के लिए छाया की भांति एक बड़ा सहारा बनते हैं और उनका रक्षा कवच परिवारजनों के जीवन को अनेक संकटों से बचाता है। आज हमें ऐसे पिताओं की जरूरत नहीं जो वर्चस्व स्थापित करके पत्नी एवं बच्चों पर आधिपत्य जमाते हैं बल्कि ऐसे पिताओं की आवश्यकता है जो उनके विचारों और इच्छाओं को न केवल प्रमुखता देते हैं बल्कि उनके सपनों को उड़ान भरने की ताकत भी देते हैं। जीवन में जब भी निर्माण की आवाज उठेगी, पौरुष की मशाल जगेगी, सत्य की आंख खुलेगी तब हम, हमारा वो सब कुछ जिससे हम जुड़े होंगे, वो सब पिता का कीमती तौहफा होगा, इस अहसास को जीवंत करके ही हमें पिता-दिवस को मनाने की सार्थकता पा सकेंगे।

इंटरनेट युग में पुस्तकों को पढ़ना न भूलें...!

सुनील कुमार महला

आज का युग डिजीटल युग है, इंटरनेट का युग है। हर कहीं इंटरनेट का मकड़जाल फैला हुआ है। इस इंटरनेट के मकड़जाल ने आज युवाओं को पुस्तकों से दूर कर दिया है। युवा वर्ग आज इंटरनेट में इस कदर खोया हुआ है कि उसके पास पुस्तकें पढ़ने के लिए समय ही नहीं है। हमें पुस्तकें पढ़नी चाहिए क्योंकि पुस्तकें ज्ञान का भण्डार है। पुस्तकें हमें जीवन जीना सिखाती हैं और दुष्ट वृत्तियों से हमारी सुरक्षा करती हैं।इनमें लेखकों के जीवन भर के अनुभव भरे रहते हैं, और अनुभव हमें जीवन जीना सिखाते हैं। अच्छी पुस्तकें पास होने पर किसी को भी मित्रों की कमी नहीं खटकती है, क्योंकि पुस्तकें व्यक्ति की सबसे अच्छी मित्र होतीं हैं। किसी भी पुस्तक का अध्ययन मनन और चिंतन कर उनसे तत्काल लाभ प्राप्त किया जा सकता है, लेकिन यह विडंबना ही है कि आज युवा पीढ़ी का पुस्तकें पढ़ने से मोह भंग होता चला जा रहा है। लेकिन युवा पीढ़ी को यह नहीं भूलना चाहिए कि आम आदमी के विकास के लिए जरूरी शिक्षा और साक्षरता का एकमात्र साधन किताबें ही हैं। आज संचार क्रांति ने पुस्तकों से उसके पाठक छीन लिये है, ऐसे में हमारे कंधो पर बड़ी चुनौती है। हमें युवा पीढ़ी को पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित करना होगा, क्यों कि कोई भी पुस्तक ज्ञान का अकूत भंडार ही नहीं हमारी सच्ची मित्र भी होती हैं । पुस्तकों में वह सबकुछ है, जिसकी मानव को जरूरत होती है। पुस्तक के बगैर ज्ञान की कल्पना नहीं की जा सकती है। ये हमें ज्ञान प्रदान करती हैं, हमें शिक्षा देती हैं ।आज महात्मा गांधी,स्वामी विवेकानंद, भगतसिंह तथा महात्मा बुद्ध जैसे महान व्यक्तित्वों के सिद्धांतों को पुस्तकों के माध्यम से ही जाना जा रहा है। कहानियों के जरिये बच्चे बहुत सी नई चीजों को सीखते हैं। लेकिन समय के साथ पुस्तकों का अध्ययन कम हो गया है ।पुस्तकें हमारे ज्ञान की भूख को मिटाती है। किताबें संसार को बदलने, जीवन को बदलने, उसमें आमूल चूल परिवर्तन लाने का अहम् साधन रही हैं। ये पुस्तकें ही हैं जो जीवन में हमारा सही मार्गदर्शन कराती हैं, देखा जाए तो पुस्तकें ही हमारे एकान्त की सहचारी हैं। वे हमारी मित्र हैं जो बदले में हम से कुछ नहीं चाहती। वे साहस और धैर्य, संयम प्रदान करती हैं ।अन्धकार में हमारा मार्ग दर्शन कराती हैं, हमें जीवन की नयी राहें दिखातीं हैं। पुस्तकों ने हमेशा हमेशा से एक मित्र और मार्गदर्शक की भांति सदा हमारा साथ निभाया है, लेकिन अब इंटरनेट के प्रति बढ़ती दिलचस्पी के कारण पुस्तकों से लोगों की दूरी बढ़ती जा रही है। आज हर व्यक्ति व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, ट्विटर, फेसबुक पर व्यस्त है, कोई भी पुस्तकों के हाथ तक नहीं लगाना चाहता। पुस्तकालयों में पुस्तकें आलमारियों में सजी पड़ी रहती है लेकिन विरले ही कोई इन्हें पढ़ता है। सच तो यह है कि आज पुस्तकों के बजाय इंटरनेट हमारा साथी बन बैठा है। हम पुस्तकें पढ़ने में खुद को ऊबाऊ महसूस करते हैं लेकिन इंटरनेट का उपयोग करते हैं तो हमें किसी भी प्रकार की थकावट व ऊबाऊपन महसूस नहीं होता। लेकिन हमें यह याद रखना चाहिए कि पुस्तकों के आ जाने के बाद ज्ञान के आदान-प्रदान में क्रांति आई है, जो की मानव विकास के लिये बहुत ही निर्णायक साबित हुई है। हमें पुस्तकों की ओर पुनः लौटना होगा। हमने समय के साथ साथ पुस्तकों के व्यावहारिक, शिक्षाप्रद, मनोरंजक और बहुमुखी ज्ञान से अपनी दूरी बना ली है। हमारे पास पुस्तकें पढ़ने का समय ही नहीं है। पहले लोग लाइब्रेरी में जाते थे, घंटों घंटों अध्ययन करते थे, पुस्तकें इश्यू करवाते थे लेकिन अब समय के साथ न तो वाचनालय रहे हैं और न ही पुस्तक प्रेमी और न ही पहले की भांति पुस्तकालय, लेकिन पुस्तकालय ही वास्तव में हमारे ज्ञानार्जन का एक प्रमुख स्त्रोत है। एक प्रकार से पुस्तकालय हमारे राष्ट्र की अनुपम धरोहर है। हमें इंटरनेट के युग में यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि पुस्तकों में वह शक्ति हैं जो मनुष्य को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाती है, जीवन की राहों के कांटों को दूर करती हैं तथा कठिन से कठिन समस्याओं के हल के लिए बल प्रदान करती है, हमें साहस से परिपूर्ण करती हैं, हमारे आत्मबल को बढ़ाती हैं, हमें संबल प्रदान करतीं हैं। जिस व्यक्ति को पुस्तकों से लगाव है वह स्वयं को कभी कमजोर अनुभव नहीं कर सकता है। हम कह सकते हैं कि पुस्तकें मनुष्य के आत्मबल का सर्वश्रेष्ठ साधन है। मनुष्य के ज्ञानार्जन एवं बुद्धि के विकास के लिए पुस्तकों का अध्ययन अत्यंत आवश्यक हैं। बताता चलूँ कि हमारी सृष्टि की उत्पत्ति का आधार ग्रंथ ही रहे हैं। कहते हैं कि शब्द गुरु होते हैं और शब्द पुस्तकों में ही निहित होते हैं। पुस्तकें पढ़ना, पढ़ाना हमारे भारत की परंपरा हैं, यह हमारी संस्कृति हैं। लेकिन आज तकनीक ने या यूं कहें कि इंटरनेट के युग के कारण रीडिंग हैबिट की कमी हो गई है। पाठकों की आज कमी हो गई है। पुस्तकें हमें मनोरंजन भी प्रदान करती हैं लेकिन आज इंटरनेट पर मनोरंजन के बहुत विकल्प हैं, इंटरनेट पुस्तक का विकल्प कभी भी नहीं हो सकता है। यह ठीक है कि इसके माध्यम से कुछ और जानकारियों का इजाफा जरूर हुआ है। तकनीक के आने से हमारी जरूरतें सुविधाजनक हो गई हैं, लेकिन बच्चों की कल्पनाशक्ति को विस्तार आज भी पुस्तकें ही देती हैं। यह सुविधा और विकल्प इंटरनेट नहीं दे सकता है, तभी तो कहा गया है कि पुस्तकों का महत्त्व सदा से रहा है। आज स्कूल और कॉलेज में पुस्तक लाइब्रेरी जरूर है मगर उसमें जाने का समय विद्यार्थी के पास नहीं है। स्कूलों में आज भी पुस्तक पढ़ने अथवा पुस्तकालय का कोई पीरियड नहीं होता। हमें यह बात हमेशा याद रखनी चाहिए कि किताबों का हमेशा से अपना वजूद रहा है और हमेशा रहेगा,किताबों का स्थान कोई भी नहीं ले सकता है, इंटरनेट भी नहीं। भौतिक रूप से एक पुस्तक पढ़ने का जो आनंद व मजा है वह मजा किसी पुस्तक को इंटरनेट पर पढ़ने में नहीं है। एक समय था जब किताबें मानव के मनोरंजन के साथ झ साथ ज्ञान, शिक्षा का भंडार और संस्कृति का संवाहक मानी जाती थी। किताबों में भविष्य है, पहले बच्चों से लेकर बूढ़े तक अपनी-अपनी रुचि के अनुसार किताबें पढ़ते थे। आज ऐसा नहीं है और पाठकों की निरन्तर हो रही कमी के बीच भी लेखक और साहित्यकार खूब लिख रहे हैं, किताबें छप रही हैं, लेकिन चिंता का विषय यह है कि पुस्तकों को बाजार नहीं मिल रहा है, पाठक नहीं मिल रहे हैं और ये किसी पुस्तकालय की शोभा मात्र बन कर रह जाती हैं। इंटरनेट की आंधी में पुस्तकों को बिसराया जा रहा है लेकिन पुस्तकों का महत्व फिर भी कभी भी कम नहीं हो सकता है। दूसरे शब्दों में, कोई भी तकनीक या इंटरनेट-क्रांति पुस्तक की उपयोगिता या महत्व को कम नहीं कर सकती हैं। पुस्तकें ज्ञान की सुरक्षा, संरक्षा, सृजन और परिमार्जन में भी प्रमुख भूमिका निभाती आईं हैं। मानव के कार्य, विचार , ज्ञान, समाज और संस्कृति के विकास में योगदान को पुस्तकें सुरक्षित रखती हैं। इसलिए मानव को पुस्तकों की ओर मुड़ना होगा। पुस्तकों में जीवन दर्शन छिपा हुआ है। यह विडंबना ही है कि जिन पुस्तकों में जीवन दर्शन छिपा हुआ है, अध्यापक,अभिभावक, माता-पिता भी बच्चों को उन पुस्तकों या सद साहित्य को पढ़ने संबंधी कोई जानकारी बच्चों को आज नहीं देते हैं। शायद यही कारण है कि इन्टरनेट के इस युग में हम पुस्तकों को पढ़ना भूल गए हैं। आज पढ़ने का मतलब इस संचार क्रांति में इन्टरनेट मात्र ही रह गया है। आज के युवा व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, फेसबुक पर चैटिंग करते मिल जायेंगे। यू ट्यूब का प्रयोग करते मिल जायेंगे, लेकिन पुस्तकों को पढ़ने में उनकी कोई रूचि नहीं है।

अग्निपथ की आग में झुलसा भारत "अर्थी दो या भर्ती दो"

अशोक कुमार निर्भय

अग्निपथ की आग में झुलसा भारत "अर्थी दो या भर्ती दो" के नारे ने पीएम मोदी का विजयपथ रोक दिया। केंद्र की मोदी नीत सरकार की महत्वपूर्ण योजना अग्निपथ के खिलाफ बिहार से शुरू हुआ विरोध-प्रदर्शन अब तक दिल्ली समेत हरियाणा, हिमाचल प्रदेश,उत्तर प्रदेश, राजस्थान,मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और केरल जैसे सात राज्यों में पहुंच गया है। बिहार के अलावा यूपी, हरियाणा, उत्तराखंड और राजस्थान से भी सेना में भर्ती की वर्षों से तैयारी कर रहे युवाओं के उग्र प्रदर्शन की खबरें सामने आ रही है। मोटे तौर पर सेना में केवल चार सालों की भर्ती योजना को लेकर छात्रों में खासा आक्रोश है। ये अग्निपथ योजना के विरोध में प्रदर्शन कई शहरों में फैल गया और मुख्य तौर पर रेलवे की संपत्ति को निशाना बनाया जा रहा है। प्रदर्शन की वजह से रेलवे ने 22 ट्रेनें कैंसिल कर दी हैं और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिहार में बीजेपी नेताओं और उनके ऑफिस को भी निशाना बनाया जा रहा है। बिहार समेत अन्य राज्यों में भाजपा के नेता मुँह छुपाए घूम रहे हैं। दिल्ली के आईटीओ में युवाओं ने अग्निपथ योजना के खिलाफ युवाओं ने जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान करीब 25 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है। पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र में युवा सडकों पर उतर कर इस योजना ने विरोध में जमकर प्रदर्शन कर रहे हैं। अग्निपथ योजना के विरोध में वाराणसी में शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक प्रदर्शन लगातार हो रहा है। कल कैंट स्टेशन के बाहर युवकों ने सवारी वाहनों के शीशे तोड़े और प्रदर्शन शुरू किया। साथ ही इंग्लिशिया लाइन, कैंट स्टेशन के सामने मुख्य मार्ग पर भी प्रदर्शन किया। कैंट स्टेशन परिसर में प्रवेश से रोकने पर भड़के युवाओं ने प्रदर्शन किया। रोडवेज के पास भी युवकों ने पत्थरबाजी की। पथराव कर कई बसों के शीशे तोड़ दिए। कैंट स्टेशन के आसपास की दुकानें बंद हो गई हैं। इंग्लिशिया लाइन पर पथराव भी किया गया है। पुलिस प्रशासन ने अतिरिक्त पुलिस बल किसी भी स्थिति से निबटने के लिए तैनात कर दिया है। अग्निपथ योजना के विरोध में हरियाणा में भी युवाओं का विरोध प्रदर्शन जारी है। नारनौल में सड़कों पर हो रहे प्रदर्शन को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इस दौरान दो छात्र नेता समेत 9 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं,हरियाणा के ही

जींद में युवाओं ने विरोध प्रदर्शन करते वक्त जींद-दिल्ली-भटिंडा रेलवे ट्रैक को जाम कर दिया। बड़ी संख्या में युवा ट्रैक पर बैठ गए हैं। हरियाणा और रेलवे पुलिस बल हरियाणा में हिंसक प्रदर्शन को देखते हुए हाई अलर्ट मोड में है। उधर, मध्य प्रदेश के ग्वालियर में बिरला नगर रेलवे स्टेशन पर जमकर हंगामा हुआ। युवाओं ने स्टेशन पर तोड़ फोड़ की उसके बाद रेलवे ट्रेक पर कुर्सियां फैंक दी, टायरों में आग लगा दी और रेल परिवाहन बाधित कर दिया। इसके अलावा राजस्थान के सीकर और जयपुर से भी छात्रों के विरोध प्रदर्शन की हो रहे हैं। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने सेना भर्ती के लिए नई नीति अग्निपथ का ऐलान किया है। इसकी जानकारी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सेना के प्रमुखों के साथ एक प्रेस कांफ्रेंस में दी।राजनाथ सिंह ने बताया की थल सेना वायु सेना और जल सेना ने फैसला किया है कि अब नॉन कमीशन रैंक की भर्तियां अग्निपथ योजना के तहत की जाएंगे यानी सिपाही सेलर या एयर मैन बनने के लिए अग्नि पथ पर चलकर अग्निवीर बनना होगा। आपको बता दें कि इस योजना के तहत सैनिकों की भर्ती 4 वर्षों के लिए की जाएगी। चार साल की नौकरी के बाद ही वे परमानेंट सेटलमेंट के लिए आगे बढ़ पाएंगे। भर्ती अग्निवीरों के 25 फीसदी ही सैनिकों को स्थाई सेवा देने का मौका मिलेगा। बाकी अग्निवीर नौकरी से बाहर हो जाएंगे, उनके पुनर्वास के लिए भी सरकार ने एक रोडमैप बना रही हैं, ऐसा सरकार का दावा है। अग्निपथ योजना के तहत भर्ती के एलान के बाद छात्रों को कई आशंकाओं से भर दिया है। इससे पहले भर्ती को लेकर सामान्य नियम था। पहले एक विज्ञापन के जरिए इसकी जानकारी दी जाती थी और खुली भर्ती की तरह इस प्रक्रिया को पूरा किया जाता था। इसके बाद एक फिजिकल, मेडिकल और रिटर्न टेस्ट के बाद डॉक्यूमेंट वेरिफिवेशन के बाद भर्ती पूरी कर ली जाती थी।

मौनी बाबा से मनमौजी बाबा

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

हमारे एक मित्र ने सलाह दी कि जाइए और बेचवापुर का मेला घूम आइए। बेचवापुर मेले का इतिहास सन 2014 से आरंभ होता है। उसी वर्ष मई महीने की गर्मी के साथ शुरू हुए मेले का महत्व दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। वैसे इस मेले की शुरूआत सत्तर साल पहले हुआ था। किंतु माना जाता है कि विकास नाम के बालक के खो जाने से इस मेले का रंग फीका पड़ता चला गया। इसीलिए वास्तविक रूप से मई 2014 में विकास को खोजने की डोर किसी अन्य गाँव में छोटा सा मेला चलाने वाले को दे दिया। बेचवापुर को प्रभावित करने में इस मेले का बहुत बड़ा योगदान है। कहा जाता है कि इस इलाके में कभी मौनी बाबा रहा करते थे। उनका मौन किसी की बतकही वाले इशारे से चला करता था। इशारों के खेल में मुश्किल यह थी कि खरीददार अ को ब और ब को अ सुनते थे। हर साल मेले में गजब भीड़ लगने लगी। लोग अक्सर एक-दूसरे से बात करते तो कहते झ कहां बेचवापुर घूमने आये हैंङ्ग..? अरे आप लोग का तो वक्त है, जाइये भइया. हमरा तो धोती बिक गयी है। बहुत से लोग जाते हैं वहां लेकिन हम ह्लवैसीह्व जगह नहीं जाते जहाँ ठन-ठन गोपालों को मारकर भगा दिया जाता हो। उस बाजार में किसानों, गरीबों, भुखमरों के जाने पर सख्त मनाही है। माना जाता है कि ऐसे लोगों के जाने से बेचवापुर को ग्रहण लग जाता है। विदेशियों को पता चलेगा तो क्या सोचेंगे? अब इस मेले में हवाई जहाज, ताजमहल, लाल किला, गाय, मिट्टी-लकड़ी-लोहे के खिलौने सब कुछ बिकते हैं। इतना ही नहीं विभिन्न प्रकार के पक्षियों सहित कई दूसरी प्रजातियों के कॉपी-पेस्ट टाईप पशु-पक्षियों का बाजार भी सजता है। बेचपवापुर के व्यस्त चौराहे पर चाय की दुकान लगाने वाला मेले की तारीफ करते नहीं थक रहा था। यह सोच सिर्फ उस व्यक्ति की नहीं थी।

वह उस चाय की दुकान पर आने झ जाने वाले हजारों लोगों की थी, जो बेचवापुर मेले पर चर्चा करते हैं। आप इस चाय की दुकान को छोड़िये, यदि आप इंटरनेट पर भरोसा करते हैं, तो जरा मुँहट्यूब पर बेचवापुर मेला सर्च करके देखिये।

मेदवेदेव हाले टेनिस के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

हाले (जर्मनी)। शीर्ष वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव ने इल्या इवाश्का को एक सप्ताह में दूसरी बार पराजित करके हाले ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व रैंकिंग में फिर

से नंबर एक पर काबिज होने वाले रूसी खिलाड़ी मेदवेदेव ने बेलारूस के इवाश्का को 7-6 (4), 6-3 से हराया। उन्होंने पहले सेट में 5-4 के स्कोर पर तीन सेट प्वाइंट बचाकर जीत दर्ज की। मेदवेदेव का अगला मुकाबला सातवीं वरीयता प्राप्त रॉबर्टो बॉतिस्ता आगुट से होगा, जिन्होंने क्वालीफायर टालोन ग्रिक्सपुर को 6-7 (6), 6-4, 6-2 से पराजित किया। आठवीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचानोव और जर्मनी के ऑस्कर ओट्टे भी आगे बढ़ने में सफल रहे। खाचानोव ने लास्लो जेरे को 7-6 (4), 6-4 से जबकि ओट्टे ने निकोलोज बेसिलशविली को 4-6, 6-0, 7-6 (3) से हराया।

चेन्नईयिन एफसी ने मोहम्मद रफीक से किया करार

चेन्नई। चेन्नईयिन एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) विजेता टीम का हिस्सा रहे मोहम्मद रफीक से आगामी सत्र से पहले दो साल का करार किया। क्लब ने यह जानकारी दी। यह 31 वर्षीय मिडफील्डर एक दशक लंबे अपने पेशेवर करियर के दौरान 153 मैच

खेल चुका है। रफीक ने आईएसएल के पहले सत्र में इंजरी टाइम में विजयी गोल दागकर एटलेटिको डि कोलकाता को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। कोलकाता में जन्मा यह फुटबॉलर 12 मैच में राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुका है जिसमें दो मैत्री मैच भी शामिल है। उन्होंने एक अंतरराष्ट्रीय गोल दागा है। वह 2018 में इंटर कॉन्टिनेंटल कप और 2017 में तीन देशों की श्रृंखला जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड की टीम में जुड़वा भाइयों को जगह

लंदन । इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला के तीसरे और आखिरी टेस्ट मैच के लिए घोषित 14 सदस्यीय टीम में जुड़वा भाइयों को जगह दी है। टीम में क्रेग ओवरटन पहले से ही है , जबकि जैमी ओवरटन नया चेहरा हैं। इंग्लैंड की टीम श्रृंखला में 2-0 से आगे है और तीसरा मैच हेडिंग्ले में 23 जून से खेला जाएगा। इंग्लैंड के लिए इससे पहले किसी जुड़वां भाइयों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। इस बात की संभावना कम है कि तीसरे टेस्ट मैच में दोनों भाइयों को अंतिम एकादश में मौका मिले। क्रेग को पहले दो टेस्ट मैच की तरह इस मुकाबले से भी बाहर बैठना पड़ सकता है।

डेल स्टेन ने गायकवाड़ की तुलना इस धमाकेदार बल्लेबाज से की, कहा- वह वास्तव में खेल को पढ़ता है

मुंबई। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन का3मानना है कि भारतीय क्रिकेटर रुतुताज गायकवाड़ ने दुनिया के बेहतरीन गेंदबाजों का सामना और लगातार स्कोर करते हुए पिछले दो साल में काफी लंबा सफर तय किया है। गायकवाड़ की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में अच्छी शुरुआत नहीं थी। इस 25 वर्षीय ने विशाखापत्तनम में तीसरे मैच में अर्धशतक लगाया और ईशान किशन (54) के साथ साझेदारी करते हुए टीम को सीरीज में बने रहने में मदद की। सीरीज का चौथा मैच राजकोट में शुक्रवार को खेला जाएगा जिसमें दक्षिण अफ्रीका 2-1 से आगे है।

स्टेन ने एक शो में कहा कि गायकवाड़ को गति या स्पिन को लेकर कोई दिक्कत नहीं है और वह ऐसे बल्लेबाज हैं जो खेल को अच्छी तरह से पढ़ने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा कि वह पिछले दो वर्षों में वास्तव में अच्छा दिख रहा है। वह एक साल पहले (2021) चेन्नई सुपर किंग्स के सबसे ज्यादा

रन बनाने वाले खिलाड़ी थे और वह एक गुणवत्ता वाले खिलाड़ी हैं। जब आप आईपीएल में बल्लेबाजी की शुरुआत कर रहे हैं तो आप आम तौर पर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों के खिलाफ आ (खेल) रहे हैं, चाहे वह (कगिसो) रबाडा हो या लॉकी फर्ग्यूसन और वह इसके लिए तैयार है। गायकवाड़ आईपीएल 2021 में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी थे और सीएसके ने खिताब भी जीता था। हालांकि आईपीएल 2022 में उनके खराब फॉर्म ने चेन्नई को नौवें स्थान पर रखने में मजबूर किया। स्टेन ने कहा कि गायकवाड़ की विशाखापत्तनम में 35 गेंदों में 57 रन की पारी नियंत्रण की शानदार पारी थी। उन्होंने कहा, थोड़ा सा भाग्य, लेकिन आप अपनी किस्मत खुद बनाते हैं। वह (गायकवाड़) बस अद्भुत लग रहा था। वह बहुत अच्छा लग रहा था, नियंत्रण में था। जब गति की बात आती है और स्पिन के साथ कोई समस्या नहीं होती है, और वह वास्तव में खेल को पढ़ता है। वह उसी लय में बल्लेबाजी करता है जिसमें केएल राहुल बल्लेबाजी करते हैं। वह आपकी अच्छी गेंदों को भी चौके के लिए मार सकता है।

शाकिब की फिफ्टी के बावजूद बांग्लादेश 101 रन पर ऑलआऊट

नार्थ साउंड । वेस्ट इंडीज के तेज गेंदबाजों केमार रोच और काइल मेयर्स ने पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन बांग्लादेश को 101 रन पर पवेलियन लौटा दिया। बांग्लादेश ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए चाय तक अपने छह विकेट 76 रन तक खो दिए।

बांग्लादेश के चार बल्लेबाज खाता खोले बिना आउट हुए। ओपनर तमीम इकबाल ने 29 रन बनाए। जबकि हसन जॉय, शांटो, मोमिनुल खाता भी नहीं खोल पाए। बांगलादेश की ओर से सिर्फ कप्तान शाकिब अल हसन ही कुछ देर रात क्रीज पर टिक पाए।

उन्होंने 67 गेंदों में छह चौके और एक छक्के की मदद से 51 रन बनाए और अपनी टीम को 100 रन पार करवाने में मदद की। बांगलादेश के आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाए। विंडीज की ओर से तेज गेंदबाज केमर रोच ने आठ ओवर में 21 रन देकर

दो विकेट लिए। जबकि जेडन सील्स ने 33 रन देकर तीन तो एल्जारी जोसेफ ने 33 रन देकर तीन विकेट लिए। काइल मायर्स भी 10 रन देकर दो विकेट निकालने में सफल रहे।

क्वार्टर फाइनल में पहुंचे एचएस प्रणय, अपने से 11 रैंक ऊपर हॉन्गकॉन्ग के खिलाड़ी को हराया

जकार्ता। शानदार फॉर्म में चल रहे भारत के स्टार शटलर एचएस प्रणय इंडोनेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। इस दिग्गज खिलाड़ी ने प्री-क्वार्टर फाइनल राउंड में हॉन्गकॉन्ग के एंग का लॉन्ग एंगुस को सीधे गेमों में 21-11, 21-18 से हरा दिया। एंगुस की वर्ल्ड रैंकिंग 12 है, जबकि प्रणय 23वें रैंक पर हैं। हालांकि, इस मैच में प्रणय ने जबरदस्त खेल दिखाया। पहले गेम में प्रणय का वर्चस्व रहा और उन्होंने 21-11 से एकतरफा जीत हासिल की। इसके बाद दूसरे गेम में एंगुस ने वापसी की और प्रणय को टक्कर देने की कोशिश की, लेकिन भारतीय खिलाड़ी से पार नहीं पा सके। दूसरे गेम को प्रणय ने 21-18 से जीता।

29 साल के प्रणय ने पहले राउंड में 20 साल के लक्ष्य सेन को हराया था। वर्ल्ड नंबर 10 लक्ष्य को 21-10, 21-9 से हार मिली थी। प्रणय ने लक्ष्य को आधे घंटे में ही हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। प्रणय फिलहाल शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। हाल ही में उन्होंने थॉमस कप में टीम इंडिया की जीत में अहम योगदान दिया था। भारतीय टीम पहली बार थॉमस कप जीती थी।

29 साल के प्रणय ने पहले राउंड में 20 साल के लक्ष्य सेन को हराया था। वर्ल्ड नंबर 10 लक्ष्य को 21-10, 21-9 से हार मिली थी। प्रणय ने लक्ष्य को आधे घंटे में ही हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था।

इंडोनेशिया ओपन में महिला डबल्स में अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की जोड़ी को प्री-क्वार्टर फाइनल राउंड में हार का सामना करना पड़ा। चीन की चेन क्विंगचेन और जिया यिफान की जोड़ी ने भारतीय जोड़ी को लगातार गेमों में 21-16, 21-13 से हराया। यह मैच 39 मिनट तक चला। वहीं, मेन्स सिंगल्स में समीर वर्मा को भी हार का सामना करना पड़ा। उन्हें मलेशिया के वर्ल्ड नंबर पांच ली जी जिया ने लगातार गेमों में 21-10, 21-13 से हरा दिया। यह मैच 41 मिनट तक चला।

इटली और नॉर्वे का दौरा करेगी भारत की अंडर-17 महिला टीम

नार्थ साउंड । भारत की अंडर-17 महिला टीम आगामी फीफा अंडर-17 विश्व कप की तैयारी के सिलसिले में दो टूर्नामेंटों में भाग लेने के लिए इटली और नॉर्वे का दौरा करेगी। भारत अक्टूबर-नवंबर में अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी करेगा।

भारतीय युवा टीम यूरोप के इस दौरे के दौरान दो टूर्नामेंट में भाग लेगी। वह 22 से 26 जून तक इटली में छठे टोरनेओ महिला फुटबॉल टूर्नामेंट और एक से सात जुलाई तक नॉर्वे में ओपन नॉर्डिक अंडर-16 टूर्नामेंट में खेलेगी। भारतीय टीम पहली बार नॉर्डिक टूर्नामेंट में भाग लेगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार भारत का सामना 22 जून को इटली से होगा। भारत के अलावा चिली, इटली और मैक्सिको भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। नॉर्वे में ओपन नॉर्डिक टूर्नामेंट मे आठ टीम नीदरलैंड, भारत, नॉर्वे, आइसलैंड, डेनमार्क, फैरो आइलैंड्स, फिनलैंड और स्वीडन एक-दूसरे के खिलाफ मैच खेलेंगी। भारत का सामना एक जुलाई को नीदरलैंड से होगा। मुख्य कोच थॉमस डेनरबी ने इस दौरे के लिये 23 खिलाड़ियों का चयन किया है।

यूरोपीय दौरे के लिए भारतीय टीम :

गोलकीपर : मोनालिसा देवी, हेमप्रिया सेराम, कीशम मेलोडी चानू।

रक्षापंक्ति : अस्तम उरांव, काजल, भूमिका माने, नकेता, पूर्णिमा कुमारी, शुभांगी सिंह, सुधा अंकिता टिर्की, वार्शिका

मध्यपंक्ति : बबीना देवी, ग्लेडिस ज़ोनुनसंगी, मिशा भंडारी, पिंकू देवी, नीतू लिंडा, शैलजा

अग्रिम पंक्ति: अनीता कुमारी, नेहा डी : रेजिया देवी लैशराम, शेलिया देवी, लिंडा कॉम सर्टो

'हॉकी फाइव्स' खेल का रूख मोड़ सकता है, लेकिन पारंपरिक प्रारूप की जगह नहीं लेने देंगे : FIH

नई दिल्ली। हॉकी फाइव्स की लोकप्रियता बढने के साथ ही ऐसी आशंकाएं जतायी जा रही हैं कि यह 11 खिलाडियों वाले पारंपरिक प्रारूप की जगह ले लेगा लेकिन इस खेल की वैश्विक संचालक एफआईएच ने आश्वासन दिया कि वह खेल की पारंपरिक शैली पर सबसे छोटे प्रारूप को प्राथमिकता नहीं देगा। उसने हालांकि कहा कि यह प्रारूप खेल की 'विकास की शानदार कहानी' की तरह है। इस प्रारूप में दोनों टीमों के मैदान में पांच-पांच खिलाड़ी होते हैं और मैच को 10-10 मिनट के दो हाफ में खेला जाता है। इसके मैदान का आकार भी नियमित हॉकी मैदान से छोटा होता है।

लुसाने में खेल के इस प्रारूप में भारतीय पुरुष टीम की सफलता के बाद भारतीय हॉकी बिरादरी को भी लगता है कि छोटा प्रारूप युवाओं को आकर्षित करेगा। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थिएरी वेल ने कहा कि खेल को और लोकप्रिय बनाने के लिए हॉकी फाइव्स को पारंपरिक प्रारूप के साथ जोड़ा जा रहा है। वेल ने कहा कि हॉकी फाइव्स खेल के पारंपरिक प्रारूप में एक और विकल्प है। हम हॉकी की लोकप्रियता बढ़ाना चाहते हैं और हॉकी फाइव्स इसमें हमारी मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि हम इस बात को लेकर आशान्वित हैं कि हॉकी फाइव्स से आने वाले वर्षों में खेल को काफी फायदा होगा। हम हालांकि खेल के पारंपरिक प्रारूप की कीमत पर हॉकी फाइव्स को हावी नहीं होने देंगे। हम कभी ऐसा नहीं होने देंगे।

टीम में वापसी पर दिनेश कार्तिक ने कहा: जब टीम का हिस्सा नहीं था तो इस बारे में सोचता था

राजकोट । भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने खुलासा किया है कि तीन साल से अधिक समय से अलग रहने के बाद राष्ट्रीय टीम में उनकी वापसी बेहद खास है। उन्होंने कहा कि जब वह टीम का हिस्सा नहीं थे तो वह हर समय इसी के बारे में सोचते थे। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए आईपीएल 2022 सीजन के दौरान शानदार प्रदर्शन देने के बाद कार्तिक ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी 20 सीरीज के लिए भारत की सीमित ओवरों की टीम में वापसी की। कार्तिक ने कहा, मैं बहुत खुश हूं, बहुत गर्व महसूस कर रहा हूं। यह एक अविश्वसनीय माहौल और टीम का हिस्सा है। लगभग तीन

वर्षों से, मैं बाहर से देख रहा हूं। मैं देख रहा हूं कि इस टीम का हिस्सा बनना कितना खास है। मैं यहां हर पल का लुत्फ उठा रहा हूं और बहुत आभारी हूं।' उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मुझे कई बार बाहर किया गया है और मैं हमेशा भारतीय टीम में वापसी करना चाहता था। मुझे लगता है कि यह मेरी सबसे बड़ी ड्राइव रही है, जब भी मैंने घरेलू खेला है, चाहे मैंने आईपीएल खेला हो। यहां वापस आने, राष्ट्रीय रंग पहनना और भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने की इच्छा के संदर्भ में कुछ ऐसा है जिसका मैं हर रोज सपना देखता हूं और इसने मुझे पिछले एक-एक दशक में लगातार आगे बढ़ाया है। गौर हो कि कार्तिक के पास एक अविश्वसनीय आईपीएल 2022 सीजन था। उन्होंने फिनिशर की भूमिका निभाते हुए 16 पारियों में 330 रन बनाए।

राष्ट्रमंडल खेलों में 37 सदस्यीय एथलेटिक्स दल की अगुवाई करेंगे नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा को 28 जुलाई से 8 अगस्त के बीच बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिये भारत की 37 सदस्यीय एथलेटिक्स दल में शामिल किया गया है। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने इसकी सूचना दी। एएफआई अध्यक्ष आदिल सुमारिवाला ने कहा कि उन्हें दल पर पूरा भरोसा है और वह इन खेलों में अच्छा प्रदर्शन करेगा। दल में नीरज चोपड़ा, डीपी मनु और रोहित यादव के रूप में तीन जैवलिन थ्रोअर शामिल किए गए हैं। साथ

ही अब्दुल्लाह अबूबकर, प्रवीण चित्रावल और एल्डहोज पॉल के रूप में तीन तिहरी कूद खिलाडियों को टीम में जगह दी गई है।

सुमारिवाला ने कहा कि हम भारतीय ओलंपिक संघ से अनुरोध कर रहे हैं कि हमारा कोटा एक-एक करके बढ़ाया जाए और कुछ एथलीटों के लिए मान्यता हासिल करने में सहायता की जाए। हमने खेलों से पहले उनकी फिटनेस और फॉर्म को साबित करने के लिए कुछ विषयों का भी चयन किया है। उन्होंने कहा कि शॉट पुटर तजिंदरपाल सिंह तूर को कजाकिस्तान में अच्छा प्रदर्शन करना होगा, जबकि अमोज जैकब को उनकी रिकवरी और फिटनेस स्तर के आधार पर चुना गया है।

इसी तरह, डिस्कस थ्रोअर नवजीत कौर ढिल्लों और सीमा अंतिल पुनिया के साथ-साथ हैमर थ्रोअर सरिता सिंह को कजाकिस्तान या कैलिफोर्निया में प्रदर्शन करना होगा। रेस वॉकर भावना जाट को अपनी फिटनेस साबित करनी होगी। उन्होंने कहा कि विदेशों में प्रशिक्षण ले रहे अविनाश साबले, नीरज चोपड़ा और सीमा अंतिल पुनिया ने चेन्नई में राष्ट्रीय अंतर-राज्य एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेने से छूट मांगी और उन्हें छूट दी गई।

पहली बार बदला फीफा का इतिहास: अब अमेरिका, मैक्सिको, कनाडा करेंगे 2026-वर्ल्ड कप की मेंजबानी; 16 शहरों के नाम जारी

वाशिंगटन। 2026 फीफा वर्ल्ड कप अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा मिलकर आयोजित करेंगे। फीफा के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है कि तीन देशों को वर्ल्ड कप की मेजबानी सौंपी गई है।

दुनिया में फुटबॉल संचालित करने वाली संस्था फीफा ने गुरुवार रात वर्ल्ड कप के अगले संस्करण के लिए 16 मेजबान शहरों की घोषणा की है। इसमें 32 के बजाए 48 टीमें हिस्सा लेंगी। फिलहाल, वर्ल्ड कप का मौजूदा सीजन कतर में हो रहा है, जो 21 नवंबर से 18 दिसंबर के बीच आयोजित किया जाएगा। इसमें 32 टीमें ही हिस्सा ले रही हैं।

80 में से 60 मैच अमेरिका में होंगे, 10-10 कनाडा और मैक्सिको में

2026 में होने वाले इस टूर्नामेंट में 80 में से 60 मैच अमेरिका में खेले जाएंगे। कनाडा और मेक्सिको में 10-10 मैच खेले जाएंगे। अमेरिकी फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष कार्लोस कोरडेरियो ने कहा, 'यह अद्वितीय है और उत्तरी अमेरिका में फुटबॉल जगत के लिए बहुत बड़ा पल है।'

कहां-कहां होंगे मैच अमेरिका: एटलांटा, बोस्टन, डलास, ह्यूस्टन, कैन्सास, लॉस एंजिल्स, मियामी, न्यूयार्क, फिलाडेल्फिया, सैन फ्रांसिस्को, सिएटल।

मैक्सिको: गौडालाजारा, मैक्सिको सिटी, मॉन्टेरी।

कनाडा: टोरंटो, वैंकूवर

20 साल पहले जापान-कोरिया ने होस्ट किया था

20 साल पहले 2002 में जापान और साउथ कोरिया ने मिलकर वर्ल्डकप होस्ट किया था। मॉस्को में आयोजित 68वें फीफा कांग्रेस सम्मेलन में राष्ट्रीय फुटबॉल संघों ने अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा को के पक्ष में मतदान किया।

वोटिंग में मोरक्को को हराया

मास्को में फीफा कॉन्फ्रेंस में अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा ने संयुक्त रूप से 2026 वर्ल्ड कप के लिए दावेदारी पेश की थी। इन तीनों ने दावेदारी के चुनाव में मोरक्को को हराया था।

यहां 200 से अधिक राष्ट्रीय फुटबॉल संघों ने मतदान किया। संयुक्त दावेदारी को 134 वोट मिले थे, जबकि मोरक्को को 65 ही वोट मिल सके थे।

सबसे लोकप्रिय खेल इवेंट है फीफा वर्ल्ड कप

फीफा वर्ल्ड कप फुटबॉल का और दुनिया का सबसे बड़ा खेल इवेंट है। यह दर्शक क्षमता और लोकप्रियता के मामले में ओलिंपिक को टक्कर देता है। 1930 में शुरू हुआ यह टूर्नामेंट जब भी होता है तो पूरी दुनिया की नजरें इस पर टिक जाती हैं। इसका आयोजन चार साल में एक बार होता है। पिछले साल इस टूर्नामेंट को फ्रांस ने जीता था, जबकि पहले फुटबॉल वर्ल्ड कप को जीतने वाली टीम उरुग्वे थी।

सबसे तेजी से बढ़ने वाला ब्लैक होल मिला:9 अरब साल से हर सेकंड पृथ्वी के बराबर बढ़ रहा, सूर्य से 3 अरब गुना बड़ा

सिडनी। अंतरिक्ष में अभी ऐसे कई रहस्य हैं, जिनसे इंसान बेखबर है। हाल ही में ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने नौ अरब सालों से सबसे तेजी से बढ़ते ब्लैक होल की खोज की

है। यह इतना शक्तिशाली है कि हर सेकंड पृथ्वी के बराबर बढ़ रहा है। इसका द्रव्यमान भी सूर्य से 3 अरब गुना ज्यादा बताया जा रहा है। रिसर्चर्स का कहना है कि ब्लैक होल को अंधेरी क्षेत्रों में टेलिस्कोप की मदद से आसानी से देखा जा सकता है।

50 साल से चल रही थी खोज

यह रिसर्च arXiv जर्नल में प्रकाशित हुई है। वैज्ञानिकों के मुताबिक एक खास प्रकार के तारों की खोज के दौरान यह ब्लैक होल पाया गया। लीड रिसर्चर क्रिस्टोफर ओंकेन का कहना है कि इस तरह के ऑब्जेक्ट की खोज वैज्ञानिक 50 साल से करने की कोशिश कर रहे हैं। अब तक वैज्ञानिकों ने कई ब्लैक होल्स की खोज की, लेकिन उनकी नजर से यह ब्लैक होल छूट गया। कुछ महीने पहले ही रिसर्चर्स ने हमारी मिल्की वे गैलेक्सी में Sagittarius A* नाम के ब्लैक होल की खोज की थी। यह आकाशगंगा के बीचोंबीच स्थित है। शोधकर्ताओं की मानें तो अभी मिला ब्लैक होल इसके मुकाबले 500 गुना ज्यादा बड़ा है। खोज में शामिल सैमुएल लाई कहते हैं कि यह ब्लैक होल इतना बड़ा है कि इसमें हमारे सौरमंडल के ग्रहों की सभी कक्षाएं भी समा सकती हैं।

17 पोते-पोतियों वाली दादी बनी 24साल के लड़के की दुल्हन

जॉर्जिया। अक्सर आपने लोगों को कहते सुना होगा कि प्यार में उम्र मायने नहीं रखता। इस बात को जॉर्जिया के रहने वाले एक कपल ने सही साबित कर दिया है। इस कपल के बीच 37 साल का अंतर है और दोनों एक दूसरे के साथ काफी खुश हैं। 24 साल के कुरेन मैकेन ने 17 पोते-पोतियों वाली 61 साल की दादी चेरिल मैकग्रेगर से शादी की है। 7 साल की चेरिल अपने 24 साल के पति के साथ बच्चा प्लान कर रही हैं।

सोशल मीडिया पर हो रही आलोचना

61 साल की शेरिल मैकग्रेगर ने 24 साल के नौजवान बॉयफ्रेंड कुरेन मैकेन को अपना हमसफर बनाया है। दोनों की शादी लोगों ने टिक-टॉक पर लाइव देखा। शेरिल और कुरेन की शादी को लेकर सोशल मीडिया पर यूजर्स तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं, लेकिन कपल का कहना है कि उन्हें इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता है।

अमेरिका में गुजराती युवक की हत्या

न्यूपोर्ट। अमेरिका के न्यूपोर्ट न्यूज शहर के कन्वीनियंस स्टोर में रात को एक अमेरिकन समेत गुजराती युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतकों के नाम प्रेयस पटेल एडवर्ड थॉमस हैं। मूल रूप से गुजरात में आणंद शहर के रहने वाले प्रेसय कन्वीनियंस स्टोर में काम करते थे। बदमाश इस वारदात को अंजाम देने के बाद कैश बॉक्स और कुछ सामान लेकर फरार हो गए। वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। लुटेरों ने कैश उनके हवाले करने के लिए पहले थॉमस को पीटना शुरू कर दिया तो प्रेयस ने उसे बचाने की कोशिश की। इसी दौरान एक लुटेरे ने उन्हें और थॉमस दोनों को गोली मार दी। प्रेयस के बड़े भाई परिवार के कुछ सदस्यों के साथ अमेरिका के लिए रवाना हो गए हैं। प्रेयस पटेल के परिवार से मिली जानकारी के अनुसार प्रेयस करीब एक साल से न्यूपोर्ट न्यूज शहर के क्लीन क्रीक पार्कवे में स्थित कन्वीनियंस स्टोर में काम कर रहे थे। इस स्टोर में उनके साथ एडवर्ड थॉमस नाम का एक और कर्मचारी भी थी। स्टोर संभालने की जिम्मेदारी इन दोनों पर ही थी। रात को तीन नकाबपोश स्टोर में दाखिल हुए और दोनों पर गोलियां बरसा दीं।

चीन ने फिर दिया भारत को धोखा, पाक आतंकी मक्की को वैश्विक आतंकी घोषित करने के खिलाफ की वोटिंग

मंगोलिया: चीन ने पाकिस्तानी आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की प्रतिबंधित सूची में शामिल करने के अमेरिका एवं भारत के संयुक्त प्रस्ताव को आखिरी क्षण में बाधित कर दिया। अमेरिका और भारत ने सुरक्षा परिषद की अल कायदा प्रतिबंध समिति के तहत मक्की को एक वैश्विक आतंकवादी घोषित किए जाने के लिए संयुक्त प्रस्ताव पेश किया था। अमेरिका पहले ही मक्की को आतंकवादी घोषित कर चुका है। मक्की लश्कर-ए-तैयबा के सरगना एवं 26/11 मुंबई हमलों के मुख्य साजिशकर्ता हाफिज सईद का रिश्तेदार है। ऐसा बताया जा रहा है कि भारत और अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 आईएसआईएल (दाएश) और अल कायदा प्रतिबंध समिति के तहत मक्की को वैश्विक आतंकवादी घोषित किए जाने के लिए एक संयुक्त प्रस्ताव पेश किया था, लेकिन चीन ने इस

प्रस्ताव को अंतिम क्षण में बाधित कर दिया। पाकिस्तान के मित्र देश चीन ने भारत और उसके सहयोगियों द्वारा पाकिस्तानी आतंकवादियों को सूचीबद्ध करने के प्रयासों को इससे पहले भी कई बार बाधित किया है।

भारत ने मई 2019 में संयुक्त राष्ट्र में एक बड़ी राजनयिक जीत हासिल की थी, जब वैश्विक निकाय ने पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर को ''वैश्विक आतंकवादी' घोषित कर दिया था। ऐसा करने में भारत को करीब एक दशक का समय लग गया था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 सदस्यीय निकाय में चीन एक मात्र ऐसा देश था, जिसने अजहर को कालीसूची में डालने के प्रयासों को बाधित करने की कोशिश की थी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पांच राष्ट्र - अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, फ्रांस और रूस - स्थायी सदस्य हैं। इनके पास 'वीटो' का अधिकार है यानी यदि उनमें से किसी एक ने भी परिषद के किसी प्रस्ताव के विपक्ष में वोट डाला तो वह प्रस्ताव पास नहीं होगा।

चीन ने तीसरे विमानवाहक पोत का जलावतरण किया

बीजिंग। चीन लगातार भारत और अमेरिका की चिंता बढ़ा रहा है। थल और वायु सेना के बाद वह नौसेना की ताकत में भी तेजी से इजाफा कर रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को चीन ने अपने तीसरे विमानवाहक पोत फुजियान का जलावतरण किया। चीन की आधिकारिक मीडिया ने बताया कि शुक्रवार को पूर्वी तटीय प्रांत फुजियान के नाम पर तीसरे विमानवाहक पोत का जलावतरण किया गया।

कोरोना के कारण देरी से हुआ जलावतरण

कोविड-19 को लेकर शंघाई में लॉकडाउन के कारण चीन के तीसरे विमानवाहक पोत के जलावतरण में दो महीने की देरी हुई। 23 अप्रैल को पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी

(पीएलएएन) की 73वीं वर्षगांठ के आसपास इसका जलावतरण किया जाना था। जानकारी के मुताबिक, चीन का पहला विमानवाहक पोत लियाओनिंग सोवियत युग के जहाज का एक परिष्कृत रूप है, जिसका जलावतरण 2012 में किया गया था और उसके बाद 2019 में दूसरे विमानवाहक पोत 'शेडोंग' का जलावतरण किया गया जो स्वदेश में निर्मित था।

पहला ड्रोन विमान वाहक पोत- चीन के नए युद्धपोत को पहला ड्रोन विमान वाहक पोत बताया जा रहा है। जहाज 50 मानव रहित प्रणालियों को ले जा सकता है, जिसमें मानव रहित नौकाएं, ड्रोन और पानी के नीचे चलने वाले वाहन शामिल हैं। चीन अपनी नौसेना का तेजी से आधुनिकीकरण कर रहा है, जिसमें नए विमानवाहक पोतों का निर्माण भी शामिल है। चीन ने श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह को 99 साल की लीज पर भी लिया है और अरब सागर में पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह का विस्तार और आधुनिकीकरण किया है।

उत्तर कोरिया में फैली एक और महामारी, किम जोंग ने संभाला मोर्चा

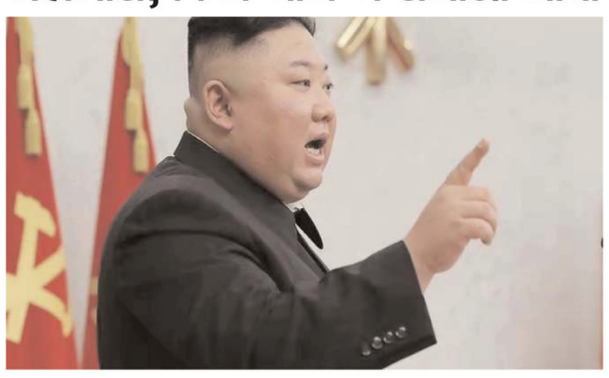

सियोल। उत्तर कोरिया में कोरोना के कहर के बीच एक और महामारी फैल गई है। यह आंतों की बीमारी है। यह हैजे व पेचिश जैसी गंभीर बीमारियों जैसी बताई गई है। इससे निपटने के लिए खुद सैन्य शासक किम जोंग उन ने मोर्चा संभाला है। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार आंतों की इस महामारी से दक्षिण-पश्चिमी हेजू शहर में कितने लोग संक्रमित हैं यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। हालांकि, न्यूज एजेंसी ने बीमारी का नाम नहीं बताया, लेकिन आमतौर पर आंतों की बीमारियां जैसे- टाइफाइड, पेचिश और हैजा, जो कि दूषित भोजन, पानी में कीटाणुओं, संक्रमित लोगों के मल के संपर्क में आने के कारण होती हैं। इन बीमारियों को 'एंटेरिक' कहते हैं।

उत्तर कोरिया के रोडोंग सिनमुन ने मुख पृष्ठ पर किम और उनकी पत्नी री सोल जू की एक तस्वीर प्रकाशित की है। जिसमें किम दंपती उन दवाओं को देख रहे हैं, जो उन्होंने निजी तौर पर मुहैया कराई हैं।डीपीआरकेहेल्थडॉटओआरजी के अहं क्यूंग-सु के अनुसार उत्तर कोरिया में खसरा या टाइफाइड जैसी बीमारियों का प्रकोप असामान्य नहीं है, लेकिन वहां एक संक्रामक बीमारी फैल रही है। उत्तर कोरिया में 26 हजार से ज्यादा लोग बुखार व अन्य लक्षणों के साथ पाए गए। इसके साथ ही देश में अप्रैल के बाद से 45 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित मिले हैं। वहीं, मरने वालों की संख्या 73 हो गई है।

दुनिया भर में 10 करोड़ लोग हुए विस्थापित, भारत में 50 लाख ने छोड़ा अपना घर

वाशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा किया गया है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन और आपदाओं के कारण दुनिया भर में 2021 में 10 करोड़ से ज्यादा लोग एक जगह से दूसरी जगह विस्थापित हुए हैं। भारत में यह संख्या करीब 50 लाख है। मतलब भारत में 50 लाख से ज्यादा लोग इस साल अपना घर छोड़ने पर मजबूत हुए हैं। यूएन रिफ्यूजी एजेंसी की वार्षिक 'ग्लोबल ट्रेंड्स रिपोर्ट' के मुताबिक, इतनी बड़ी संख्या में विस्थापन का कारण पिछले साल हिंसा, मानवाधिकारों के हनन, खाद्य असुरक्षा, जलवायु संकट, यूक्रेन में युद्ध और अफ्रीका से अफगानिस्तान तक अन्य आपात स्थितियां हैं।

चीन में सबसे ज्यादा विस्थापित हुए लोग

रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में आपदाओं के कारण चीन में सबसे अधिक 60 लाख लोग, फिलीपींस में 57 लाख और भारत में 49 लाख लोग विस्थापित हुए। इसमें से अधिकतर लोगों ने आपदा के कारण अस्थायी तौर पर ही अपने घर छोड़े थे। रिपोर्ट में कहा गया कि देश में ही आंतरिक रूप से विस्थापित हुए अधिकतर लोग अपने गृह क्षेत्रों में लौट आए हैं, लेकिन साल के अंत तक दुनियाभर में आपदाओं के कारण विस्थापित हुए 59 लाख लोग अब भी अपने घर नहीं लौट पाए थे।

हर साल बढ़ रही विस्थापितों की संख्या

संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने कहा कि पिछले एक दशक में हर साल अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर होने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि हुई। 2021 के अंत तक युद्ध, हिंसा, उत्पीड़न और मानवाधिकारों के हनन के कारण विस्थापित हुए लोगों की संख्या 8.93 करोड़ थी, जो एक साल पहले की तुलना में आठ प्रतिशत अधिक और 10 साल पहले के आंकड़े से दोगुने से भी अधिक है।

शहबाज-इमरान से ज्यादा अमीर हैं बिलावल भुट्टो, उनके पास डेढ़ सौ करोड़ की प्रॉपर्टी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और पूर्व पीएम इमरान खान से ज्यादा दौलत उनकी पत्नियों के पास है। पाकिस्तान के चुनाव आयोग को दिए गए एसेट्स डिक्लरेशन में यह बातें सामने आई हैं। शाहबाज शरीफ के पास करीब 10 करोड़ रुपए की एसेट्स हैं और उन पर 15 करोड़ का कर्ज है। शेखूपुरा और लाहौर में उनके पास 61 एकड़ की भूमि है। उनका एक घर लंदन में भी है, जिसकी कीमत साढ़े 13 करोड़ रुपए है। शाहबाज के बैंक खाते में 2 करोड़ रुपए हैं। पहली पत्नी नुसरत के पास करीब 23 करोड़ की संपत्ति है। कई इन्वेस्टमेंट्स के साथ नुसरत के बैंक खाते में 2 करोड़ रुपए हैं। पूर्व पीएम इमरान के पास दो लाख रुपए के चार बकरे हैं। बनीगला में 30 एकड़ का बंगला भी है। उन्हें विरासत में लाहौर जमान पार्क में एक घर और 600 एकड़ भूमि भी मिली है। वैसे खास बात यह भी है कि बुलेटप्रूफ कार में चलने वाले इमरान के पास रिकॉर्ड में कोई कार नहीं है और न ही पाकिस्तान के बाहर कोई संपत्ति है। इमरान के बैंक अकाउंट में करीब 6 करोड़ रुपए हैं। इमरान की तीसरी पत्नी बुशरा बीबी की कुल प्रॉपर्टी करीब 15 करोड़ रुपए की है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी यानी पीपीपी प्रमुख और पूर्व पीएम बेनजीर भुट्टो के बेटे बिलावल भुट्टो जरदारी के पास करीब डेढ़ सौ करोड़ रुपए से ज्यादा की प्रॉपर्टी है। उनके पास विदेश में ज्यादा एसेट्स हैं। दुबई में बिलावल की 25 प्रॉपर्टी हैं। बेनजीर भुट्टो के पति आसिफ अली जरदारी की संपत्ति में 4 करोड़ का इजाफा हुआ है। उनकी कुल संपत्ति 70 करोड़ रुपए के करीब है। उनके पास हजारों एकड़ की कृषि भूमि है। साथ ही 20 घोड़े और सैंकड़ों ऊंट, गाय और भैंस हैं। उनके पास मौजूद हथियारों की कीमत ही करीब डेढ़ करोड़ रुपए है।

डब्ल्यूटीओ में रिफार्म का एजेंडा तैयार: पीयूष गोयल

जिनेवा। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में संगठन में सुधार के लिए रिफार्म एजेंडा तैयार किया गया है। इस सम्मेलन में हिस्सा लेने आए भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विकासशील देशों को वैक्सीन बनाने में सहूलियत मिले, इसका एकमत से फैसला लिया गया है मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत ने विकासशील और कम विकसित देशों का नेतृत्व करते हुए कई अहम समझौते के लिए 164 सदस्य देशों को राजी किया है। भारत ने कोरोना वैक्सीन के पेटेंट में छूट से लेकर फिशरीज में सब्सिडी जारी रखने के मसले पर दुनिया को एकमत किया है।भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में 19 घंटे तक चली मैराथन बैठक में कई मसलों पर सहमति बन सकी।

पेटेंट, मछली पालन सब्सिडी और निर्बाध व्यापार के मुद्दों पर सहमति, नौ साल बाद डब्ल्यूटीओ के बड़े कदम

इस्लामाबाद। लगभग नौ वर्षों के अंतराल के बाद विश्व व्यापार संगठन के सदस्य देशों के बीच मछली पालन सब्सिडी रोकने और निर्बाध व्यापार और कोरोना को देखते हुए पेटेंट नियमों में छूट को लेकर अहम सहमति बन गई है। इनसे संबंधित करार जल्द घोषित किए जाएंगे।

इसके साथ ही जिनेवा में 12 जून से शुरू हुई चार दिनी मंत्रिस्तरीय वार्ता शुक्रवार तड़के समाप्त हो गई। वार्ता से जुड़े सूत्रों ने विभिन्न समझौतों पर व्यापक सहमति की खबर दी। 2013 में बाली में हुए मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के एजेंडे में निर्बाध व्यापार का मुद्दा उठा था। इसके नौ साल बाद सदस्य देशों ने वैश्विक सीमाओं के पार माल की निर्बाध आवाजाही को बढ़ावा देने के लिए व्यापार सुविधा समझौते पर हस्ताक्षर किए। इन समझौतों पर लगातार दो रात गहन मंथन हुआ। इसके बाद शुक्रवार को एक पैकेज के एलान की तैयारी है। इसमें कोविड को देखते हुए पेटेंट नियमों में ढील और व्यापार को नुकसान पहुंचाने वाली मछली पालन सब्सिडी पर नियंत्रण को लेकर करार शामिल हैं। इन समझौतों

का विस्तृत ब्योरा जल्द जारी होगा।

भारत ने इन मुद्दों पर जताई नाराजगी

डब्ल्यूटीओ की जिनेवा वार्ता 2022 में भारत की ओर से केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल शामिल हुई। बैठक में भारत ने खाद्य सुरक्षा और मत्स्य पालन में विकसित देशों की भूमिका पर खुलकर नाराजगी जताई। भारत को पिछले महीने डीजी-डब्ल्यूटीओ द्वारा लाए गए कृषि, व्यापार और खाद्य सुरक्षा से संबंधित मसौदा निर्णयों में कुछ प्रावधानों के बारे में आपत्ति थी। वहीं विकसित देशों ने ट्रिप्स पेटेंट की शर्तों को खत्म कर दिया। दूसरी ओर, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने सम्मेलन में यह स्पष्ट कर दिया कि मत्स्य पालन समझौते का मसौदा भारत को स्वीकार्य नहीं है। इस बीच सम्मेलन को एक और दिन के लिए बढ़ा दिया गया है और कुछ मुद्दों पर कथित तौर पर सहमति बनी है।

ट्रिप्स पर अमेरिका की मंजूरी का इंतजार

सूत्रों के अनुसार सभी देश समझौतों से पूरी तरह से सहमत हुए और सर्वसम्मति से हस्ताक्षर किए गए। अस्थायी पेटेंट (ट्रिप्स) छूट पर निर्णय जल्द ही किसी भी समय होने की उम्मीद है। इस पर अमेरिका की मंजूरी की प्रतीक्षा है। इन सभी मुद्दों पर औपचारिक घोषणा जल्द ही किए जाने की संभावना है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम एवम्
योग सत्संग समिति द्वारा
विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज
से मुद्रित एवम् क्रियायोग
आश्रम अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
211019 से प्रकाशित।
Title UPHIN 29506
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बंधित विवादों का न्याय क्षेत्र कौशाम्बी, प्रयागराज होगा।

अमेरिका में चर्च में चली गोली, एक की मौत, दो घायल

वेस्टाविया हिल्स। गन कल्चर से जूझ रहे अमेरिका में एक बार फिर गोलीबारी की घटना हुई है। अलबामा के वेस्टाविया हिल्स इलाके के एक चर्च में हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस गोलीबारी में दो अन्य व्यक्ति घायल हो गए। पुलिस ने इस मामले में एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया है। पुलिस कैप्टन शेन वेयर ने बताया कि गुरुवार शाम 6 बजे वेस्टाविया हिल्स के बर्मिंघम उपनगर में सेंट स्टीफन एपिस्कोपल चर्च में यह घटना हुई। शेन वेयर के मुताबिक घायलों को अस्पताल ले जाया गया । पीड़ितों और संदिग्धों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में गोलीबारी आमबात हो गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में अब तक 212 घटनाएं हुई हैं। पिछले साल 2021 में 693 सामूहिक शूटिंग की घटनाएं हुईं। 2020 में 611 जगह गोलीबारी हुई।

वायु सुरक्षा प्रणाली को चकमा देकर छह नाटो देशों के ऊपर उड़ता रहा जहाज

सोफिया। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बीच नाटो देशों के आकाश पर खतरा मंडराता रहा और उसे रोका भी न जा सका। दरअसल वायु सुरक्षा प्रणाली को चकमा देकर एक रहस्यमयी विमान छह नाटो देशों के ऊपर उड़ता रहा। जब नाटो के लड़ाकू विमानों ने उक्त विमान का पीछा किया तो विमान बुल्गारिया में उतर गया। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद नाटो देश खुलकर यूक्रेन का साथ दे रहे हैं। ऐसे में जब एक रहस्यमयी हवाई जहाज एक-एक करके छह नाटो देशों हंगरी, रोमानिया, पोलैंड, स्लोवाकिया, लिथुआनिया व बुल्गारिया के आकाश में उड़ता देखा गया। बुल्गारिया के रक्षा मंत्रालय के अधिकारी ड्रैगोमिर जाकोव ने बताया कि एक अज्ञात विमान ने बुधवार शाम को उनके देश की हवाई सीमा में प्रवेश किया था। वैसे उससे किसी तरह के खतरे का आंकलन नहीं किया गया है क्योंकि वह विमान बहुत कम ऊंचाई पर उड़ रहा था और उसे पकड़ना आसान था। उन्होंने बताया कि पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है।

बुल्गारिया की सीमा में प्रवेश करने से पहले इस रहस्यमयी विमान को हंगरी और रोमानिया की वायुसेना ने पकड़ा था। इसके बाद उक्त विमान पोलैंड, स्लोवाकिया, बुल्गारिया व लिथुआनिया की हवाई सीमा में दाखिल हुआ। इस तरह छह देशों की वायु सुरक्षा प्रणाली को चकमा देकर एक विमान के उड़ान भरते रहने से कई देशों में हड़कंप मच गया। विमान का पीछा करने के लिए कई लड़ाकू विमानों को भी भेजा गया। इसके बाद उक्त रहस्यमयी विमान बुल्गारिया में एक स्थान पर उतर गया। बुल्गारियाई सुरक्षा बलों ने विमान की जांच की तो उसमें न तो कोई पायलट मौजूद था, न ही कोई यात्री था। अब मामले की विस्तृत जांच बुल्गारिया के रक्षा मंत्रालय की विशेष टीम कर रही है।